- भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी - 12

- ब्रिटेन और जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों - 12

- अमेरिकी दावा, भारत ने रूस से तेल का आयात कम करना शुरू किया - 13

- रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में - 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

22.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.13

सूर्यास्त 05.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्थी 03:48 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 64, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

रुदौली विधायक के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी, केस दर्ज

मवई, अयोध्या

- सोशल मीडिया के जरिए समय-समय पर डाली जा रही भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट

अमृत विचार : रुदौली विधायक रामचंद्र यादव के खिलाफ अमर्यादित और भड़काऊ टिप्पणी का मामला सामने आया है। इस संबंध में नगर पंचायत मां कामाख्या निवासी पंकज यादव ने थाना बाबा बाजार में तहरीर देकर इलियास अहमद, नदीम अहमद और अनिल यादव के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है।

बताया गया कि इलियास अहमद की फेसबुक आईडी पर नदीम अहमद द्वारा समय-समय पर भ्रामक और भड़काऊ पोस्ट किए जाते हैं, जिन्हें बाद में हटा दिया जाता है। पंकज ने तहरीर में कहा है कि नदीम अहमद की फेसबुक आईडी से एक अन्य पोस्ट की गई, जिसमें रुदौली के एसडीएम के तबादले संबंधी जानकारी डालकर टिप्पणी की गई। इस पोस्ट पर अनिल यादव द्वारा अपने फेसबुक अकाउंट से विधायक के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की गई। बाबा बाजार थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार आजाद ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

कुरनूल में हुआ हादसा, बाइक टकराकर बस के फ्यूल टैंक में फंसने से लगी आग, 40 यात्री थे सवार

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), एजेंसी

हैदराबाद से बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकतर मृतकों के शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकती।

पुलिस ने बताया कि मृतकों में वह बाइक सवार भी शामिल है जिसकी मोटरसाइकिल ट्रक से टकराई थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया। कुछ शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही थी, जिसके कारण अधिकारियों को मृतकों के डीएनए नमूने एकत्र करने के लिए फोरेंसिक टीम को बुलाना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि कई यात्री इस दुर्घटना में बच नहीं पाए क्योंकि हादसा रात में हुआ और तब यात्री सो रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मोटरसाइकिल कुरनूल में चिन्नातेकुर के पास बस से टकरा कर उसके नीचे आ गई और उसकी ईंधन टंकी का ढक्कन खुल गया। कुरनूल रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) कोया प्रवीण ने बताया, अब तक जली हुई बस से शव निकाले जा चुके हैं। बाइक सवार का शव मुर्दाघर में है। उन्होंने कहा कि हताहतों और जीवित बचे लोगों की पूरी स्थिति, पूरी जांच और दुर्घटना में शामिल सभी लोगों की पहचान के बाद ही सामने आएगी।

हादसे के बाद जली बस।

- राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने बस हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया अनुग्रह राशि की घोषणा की

शॉर्ट सर्किट से बस का दरवाजा हो गया था जाम

पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और देखते ही देखते बस पूरी तरह जल गई। पुलिस ने बताया कि अधिकतर जीवित बचे लोगों की उम्र 25 से 35 साल के बीच है। जिला कलेक्टर ए. सिरी ने बताया कि बस में 41 लोग सवार थे, जिनमें चालक भी शामिल था। बस में सवार 41 लोगों में से 21 का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में बच गए लोगों की हालत स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने बताया कि कई यात्री इस हादसे के बाद बस से बाहर नहीं निकल पाये क्योंकि यह हादसा रात में हुआ जब वे सो रहे थे। उन्होंने बताया कि बस का दरवाजा तुरंत नहीं खुला क्योंकि कुछ तार कट गए थे, जिससे हादसे की गंभीरता और बढ़ गई। सिरी ने बताया कि अधिकतर यात्री हैदराबाद के थे। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि बस पड़ोसी राज्य तेलंगाना के हैदराबाद जा रही थी।

ब्रीफ न्यूज

बुकर फाउंडेशन ने नए चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार की शुरूआत की

लंदन। बुकर प्राइज फाउंडेशन ने शुक्रवार को काल्पनिक कहानियों के लिए एक नया 'चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की जिसका चयन बाल और वयस्क निर्णायकों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार प्रदान करने वाले बुकर प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि इस पुरस्कार के पहले संस्करण के नामांकन की शुरूआत 2026 में होगी और 2027 से यह प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा। इसके तहत विजेता को 50,000 पाउंड (करीब 59 लाख रुपये) दिया जाएगा।

दिल्ली: चार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के चार स्कूलों को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद अधिकारियों को पूरी जांच के लिए परिसरों को तुरंत खाली कराना पड़ा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि चार स्कूलों को मिले बम की धमकी वाले ईमेल जांच के बाद फर्जी निकले। विभाग के अनुसार, द्वारका के सेक्टर 16 स्थित सीआरपीएफ स्कूल में बम रखे होने की धमकी के संबंध में फोन पर पहली सूचना सुबह 8.15 बजे मिली। नांगलोई के संत दर्शन पब्लिक स्कूल से सुबह 8.20 बजे फोन पर इसी तरह की सूचना मिली।

विकास कार्यों को मिलेगी गति, पीडब्ल्यूडी अफसरों के वित्तीय अधिकार 5 गुना बढ़ाए

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1995 के बाद पहली बार किया वित्तीय सीमाओं का पुनर्निर्धारण

- मुख्य अभियंता 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता पांच करोड़ रुपये तक के स्वीकृत करेंगे कार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग में 30 वर्ष बाद एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक वृद्धि की है। अब मुख्य अभियंता को 10 करोड़ तो अधीक्षण अभियंता को पांच करोड़ रुपये तक के कार्य स्वीकृत करने का अधिकार होगा। यह कदम प्रदेश में विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने और प्रशासनिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी व पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा सुधार माना जा रहा है।

आवास पर शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सीएम ने कहा कि वर्ष 1995 में तय किए गए वित्तीय अधिकार अब वर्तमान परिस्थितियों में अप्रासंगिक हो चुके हैं। पिछले तीन दशकों में निर्माण लागत में पांच गुना से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। इसलिए, अधिकारियों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान करना समय की मांग है ताकि निर्णय प्रक्रिया तेज हो और कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। बैठक में प्रमुख सचिव (पीडब्ल्यूडी) अजय चौहान की ओर से वित्तीय सीमाओं को लेकर दिए गए प्रस्तुतीकरण और गहन विचार-विमर्श के बाद मुख्यमंत्री योगी ने सिविल कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों में पांच गुना और विद्युत व यांत्रिक कार्यों के लिए दो गुना तक की वृद्धि को स्वीकृति दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बदलावों से निविदा, अनुबंध और कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी, जबकि उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटेगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन को बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग प्रदेश की विकास परियोजनाओं का मेरुदंड है। उन्होंने विश्वास जताया कि योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता आधारित पदोन्नति व्यवस्था से विभागीय कार्यकुशलता और तकनीकी गुणवत्ता में नई ऊर्जा का संचार होगा।

लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

अभियंता सेवा नियमावली में होगा संशोधन

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन किया जाएगा। नई नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का पद सृजित किया गया है। साथ ही, मुख्य अभियंता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। पदोन्नति प्रक्रिया, वेतनमान और चयन समिति की संरचना को अद्यतन करते हुए सेवा व्यवस्था को अधिक संगठित और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ऐसे बढ़े अधिकार

- **मुख्य अभियंता :** 2 करोड़ से 10 करोड़
- **अधीक्षण अभियंता :** 1 करोड़ से 5 करोड़
- **अधिशासी अभियंता :** 40 लाख से 2 करोड़
- **सहायक अभियंता :** सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति का अधिकार

इन सुधारों को मंजूरी

- उप्र अभियंता सेवा (पीडब्ल्यूडी) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन
- विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में मुख्य अभियंता (स्तर-एक) का नया पद
- पदोन्नति प्रक्रिया और वेतनमान स्पष्ट, प्रशासनिक दक्षता व पारदर्शिता में वृद्धि

रोजगार मेले में 51 हजार जॉब लेटर बांटे

युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिकता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार युवाओं को सशक्त बनाने के लिए काम कर रही है और सरकारी नौकरी पाने से वंचित उम्मीदवारों को निजी क्षेत्र के संभावित नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए रास्ते बनाए गए हैं। 17वें रोजगार मेले में मोदी का एक संदेश चलाया गया जिसमें उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति भी युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी नौकरी नहीं है, बल्कि आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका बड़ा मौका है। देश भर में आयोजित रोजगार मेलों में 51,000 से अधिक उम्मीदवारों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे गए। अपने संदेश में मोदी ने कहा कि देशभर में रोजगार मेलों के जरिए अब तक 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। कहा कि सरकार ने एक नई पहल ''प्रतिभा सेतु पोर्टल'' शुरू की है जो उन अभ्यर्थियों को अवसर प्रदान करती है जो संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा के परिणाम की अंतिम सूची में तो पहुंच गए थे, लेकिन चयनित नहीं हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उनके प्रयास व्यर्थ नहीं जाएंगे, क्योंकि निजी और सार्वजनिक दोनों संस्थान अब पोर्टल के माध्यम से इन प्रतिभाशाली लोगों से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा प्रतिभाओं का ऐसा इष्टतम उपयोग दुनिया को भारत की क्षमता का प्रदर्शन कराएगा।

- प्रधानमंत्री ने कहा- यह केवल सरकारी नौकरी नहीं, राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का मौका

शर्मनाक... मदरसे में पढ़ाना है तो बेटी का 'वर्जिनिटी सर्टिफिकेट' लेकर आओ

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: मुरादाबाद के लोधीपुर स्थित जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसा में पढ़ने वाली कक्षा 7 की छात्रा के 8वीं में आने के बाद आगे पढ़ाई जारी रखने के नाम पर मदरसा प्रबंधन द्वारा अभिभावक से उसका वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांगा गया। अभिभावक ने आपत्ति जताई तो उनके साथ अभद्रता की गई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी भी हरकत में आए और शनिवार को टीम मदरसे में जाएगी। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है।

चंडीगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने बेटी का दाखिला 2024 में कक्षा 7 में पाकबड़ा थाना क्षेत्र के लोधीपुर राजपूत सीएनजी पंप के सामने जामिया असानुल बनात गर्ल्स मदरसे में कराया था। पिता ने एसएसपी सतपाल अंतिल को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह छुट्टियों के बाद जब दोबारा बेटी को कक्षा 8वीं की पढ़ाई के लिए मदरसा में छोड़ने आया तो एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां व प्रधानाचार्या रहनुमा ने नाबालिग बेटी के दोबारा प्रवेश के नाम पर वर्जिनिटी सर्टिफिकेट मांग लिया। सर्टिफिकेट नहीं देने पर बेटी की टीसी ले जाने का दबाव बनाना। इस पर एसएसपी ने पाकबड़ा प्रभारी निरीक्षक को जांच कर आरोपियों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। शुक्रवार को पाकबड़ा पुलिस ने मदरसे पहुंच कर जांच की।

तानाशाही भरा फरमान

आरोपी एडमिशन सेल इंचार्ज शाहजहां को कोर्ट ले जाते पुलिसकर्मी।

- मुरादाबाद के मदरसे में नाबालिग छात्रा से सर्टिफिकेट मांगने का शर्मनाक मामला
- एसएसपी से शिकायत के बाद पाकबड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को भेजा जेल

मदरसे प्रबंधन द्वारा नाबालिग छात्रा का वर्जिनिटी सर्टिफिकेट की मांग को लेकर छात्रा के पिता ने एसएसपी को शिकायती पत्र दिया था। पाकबड़ा पुलिस को दोषियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एडमिशन सेल के इंचार्ज शाहजहां को जेल भेज दिया है।
- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी मुरादाबाद

आईएसआईएस के दो आतंकवादी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली स्थित घर से विस्फोटक सामग्री और आईईडी टाइमर बरामद, राजधानी को दहलाने की थी साजिश

दिल्ली और मध्य प्रदेश से आईएसआईएस के दो संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित एक घर से प्लास्टिक बम, पेट्रोल बम, टाइमर उपकरण और आतंकी संगठन के झंडे समेत विस्फोटक बनाने की सामग्री जब्त की है। आतंकी राष्ट्रीय राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे।

आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी मोहम्मद अदनान खान उर्फ अबू मुहरिब (19) और मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी अदनान खान उर्फ अबू मोहम्मद (20) के रूप में हुई है। दोनों ही दक्षिण दिल्ली के एक मॉल और एक सार्वजनिक पार्क सहित शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके में आतंकवादी हमला करने की साजिश रच रहे थे। उसके घर से एक पेन ड्राइव, हार्ड डिस्क, आईएसआईएस का एक झंडा-वफादारी की शपथ के दौरान इस्तेमाल किया गया कपड़ा- तथा आईईडी में इस्तेमाल होने वाली एक टाइमर घड़ी भी बरामद की गई है। दोनों त्योहारी सीजन के दौरान दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आतंकी हमले करने की तैयारी में थे। दूसरे आरोपी अदनान खान को भोपाल एटीएस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। दोनों आईएसआईएस का प्रचार करने और संपादित जिहादी वीडियो प्रसारित करके युवाओं की भर्ती करने के लिए सोशल मीडिया पर एक नेटवर्क चला रहे थे।

'अबकी बार मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड गुरु पीयूष नहीं रहे

मुंबई, एजेंसी

भारतीय विज्ञापन जगत में देसी फ्लेवर डालने वाले एड गुरु पीयूष पांडे का शुक्रवार को मुंबई में निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पीयूष पांडे ने ही लिखा था।

पांडे ने भारतीय हास्य बोध और देसी अंदाज से हिंदी को मुख्यधारा में लाकर विज्ञापन जगत को नए तेवर दिए और अंग्रेजी-प्रधान विज्ञापनों को पीछे धकेल दिया। उनके लोकप्रिय विज्ञापन लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी के 'कुछ खास है' व 'असली स्वाद जिंदगी का', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' विज्ञापन शामिल हैं। पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवार्ड्स' के लेजेंड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

- 70 की उम्र में ली अंतिम सांस, 2016 में पद्मश्री और 2024 में लंदन में लेजेंड अवॉर्ड से किए गए थे सम्मानित

सुखद अहसास

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एयरपोर्ट की तस्वीरें और वीडियो साझा कर लिखा- इको फ्रेंडली और फ्यूचर ...रेडी है देश का अत्याधुनिक हवाई अड्डा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उड़ान को तैयार, भव्य तस्वीरें आईं सामने

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। इसकी सामने आईं भव्य तस्वीरें मन को गदगद करने वाली हैं। आधुनिक यात्री व्यवस्थाओं का दर्शन कराने वाली वीडियो, तस्वीरें मुख्य सचिव एसपी गोयल ने साझा की हैं। मुख्य सचिव ने लिंक्डइन पर नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण कार्य की मौजूदा स्थिति का वीडियो भी शेयर किया।

वीडियो में दिखाया गया है कि टर्मिनल बिल्डिंग का अधिकांश काम पूरा हो चुका है। फिनिशिंग का कार्य अंतिम चरण में है। इसमें यात्रियों के आगमन-प्रस्थान, चेक इन काउंटर्स, वाशरूम, एक्सीलेटर, सिक्योरिटी लाउंज समेत अन्य व्यवस्थाओं की अद्भुत तस्वीरें शामिल हैं। वीडियो में कार्यों को अंतिम रूप देते इंजीनियर्स भी नजर आ रहे हैं। इस एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 29,650 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यह 5,845 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला है। एयरपोर्ट इतना बड़ा है कि इसमें एक साथ 178 विमान खड़े हो सकते हैं। यहां छह रनवे बनाए जा रहे हैं, जो इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनाता है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2900 मीटर और चौड़ाई 60 मीटर के करीब है। एयरपोर्ट की डिजाइन पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और फ्यूचर-रेडी है। जिसमें सौर ऊर्जा का उपयोग और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीक शामिल हैं। माना जा रहा है कि एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बढ़ते दबाव को कम करेगा। अब दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं होगी।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़ और मुरादाबाद जैसे शहरों के लोगों के लिए यह एयरपोर्ट हवाई सफर को बेहद आसान बना देगा। पहले चरण में जेवर एयरपोर्ट से 10 शहरों के लिए उड़ानें शुरू की जाएंगी। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चंडीगढ़ और अहमदाबाद प्रमुख शहर होंगे। आने वाले वर्षों में यह नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विस्तार पाएगा। सिंगापुर, दुबई, दोहा और लंदन जैसे शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना पहले से है।

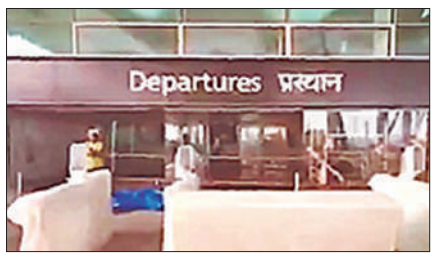

मोदी-योगी करेंगे शुभारंभ, फिर 45 दिन बाद शुरू होंगी उड़ानें

लखनऊ। पूर्व में 30 अक्टूबर को नोएडा एयरपोर्ट के शुभारंभ और इसके 45 दिन के अंदर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की थी। इसके बाद अधिकारी भी अपनी तैयारी को पूरा करने में जुट गए थे। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उक्त तारीख को अभी कार्यक्रम सामने नहीं आया है। इस बीच सूत्रों के अनुसार 30 अक्टूबर तक एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूरा करने पर जोर तो है, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहले एयरपोर्ट का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके बाद ही शुभारंभ की नई संभावित तिथि नवंबर के दूसरे सप्ताह तक घोषित होने का अनुमान है।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

यूपीपीएससी के 315 और विशेषज्ञ कार्य से मुक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप्र. लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चयन प्रक्रिया से जुड़े गोपनीय कार्यों की गुणवत्ता को बरकरार रखने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इसके लिए आयोग ने नियमित समीक्षा के दौरान पिछले चार वर्षों में कार्य की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबन्धित लगभग 450 विशेषज्ञों को आयोग के उक्त कार्य से हमेशा के लिए मुक्त कर दिया गया है।

यह जानकारी आयोग के परीक्षा नियंत्रक हर्षदेव पाण्डेय ने शुक्रवार को दी, उन्होंने बताया कि गोपनीय कार्यों के गुणवत्तापूर्ण प्रक्रिया की नियमित समीक्षा की जाती है, उक्त क्रम में हाल ही में विभिन्न विषयों के 315 विशेषज्ञों को पुनः सत्यनिष्ठा, गुणधर्मिता और आयोग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य न करने पर गोपनीय कार्यों से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने विशेषज्ञों के कार्य की गुणवत्ता की निरंतर समीक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित की है। आयोग चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहा है।

विधायक ने मुख्यमंत्री योगी को सौंपी क्षेत्रवार जनसांख्यिकी रिपोर्ट

भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने जनसांख्यिकी असंतुलन का रोडमैप देते हुए नीति लागू करने का दिया प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रिपोर्ट में यूपी की सामाजिक शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन

अमृत विचार : भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उत्तर प्रदेश में जनसंख्या संरचना के असंतुलन और विकास के क्षेत्रवार अंतर को देखते हुए क्षेत्रवार जनसांख्यिकीय रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में प्रदेश के सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संकेतकों का विस्तृत अध्ययन करते हुए सुझाव दिया गया है कि जनसंख्या नियंत्रण का समाधान किसी कानूनी दबाव से नहीं, बल्कि शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता से संभव है।

लखनऊ के सरोजनी नगर विधान सभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री को सौंपी अपनी सात पेज की रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि मुस्लिम बहुल देशों बांग्लादेश, इंडोनेशिया, ईरान, ट्यूनीशिया, तुर्की और मलेशिया ने महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और धार्मिक समुदायों की भागीदारी के जरिये जनसंख्या स्थिरीकरण में उल्लेखनीय सफलता पाई है। डॉ. सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े और विविध राज्य में भी यह मॉडल प्रभावी रूप से लागू किया जा सकता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह नीति सामाजिक और जनसांख्यिकीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास के समान अवसर सुनिश्चित करेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि महिला स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को इस नीति का केंद्रीय तत्व बनाया जाए। सिंह ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी यूपी के रामपुर, संभल, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली मंडल सनेत पूरब के आजमगढ़ और मऊ जिलों के कई ब्लाकों में मुस्लिम जनसंख्या 60 फीसदी से अधिक होने का जिक्र भी किया है।

मुख्य सिफारिशें

- लड़कियों की शिक्षा और विवाह की औसत आयु में वृद्धि पर बल
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भनिरोधक साधनों की सुलभ उपलब्धता
- धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से संवाद
- महिला स्वावलंबन के लिए माइक्रोफाइनेंस और स्वरोजगार योजनाओं का विस्तार
- जिला स्तर पर 'जनसंख्या डैशबोर्ड' और डेटा मॉनिटरिंग सिस्टम

सुझावों पर योगी ने दिया कार्ययोजना बनाने का निर्देश

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रिपोर्ट का अवलोकन करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता के विस्तार को स्थायी जनसंख्या संतुलन के लिए अहम माना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट का गहन अध्ययन कर इसके सुझावों पर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। यह रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिए एक संतुलित, संवैधानिक और सामाजिक दृष्टिकोण पर आधारित जनसांख्यिकीय नीति की रूपरेखा मानी जा रही है। नीति-निर्माण से जुड़े सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री स्तर पर समीक्षा के बाद इसे राज्य जनसंख्या नीति 2025 के प्रारूप में शामिल किया जा सकता है।

जिला स्तर पर बने जनसंख्या डैशबोर्ड

रिपोर्ट में प्रस्ताव रखा गया है कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक 'जनसंख्या डैशबोर्ड' बनाया जाए, जो कुल प्रजनन दर, महिला शिक्षा दर, बाल विवाह और पलायन जैसे मानकों की नियमित निगरानी करे। साथ ही, विभिन्न धर्मों के धर्माचार्यों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से 'जिम्मेदार अभिभावकता' का संदेश समाज में प्रसारित किया जाए। रिपोर्ट में इस नीति को स्वैच्छिक, अधिकार-आधारित और सामाजिक सहमति पर आधारित बताया गया है।

न्यूज ब्रीफ

नीट यूजी में 27 तक दे सकेंगे प्राथमिकताएं

अमृत विचार, लखनऊ : नीट यूजी 2025 की तीसरी काउंसिलिंग की समय सारिणी में एक बार फिर फेरबदल हुआ है। पुन : संशोधन के बाद मेरिट सूची में शामिल अभ्यर्थी 27 अक्टूबर सुबह 11 बजे तक मनपसंद कॉलेजों की प्राथमिकता दे सकेंगे। यह सूचना चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक कार्यालय द्वारा वेबसाइट पर जारी कर दी गयी है। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक अपर्णा यू ने शुक्रवार को बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में एमबीबीएस व बीडीएस की कुल 962 सीटें रिक्त हैं। अभ्यर्थियों से कॉलेज की प्राथमिकताएं लेने के एक दिन बाद 29 अक्टूबर को सीट आवंटन के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। तत्पश्चात अगले दिन 30 अक्टूबर से संबन्धित कॉलेज में दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी, जिसे 5 नवंबर 2025 तक पूर्ण करनी होगी।

संभल के मनोकामना मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : संभल स्थित मनोकामना मंदिर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र में दिखेगा, उप्र. राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) एक करोड़ 71 लाख रुपये से इसका विकास कराएगा। जिले के प्राचीन तीर्थस्थल और कुओं को संवारा जाएगा। इससे संभल एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संभल के कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। उक्त क्रम में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के समीप पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

आजम खान भी होंगे सपा के स्टार प्रचारक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक घोषित कर दिए हैं। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को सौंपी गयी 20 प्रचारकों की सूची में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिंपल यादव के साथ पार्टी के सहासचिव आजम खान भी शामिल हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी द्वारा भेजी गयी सूची में अखिलेश समेत कुल 14 सांसदों को प्रमुखता दी गयी है। इसके अलावा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा, विधायक तेज प्रताप सिंह यादव व ओम प्रकाश सिंह, सपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष काशीनाथ दव व प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी को शामिल किया गया है। सांसदों में अफजाल अंसारी,अवधेश प्रसाद, बाबू सिंह कुशवाहा, नरेश उत्तम पटेल, रमाशंकर विद्यार्थी राजभर, लाल जी वर्मा, छोटेलाल खरवार, राजीव राय, सनातन पाण्डेय, इकरा हसन और प्रिया सरोज को शामिल किया गया है।

हर जिले में होगी जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी की तैनाती

मुख्यमंत्री ने नया पद सृजित करने के दिए निर्देश, दोगुनी होगी औषधि निरीक्षकों की संख्या

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ स्थित अपने आवास पर अधिकारियों के साथ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

- औषधि नियंत्रण संवर्ग का होगा पुनर्गठन, उपायुक्त (औषधि) के पद भी बढ़ेंगे
- औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि, नियंत्रण तंत्र को बनाएं सुदृढ़ और प्रभावी : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। निर्देश दिए कि हर जिले में जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी पद सृजित किया जाए। साथ ही, औषधि निरीक्षकों की संख्या दोगुनी की जाए। उन्होंने उपायुक्त (औषधि) के पद बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार शाम को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के पुनर्गठन और नए पदों के सृजन से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा की। योगी ने औषधि नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि औषधियों की गुणवत्ता सर्वोपरि है, इसलिए नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में कोई लापरवाही या कमी नहीं आनी चाहिए। बैठक में बताया गया कि विभाग में वर्तमान में 109 औषधि निरीक्षक कार्यरत हैं, जो भारत सरकार के मानकों की दृष्टि से अपर्याप्त हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में औषधि निरीक्षण व्यवस्था को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना जनस्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिलास्तर पर कार्य व्यवस्था को और मज़बूत करने के लिए अब 'जिला औषधि नियंत्रण अधिकारी' का पद सृजित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षकों की संख्या को वर्तमान के सापेक्ष दोगुना किया जाए।

बैठक में औषधि नियंत्रण संवर्ग के उच्च पदों के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उप आयुक्त (औषधि) पदों की संख्या में वृद्धि और संयुक्त आयुक्त (औषधि) के पद पर पदोन्नति हेतु अर्हकारी सेवा में संशोधन के प्रस्ताव को अपनी सहमति दी। मुख्यमंत्री ने विभाग में औषधि नियंत्रक पद के लिए स्पष्ट योग्यताएं एवं मानक तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस पद के लिए एक निश्चित कार्यकाल निर्धारित किया जाए, ताकि तंत्र के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

लिखित परीक्षा से होगी भर्ती

मुख्यमंत्री ने कहा कि औषधि निरीक्षक के पदों पर चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए अब साक्षात्कार के स्थान पर लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनपदों में औषधि निरीक्षकों की समुचित तैनाती सुनिश्चित की जाए और जिला स्तर पर प्रभावी पर्यवेक्षण और समयबद्ध जांच व्यवस्था लागू की जाए।

अक्टूबर के वेतन में मिलेगा बढ़ा महंगाई भत्ता, शासनादेश जारी

आदेशों के तहत 1 जुलाई से लागू होंगी संशोधित दरें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को राज्य कर्मियों, सहायता प्राप्त शिक्षण एवं अशासकीय शिक्षण संस्थानों, नगरीय स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यभारित कर्मचारियों तथा यूजीसी वेतनमानधारी पदाधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने के तीन अलग-अलग शासनादेश जारी किए हैं। इन आदेशों के तहत 1 जुलाई 2025 से संशोधित दरें लागू होंगी और बढ़े हुए भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2025 के वेतन के साथ किया जाएगा।

राज्य सरकार के ये तीनों शासनादेश केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग द्वारा 6 अक्टूबर 2025 को जारी आदेशों के अनुरूप हैं, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता सातवें वेतन आयोग वालों के लिए 55% से 58%, छठे वेतन आयोग वालों के लिए 252% से 257% और पांचवें वेतन आयोग वालों के लिए 466% से 474% किया गया था।

वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने उन कर्मचारियों के लिए, जो अभी भी छठे वेतन आयोग की संरचना में वेतन पा रहे हैं, महंगाई भत्ते की दर 252% से बढ़ाकर 257% कर दी है। यह वृद्धि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के 6 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुरूप है। पांचवें वेतन आयोग के तहत वेतन पा रहे कर्मियों के लिए महंगाई भत्ता 466% से बढ़ाकर 474% किया गया है। यह निर्णय केंद्र सरकार द्वारा जारी नवीनतम आदेशों के अनुरूप है, जिसे राज्यपाल ने स्वीकृति प्रदान की है। भुगतान और अवशेष राशि की व्यवस्था

सरकार के आदेश के अनुसार, संशोधित दरों पर 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक की देय अवशेष राशि कर्मचारियों के भविष्य निधि खाते में जमा की जाएगी। यदि कोई कर्मचारी भविष्य निधि का सदस्य नहीं है, तो यह राशि उसके पब्लिक प्रोविडेंट फंड या नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट में जमा होगी। अवशेष राशि को 1 अक्टूबर 2026 से पहले नहीं निकाला जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए, उक्त अवधि की अवशेष राशि का 10% कर्मचारी के टियर-1 पेंशन खाते में और 14% राज्य सरकार के योगदान के रूप में जमा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त कर्मियों के लिए राहत

सरकार ने कहा है कि जो अधिकारी या कर्मचारी शासनादेश जारी होने की तिथि से पहले सेवानिवृत्त हो चुके हैं या अगले छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उन्हें देय महंगाई भत्ते की समस्त बकाया राशि नकद रूप में दी जाएगी।

डबल इंजन नहीं, भाजपा में सब झूठ के इंजन : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का कोई डबल इंजन नहीं है। सब झूठ के इंजन चल रहे हैं। झूठ के इंजन राजस्थान में भी चल रहे हैं। भाजपा ने दिल्ली और राजस्थान का अलग-अलग घोषणा पत्र बनाकर जनता के सामने रखा। सरकार बनने पर उस पर अमल नहीं किया।

सपा प्रमुख शुक्रवार को अजमेर राजस्थान में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ बोलने वाली पार्टी है। झूठे वादे करती है। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने किसानों की आय दोगुना करने का वादा किया था लेकिन वादा पूरा नहीं किया।

मिलावटखोरी के खिलाफ जांच में आएगी तेजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नई प्रयोगशालाएं की जा रहीं स्थापित, हर वर्ष लगभग 24 हजार नमूनों की होगी जांच

अमृत विचार : दीपावली त्योहार के दौरान खुलकर सामने आ गया कि उत्तर प्रदेश में संगठित अपराधिक गैंग और उसके माफिया भले ठंडे पड़ गए हो लेकिन खाद्यपदार्थों के मिलावटखोर अब भी सक्रिय हैं। ऐसे मिलावटखोर लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

त्योहारों के मौसम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के मद्देनजर प्रदेशभर में मिलावटखोरों के खिलाफ एक कड़ा अभियान चलाया गया। इससे पहले भी सरकार की ओर से यह स्पष्ट किया जा चुका था कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अब मिलावटखोरों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करेगा।

खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच में तेजी लाने के लिए कानपुर अयोध्या सहारनपुर और अलीगढ़ में नई प्रयोगशालाएं शुरू हो रही हैं। इन प्रयोगशालाओं से हर साल लगभग 24 हजार नमूनों की जांच की जाएगी। राज्य सरकार सभी मंडल मुख्यालयों पर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित करने का प्रयास कर रही है। इन नई प्रयोगशालाओं के खुलने से जांच प्रक्रिया में तेजी आएगी।

भीड़ प्रबंधन के हों पुख्ता इंतजाम

मुख्य सचिव ने की छठ पूजा व पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर छठ पूजा एवं पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने इस दौरान कहा कि छठ पूजा के दौरान नदियों, तालाबों और जलस्रोतों का जल स्वच्छ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भीड़ प्रबंधन के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पार्किंग, मोबाइल टॉयलेट, और चेंजिंग रूम की व्यवस्था रहे। मुख्य सचिव ने आतिशबाजी को आमजन से दूर रखने और महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिए जाने की हिदायत दी।

बैठक में पुलिस महानिदेशक ने कहा कि छठ पर्व की तैयारियों के दौरान पिछली घटनाओं का विश्लेषण कर लिया जाए ताकि अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उन्होंने छेड़खानी और दुर्व्यवहार की शिकायतों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड को वर्दी और सादी वर्दी में तैनात करने के निर्देश दिए।

1 व 2 नवंबर को दस जिलों में होगी भर्ती परीक्षा

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में बताया कि कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए पद के 1129 पदों की भर्ती परीक्षा 1 नवम्बर को और पुलिस उपनिरीक्षक (गोपनीय), पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लिपिक) और पुलिस सहायक उपनिरीक्षक (लेखा) के 921 पदों की भर्ती परीक्षा 2 नवम्बर को प्रदेश के 10 जिलों- आगरा, बरेली, मेरठ, मुरादाबाद, कानपुर नगर, लखनऊ, गोरखपुर, झांसी, प्रयागराज और वाराणसी में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर तलाशी के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष कर्मियों की तैनाती की जाए। अभ्यर्थियों को केवल आईकार्ड, एडमिट कार्ड और पेन के अतिरिक्त किसी अन्य सामग्री को ले जाने की अनुमति न दी जाए।

बिहार चुनाव में आकाश की क्षमता परखेगी बसपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पार्टी से युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी पार्टी

अमृत विचार : बहुजन समाज पार्टी बिहार चुनाव में आकाश आनंद की क्षमता को परखेगी। आकाश मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर हैं। पार्टी प्रमुख मायावती को भी उनसे काफी उम्मीदें हैं। ऐसे में अब आकाश के सहारे पार्टी, युवा समर्थकों को जोड़ने में जुटी है। बिहार विधानसभा चुनाव में आकाश भी बसपा के एक स्टार प्रचारक हैं। एक तरह से उत्तर प्रदेश में साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आकाश के लिए बिहार चुनाव सेमीफाइनल सरीखा होने वाला है।

दरअसल, माना जा रहा है कि बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी के भविष्य को मजबूत करने के लिए एक नई रणनीति अपनाई है। मायावती ने पिछले दिनों पार्टी पदाधिकारियों की लगातार दो महत्वपूर्ण बैठकें बुलाईं। इन बैठकों में मायावती के भतीजे और पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद भी मौजूद रहे। मायावती ने पदाधिकारियों से साफ निर्देश दिए कि जैसे उन्होंने मेरा साथ दिया है, वैसे ही अब आकाश का भी साथ दें। यह बयान बसपा समर्थकों के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्रवाक्य माना जा रहा है।

असंतुलन | लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अध्ययन में हुआ खुलासा

प्रदेश का पूर्वी हिस्सा विकास की दौड़ में सबसे पीछे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 19 विभिन्न मानकों पर पूर्वी यूपी के 28 जिलों का किया अध्ययन

अमृत विचार : विकास के क्षेत्रीय असंतुलन से देश के कई हिस्सें प्रभावित हैं। आधारभूत संरचना का असमान वितरण इसका सबसे बड़ा कारण रहा है। जिसे दूर करने के वादे-इरादे के साथ कई सरकारें आईं और गईं, लेकिन हालात बदलने का नाम नहीं ले रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने इस तथ्य को उजागर किया है कि उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा आज भी मध्य उत्तर प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश की तुलना में काफी पिछड़ा है। विश्वविद्यालय के डॉ. नागेंद्र कुमार मौर्य और प्रो. रोली मिश्रा ने अपने शोध में यह दावा किया है।

विश्वविद्यालय के दोनों शोधकर्ताओं ने 19 सामाजिक और आर्थिक संकेतकों जैसे कि आय, शिक्षा, कृषि, रोजगार, बुनियादी ढांचा के आधार पर 28 जिलों का समग्र विकास सूचकांक तैयार किया है। भारतीय अर्थशास्त्र एवं विकास पत्रिका में प्रकाशित एक ताजा शोध में यह सामने आया है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिले बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और सिद्धार्थनगर आज भी राज्य के अति पिछड़े जिलों में गिने जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि बेहतर सड़कें, स्कूल, अस्पताल और बिजली की पहुंच जीवन स्तर उठाने की कुंजी हैं।

ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का किया प्रयोग

अध्ययन में ब्रोकला टैक्सोनोमिक विधि का इस्तेमाल कर हर जिले को विकास स्कोर दिया गया है। शोध में यह भी जांचा गया कि किन क्षेत्रों का समग्र विकास में सबसे ज्यादा योगदान है। शोध में पाया गया कि औद्योगिक विकास का असर सबसे कम है, क्योंकि क्षेत्र में निवेश और कारखानों की भारी कमी है।

शोध की खास बातें

- श्रावस्ती, बलरामपुर और बहराइच अति पिछड़े ज़िले पाए गए
- सिद्धार्थनगर ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया
- सभी जिलों में बुनियादी ढांचागत विकास व औद्योगिक विकास बेहद कमजोर
- कृषि और रोजगार के स्कोर सबसे कम
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था मानसून पर पूरी तरह निर्भर

क्या है उपाय

शोध का समाधानपरक निष्कर्ष है कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योगों में बड़े सार्वजनिक निवेश की तत्काल जरूरत है, ताकि क्षेत्र को "निम्न-संतुलन जाल" से बाहर निकाला जा सके। "एक जिला एक उद्योग" जैसी योजनाओं का विस्तार किया जाए, ताकि हर जिला किसी उत्पादक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सके, रोजगार बढ़े और निवेश आकर्षित हो। बुनियादी ढांचे, कृषि और उद्योग में समन्वित व संतुलित विकास ही एकमात्र रास्ता है, जिससे पूर्वी उत्तर प्रदेश के पिछड़ेपन को दूर किया जा सकता है।

डिजिटलीकरण से बढ़ी पारदर्शिता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तकनीक और सुशासन के संगम से बन रहा नया मॉडल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सुशासन नीति अब डिजिटल रूप में नई पहचान बना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पहल 'मिशन कर्मयोगी' को आगे बढ़ाते हुए योगी सरकार ने राज्य के अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ने में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। इस पहल से सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता का नया आयाम जुड़ रहा है। समाज कल्याण विभाग इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 तक विभाग के 3,900 अधिकारी, संविदाकर्मी और शिक्षक आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल से जुड़ चुके हैं। इन कर्मचारियों ने अब तक 21,150 ऑनलाइन कोर्स पूरे किए, जिनमें लगभग 15,893 घंटे का डिजिटल प्रशिक्षण शामिल है।

इनमें से 2,759 कर्मचारियों ने कम से कम एक कोर्स पूरा किया, जबकि 2,289 ने तीन या उससे अधिक कोर्स सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह पहल हर सरकारी कर्मचारी को कुशल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

मिशन कर्मयोगी के पाठ्यक्रमों में प्रशासनिक सुधारों के साथ-साथ तकनीकी दक्षता पर विशेष बल दिया जा रहा है। आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे कोर्स सरकारी प्रक्रियाओं को आधुनिक और पारदर्शी बना रहे हैं। वहीं, कर्मचारियों के लिए स्वस्थ और सुरक्षित कार्यसंस्कृति के लिए योगा आदि विषय सुनिश्चित कर रहे हैं।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मिशन कर्मयोगी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साझा सोच का परिणाम है। इसका लक्ष्य है कि शासन को पेपरलेस, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाना।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

गृहकलह से तंग युवक ने पीया जहरीला पदार्थ

सौरिख, कन्नौज। गृह कलह से तंग आकर युवक ने घर में रखा जहरीला पदार्थ पी लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के चौकी नादेमऊ के गांव जगदीशपुर निवासी शिवराज सिंह का 19 वर्षीय पुत्र सत्यम गृह क्लेश से परेशान था। इसके चलते गुरुवार की शाम घर में रखी खेत में डालने वाली कीटनाशक दवा पी ली जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। आनन फानन परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने सत्यम को तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

पिता, पुत्रों से मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज

गुरसहायगंज, कन्नौज। गांव के लोगों ने रंजिश के चलते गाली गलौज की और पिता, पुत्रों को मारपीट कर घायल कर दिया। ग्राम बैसावारी निवासी विशाल कटियार पुत्र संजय कटियार ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट कहा है कि 22 अक्टूबर को वह खेत जा रहा था तभी गांव के भूरा, सतीश, हिमांशु, कंचन ने रंजिश को लेकर उसे रास्ते में रोक लिया और गाली गलौज की। मना करने पर उसे मारपीट कर घायल कर दिया और उसे बचाने आए पिता संजय कटियार व भाई देवांग कटियार से भी मारपीट की। एससीएसटी एक्ट के मामले में फंसाने की धमकी भी दी। कोतवाली पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज की है।

दंपति को मारपीट कर किया घायल

गुरसहायगंज, कन्नौज। रंजिश को लेकर गांव के लोगों ने गाली गलौज की और दंपति को मारपीट कर घायल कर दिया। ग्राम आमपुर्वा निवासी नीलम पत्नी विनोद ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसके गांव के संतोष, सचिन, मोनू उर्फ मंगला, पुष्पा रंजिश के चलते 16 अक्टूबर की रात करीब 08 बजे उसके दरवाजे पर आए और उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। मना करने पर उसे व बीच बचाव में आए पति को लाठी, डंडों व धारदार हथियार से घायल कर दिया।

वित्त एवं लेखा कार्यालय में चल रहा शिक्षकों को परेशान करने का खेल, शिक्षक हक से हो रहे वंचित

पोर्टल पर कर देते पेड, पर खाते में नहीं पहुंचता एरियर

गड़बड़झाला

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिन शिक्षकों के कंधों पर विभाग के अलावा कई अन्य सरकारी कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारियां रहतीं हैं उनको परेशान करने से अधिकारी व कर्मचारी बाज नहीं आते हैं। इन दिनों परिषदीय स्कूलों के कई अध्यापक-अध्यापिकाएं अपने हक से वंचित हैं। 13 महीने पहले आदेश होने के बाद भी एरियर नसीब नहीं हो रहा है। खास बात यह है कि पोर्टल पर तो पेड दिखा दिया जाता है लेकिन खाते में रकम नहीं भेजी जाती है।

ऐसे कुछ काम वित्त एवं लेखा विभाग कार्यालय में चल रहे हैं। विकास खंड हसेरन के प्राथमिक स्कूल लाल शाहपुर्वा में तैनात रहे शिक्षक पवन कुमार शुक्ला ने बताया कि अप्रैल 2024 का एरियर उनको अब तक नहीं मिला है। आदेश हो जाने के बाद सितंबर में उन्होंने मानव संपदा पोर्टल पर

बेसिक शिक्षा विभाग का वित्त एवं लेखा कार्यालय। अमृत विचार

- परिषदीय स्कूलों के कई अध्यापक-अध्यापिकाएं हैं अपने हक से वंचित

एरियर के लिए अप्लाई किया था। अक्टूबर में पोर्टल पर उसे वित्त एवं लेखा कार्यालय की ओर से पेड दिखा दिया गया लेकिन अब तक एरियर नहीं मिला है। इसको लेकर उन्होंने कार्यालय, बैंक व वित्त एवं लेखा कार्यालय में कई बार संपर्क किया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ऑनलाइन करने के 13 महीने बाद भी एरियर नहीं दिया जा रहा है। वित्त एवं लेखाधिकारी में संपर्क करने पर कहा गया कि बाबू रिटायर हो गए। कभी कहा गया कि स्टॉफ नहीं है तो कभी बजट की समस्या बताकर चलता कर दिया गया। यह महज पवन कुमार शुक्ला की ही समस्या नहीं है। जनपद में न जाने कितने शिक्षक अपने हक के लिए परेशान हैं। इससे पहले एरियर आदि का आदेश कराने के लिए अध्यापकों को बेसिक शिक्षा विभाग को भी समझना पड़ता है। ऐसा न करने पर यहां भी चक्कर काटने पड़ते हैं।

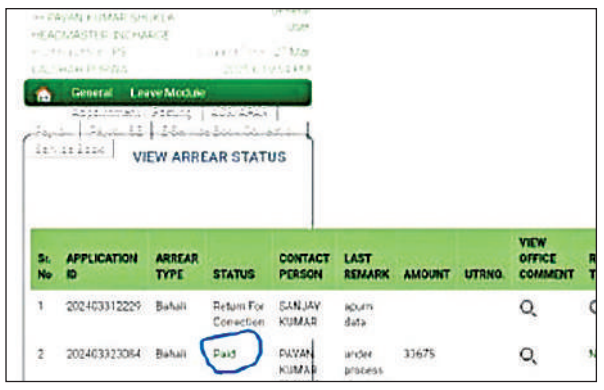

मानव संपदा पोर्टल पर एरियर को वित्त एवं लेखा कार्यालय ने दिखाया पेड (नीले घेरे में)। अमृत विचार

बिना सिस्टम के काम अनुशासनहीनता की जोरों से है चर्चा

- चर्चा है कि सरकारी महकमों में फरियादियों का सीधे काम नहीं होता है उनको सिस्टम से गुजरना पड़ता है। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो अनुशासनहीनता की श्रेणी में माना जाता है। छोटे-छोटे कामों के लिए कार्यालय के जिम्मेदार इतनी दौड़ लगवा देते हैं कि थक-हारकर पीड़ित को सिस्टम का ही सहारा लेना पड़ता है।

भारी-भरकम पगार फिर भी नहीं रहम

- सरकारी विभागों में काम करने वाले अधिकारी व कर्मचारियों की पगार भारी-भरकम होती है उसके बाद भी उनको नजराना चाहिए होता है। कहा जा रहा है कि विभागीय व संबंधित व्यक्तियों के कार्य करने के लिए ही अधिकारी व कर्मी बैठाए गए हैं लेकिन उनके अंदर रहम नहीं होती है। कुछ अफसर बताते हैं कि हिस्सा ऊपर तक बंटता है।

शिक्षक पवन कुमार शुक्ला के एरियर का मामला मेरे चार्ज लेने के पहले का है। अरुणेश यादव (रिटायर बाबू) ने अपने समय में बिल भेजे बिना उसे पोर्टल पर पेड दिखा दिया होगा यह जांच में सामने आया है। दिवाली से पहले अध्यापकों का एरियर बिल ट्रेजरी भेजा गया था, हो सकता है अवकाश के चलते वहां से भुगतान न हुआ हो।

शिवम गुप्ता, वित्त एवं लेखाधिकारी

बारिश के आसार नहीं करें आलू की बुवाई

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। अक्टूबर का माह भी खत्म होने चला है लेकिन अभी भी न्यूनतम तापमान में कोई खास गिरावट नहीं आई है। फिलहाल बारिश के आसार नहीं हैं इसलिए कृषि मौसम वैज्ञानिक ने किसानों को आलू आदि की बुवाई निश्चिंत होकर करने की सलाह दी है। बताया कि 28 से 30 अक्टूबर को बारिश की भविष्यवाणी बुंदेलखंड क्षेत्र तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए है। हालांकि मौसम के मिजाज में बदलाव होता रहता है इसलिए कृषि वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें।

कृषि विज्ञान केंद्र के कृषि मौसम वैज्ञानिक अमरेंद्र यादव ने बताया कि बारिश की भविष्यवाणी को लेकर चिंतित किसानों की तरफ से इस बारे में फोन आ रहे हैं। कहा कि वे निश्चिंत होकर आलू की बुवाई करें और अच्छा बीज चयन करें। इसके आलावा चना मसूर, मटर व सब्जी की बुवाई के लिए भी उपयुक्त समय व मौसम है। जानकारी दी कि अपने जनपद में फिलहाल बारिश होने की संभावना नहीं है और यह स्थित आगामी 6 नवंबर तक जारी रहने की उम्मीद है। वर्तमान में न्यूनतम तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए लेकिन यह सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस 20-22 डिग्री सेल्सियस के करीब चल रहा है। ऐसे ही अधिकतम तापमान 32-33 डिग्री सेल्सियस रहना चाहिए जो कि सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस कम रह रहा है। कहा कि 6 नवंबर तक रातें गर्म रहने की संभावना है।

जहां तक सर्दी की दस्तक का सवाल है तो 15 नवंबर के बाद ही तापमान में गिरावट आने की उम्मीद है। इसके अलावा चूंकि मौसम का मिजाज बदलता रहता है इसलिए किसान उनके व संबंधित वैज्ञानिकों के संपर्क में रहें।

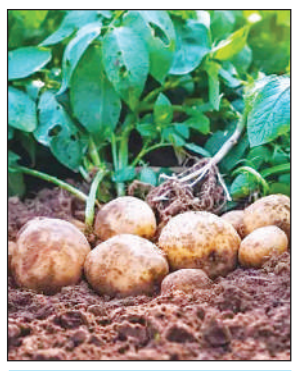

- 28 से 30 अक्टूबर तक केवल बुंदेलखंड व पूर्वी उत्तर प्रदेश में हो सकती बारिश

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

सवर्ण आर्मी की मांग, जातिगत आरक्षण समाप्त किया जाये

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। सवर्ण आर्मी ने राष्ट्रपति को संबोधित अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को तीन सूत्री मांग पत्र सौंपा है। मांग की कि सवर्णों को भी आरक्षण दिया जाये।

शुक्रवार को सवर्णों की आवाज उठाने के लिये सवर्ण आर्मी के जिलाध्यक्ष अमित दुबे के नेतृत्व में देवेश दुबे, चंद्र शेखर, उमेश चंद्र दुबे, शिव कुमार तिवारी, संजय गुप्ता, दिनेश अग्निहोत्री, अंकित तिवारी, अमित मिश्रा, कुलदीप तिवारी, सजल गुप्ता, विक्की गुप्ता, आशीष पाण्डेय, शिवराज सिंह, मुनीम सिंह, शिवांशू, आशीष दुबे, आदित्य दुबे, अभिषेक, संतोष पाण्डेय, अमित कुमार, देवब्रत त्रिपाठी, ओम सिंह, शशांक सिंह, मयंक शुक्ला समेत कई सवर्ण कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां अतिरिक्त मजिस्ट्रेट नवनीता राय को सौंपे राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में कहा कि जबसे

अतिरिक्त मजिस्ट्रेट नवनीता राय को ज्ञापन देते सवर्ण आर्मी के पदाधिकारी।

- सामान्य वर्ग में भी गरीबी बदहाली, मिले आरक्षण
- सर्वण आर्मी ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

देश आजाद हुआ है तब से आज तक आरक्षण की व्यवस्था जाति के आधार पर ही चल रही है।

सामान्य वर्ग में भी गरीबी, और बदहाली है। पर इस पर किसी का ध्यान नहीं गया है। इस स्थिति में सामान्य वर्ग में भी आरक्षण की व्यवस्था की जाये। इसी तरह एसी, एसटी, एक्ट का दुरुपयोग किया जा रहा है।

इससे बहुत से लोग आत्म हत्या कर लेते हैं। मांग की है कि जातिगत आरक्षण समाप्त किया जाये। एससी, एसटी एक्ट समाप्त किया जाये। सवर्ण आयोग का गठन किया जाये।

मारपीट की दो घटनाओं में रिपोर्ट दर्ज की गई

छिबरामऊ, कन्नौज। विशुनगढ़ थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

पहले मामले में नगला हीरा निवासी अनुरुद्ध ने बताया कि रविवार सुबह खेत जा रहे थे। तभी गांव के पवन यादव ने गालीगलौज शुरू की। मना करने पर पवन ने लात-घूंसों से उनकी पिटाई की। अनुरुद्ध भागकर घर पहुंचे, लेकिन पवन ने रास्ते में लाठी-डंडों से फिर हमला किया। दूसरे मामले में सुखरामपुर गांव निवासी सन्जू यादव ने बताया कि गुरुवार रात करीब 8 बजे वह घर पर खाना खा रहे थे। तभी पड़ोसी राहुल पवन और सौरभ ने पुरानी रंजिश के चलते गाली-गलौज शुरू की। मना करने पर तीनों ने लाठी-डंडों से उनकी पिटाई की, जिससे सन्जू को सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। चिल्लाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भागे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

आढ़ती से मारपीट, पांच लाख रुपये ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/सौरिख

अमृत विचार। खड़नी में व्यापारी से हुई मारपीट व लूट के मामले में आरोपी को गिरफ्तारी की मांग को लेकर व्यापारी एसपी से मिले। मांग की गई कि आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाये। वहीं पीड़ित की तहरीर पर सात नामजद और 10-12 अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सौरिख थाना क्षेत्र के कस्बा खड़नी निवासी आढ़ती अनुज प्रताप सिंह पुत्र महेंद्र सिंह ने सौरिख थाने में थुलरिया गांव निवासी नंद किशोर पुत्र विश्वनाथ, विक्की पुत्र विनोद, हैप्पी पुत्र अशर्फी दास, सुरेंद्र प्रजापति पुत्र पन्ना लाल, आनंद प्रजापति पुत्र विद्याराम, जीतू, टिंकू पुत्रगण करन व 10-12 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कहा है कि उसकी खड़नी में आढ़त है। 23 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे आढत पर धान की खरीद कर

एसपी से मिलने आये खड़नी के व्यापारी। अमृत विचार

- सात नामजद और 10-12 अज्ञात पर कार्रवाई, एसपी से मिले व्यापारी
- खड़नी में व्यापारी से हुई मारपीट व लूट के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

रहा था। उसी समय उक्त लोग हाथों में लाठी, डंडे, फावडे लेकर आये और गाली देने लगे। दरबाजे तोड़ दिये। गोलक में रखे पांच लाख रुपये लेकर चले गये। उक्त लोगों ने काफी देर तक हंगामा किया। दुकान पर काफी नुकसान किया। शुक्रवार को व्यापारी एसपी विनोद कुमार से मिले।

यहां उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी किये जाने की मांग की है। मामले में एसपी विनोद कुमार ने कहा कि रुपये ले जाने के मामले की जांच कराई जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। तिखवा के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया।

अंकुश कुशवाहा की फाइल फोटो।

सदर कोतवाली के गांव मियांगंज निवासी अंकुश कुशवाहा (23) पुत्र दिवारी लाल शुक्रवार की दोपहर करीब 01 बजे बाइक से अपनी मौसी के घर गांव सहजनी थाना अरौल जनपद कानपुर नगर जा रहा था। जैसे ही वह तिखवा के निकट पटेल ढाबे के पास हाइबे पर पहुंचा उसी समय तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मारदी। इससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल भेजा। यहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया का रिसाव, हड़कंप

संवाददाता सौरिख,कन्नौज

अमृत विचार। कोल्ड स्टोरेज में अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। इसकी महक फैली तो लोगों का दम घुटने लगा। सचाई सामने आई तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे दमकल विभाग के अधिकारियों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है। हालांकि जिस स्थान से रिसाव हो रहा है वह नहीं मिलने से समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

कस्बा नादेमऊ में हसेरन मार्ग पर बालाजी नाम से एक कोल्ड स्टोरेज

मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियां व कर्मचारी। अमृत विचार

संचालित है। इसमें शुक्रवार दोपहर अमोनिया गैस का रिसाव शुरू हो गया। इसकी महक फैली और कोल्ड स्टोरेज मालिक को जानकारी हुई तो उसने आनन फानन दमकल विभाग को सूचना दी। इस पर दमकल विभाग की छिबरामऊ एवं तिर्वा से तीन दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं।

सी एफ ओ मुकीमुल हक एवं छिबरामऊ प्रभारी प्रांशु अवस्थी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और अपनी देखरेख में बचाव कार्य शुरू कर दिया लेकिन कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद भी टीम रिसाव केंद्र तक नहीं पहुंच सकी है। बचाव कार्य जारी है। हालांकि इस दौरान कोई जान माल का नुकसान नहीं बताया जा रहा। समाचार लिखे जाने तक टीम को सफलता नहीं मिली।

भाजपा आईटी सेल के पदाधिकारी अभिषेक पाण्डेय व अन्य पदाधिकारी एसपी को शिकायती पत्र देते हुए। अमृत विचार

भाजपा नेताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वालों पर दर्ज हो रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। भाजपा आईटी सेल ने भाजपा नेताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

मामले में आईटी सेल के नेता एसपी से मिले और तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज किये जाने की मांग की है। भाजपा आईटी सेल के जिलाध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय साथियों के साथ शुक्रवार को एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने ने पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार से मिलकर बिहार के राजद नेता के खिलाफ तहरीर दी है। कहा कि राजद नेता ने सोशल मीडिया पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान, लल्लन सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी के लिए अभद्र टिप्पणी की है। पाण्डेय ने कहा यदि 72 घंटों के अंदर आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई तो सड़क से लेकर संसद तक आंदोलन किया जाएगा। कई लोग मौजूद रहे।

अमृत विचार खास

89 उत्पादों की लिस्ट में से 64 पाए गए अमानक, सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने से जहरीले प्रभाव की कही गई थी बात

एफएफडीसी के प्रयास से प्रतिबंधित होने से बचा गेंदा तेल

इरा अवस्थी, कन्नौज

अमृत विचार। स्थानीय संस्था फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर डेवलेप सेंटर (एएफडीसी) के वैज्ञानिकों के अथक प्रयास से गेंदा तेल का प्रयोग इत्र उद्योग में प्रतिबंधित होने से बच गया है। यह कन्नौज के इत्र उद्योग के लिए राहत वाली खबर है क्योंकि यहां पर बड़े पैमाने पर इसका तेल निकालकर खुशबू बनाने में प्रयोग किया जाता है। गेंदा के अलावा भी 24 उत्पाद हैं जिनको इस लिस्ट से बाहर किया गया है जबकि 64 उत्पादों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यह जानकारी देते हुए केंद्र के प्रधान निदेशक शक्ति विनय शुक्ल ने बताया कि इत्र आदि के माप दंड निर्धारण के लिए बनी फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर सेक्शनल कमेटी पीसीडी 18 की तरफ से रेस्ट्रिक्टेड/प्रोहिबिटेड लिस्ट ऑफ परफ्यूमरी मेटेरियल के तहत 89 मेटेरियल या तत्व शामिल किए गए थे। इनको किन्हीं तरीकों से हानिकारक बताते हुए इनका प्रयोग इत्र उद्योग में करने की पैरवी की गई थी।

जानकारी देते फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर डेवलप सेंटर के प्रधान निदेशक शक्ति विनय शुक्ल। अमृत विचार

गहन मंथन के बाद कमेटी के अंदर गठित 12 सदस्यीय एक और कमेटी जिसमें एफएफडीसी से वे संयोजक हैं इन सभी को लेकर गहन रिसर्च और जांच पड़ताल की। करीब डेढ़ साल तक किए कार्य के दौरान सभी तत्वों को लेकर समूचा डाटा जुटाया गया और देखा गया कि ये तत्व किस तरह से इत्र उद्योग में प्रयोग होने के लायक नहीं हैं। इस क्रम में अंततः निष्कर्ष में 64 ऐसे तत्व पाए गए जो प्रतिबंधित करने योग्य थे जबकि 25 के बारे में पूरा डाटा नहीं मिल सका।

इससे यह तय नहीं हो सका कि ये 25 प्रतिबंधित होने के पूरी तरह लायक हैं या नहीं। ऐसे में गेंदा समेत 25 तत्वों को इस सूची से बाहर कर दिया गया। इस तरह से यह इत्र उद्योग के लिए सकारात्मक खबर है क्योंकि यहां बड़े पैमाने पर गेंदा का उत्पादन किया जाता है। इस गेंदा की बड़े पैमाने पर इत्र उद्योग में खपत भी है। जानकारी दी कि कहा गया था कि गेंदा का तेल फोटोटॉक्सिक (स्किन पर लगने के बाद सूर्य का प्रकाश पड़ने पर जहरीला प्रभाव देता है) है।

तमाम प्रयोगों और डाटा से फिलहाल ऐसा कुछ भी साबित नहीं हुआ जिससे इस तेल के इस श्रेणी से बाहर कर दिया गया है। यह भी बताया कि इसको लेकर चार बैठकें हुईं और फिर इसे फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर सेक्शनल कमेटी पीसीडी 18 के समक्ष रखा गया। इन 25 तत्वों को प्रतिबंधित श्रेणी से बाहर करने को लेकर अंतिम मोहर लखनऊ में 01 सितंबर 2025 को हुई बैठक में लगी। यह भी बताया कि करीब डेढ़ साल तक किए गए काम के लिए फ्रेगरेंस एंड फ्लेवर एसोसिएशन ऑफ इंडिया की तरफ से फंड दिए गए।

अधूरी सर्विस लेन के निर्माण का विरोध कर रहे किसानों को मनाया

तिर्वा, कन्नौज। एसडीएम ने अधूरी पड़ी एक्सप्रेस वे की सर्विस लेन के निर्माण को लेकर किसानों के साथ बैठक कर मनाने की कोशिश की।

कोतवाली क्षेत्र के सिकरोरी गांव के पास आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे की करीब एक किलोमीटर तक सर्विस रोड के लिए जमीन का अधिग्रहण किसानों के विरोध के कारण नहीं हो पाया। इस कारण करीब 10 साल से सर्विस रोड अधूरा पड़ा है। इस कारण आसपास क्षेत्र के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सभी किसानों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही विचार विमर्श कर बताएंगे। कहा कि बैठक सकरात्मक रही है।

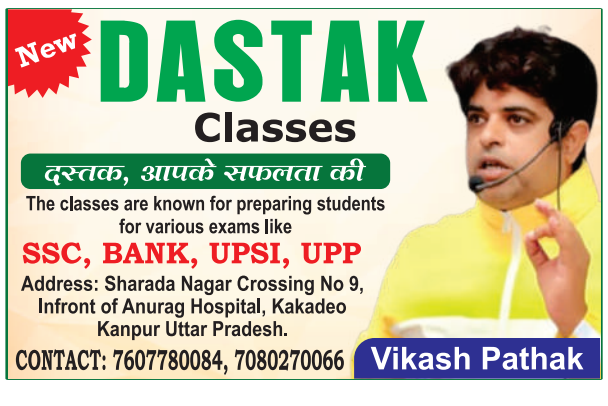

अमृत विचार
कानपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025
कन्नौज-फर्रुखाबाद

न्यूज ब्रीफ

जिला पंचायत सदस्य पद के लिए आएंगे सबसे अधिक मतपत्र

कन्नौज। दीपावली का त्योहार मनाया जा चुका है। अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। नई दिल्ली से 50 लाख 26 हजार 200 मतपत्र मंगाने के लिए पीडी डीआरडीए को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसमें सबसे अधिक 15 .06 लाख मतपत्र जिला पंचायत सदस्य पद के हैं। राज्य निर्वाचन अयोग की ओर से अभी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का ऐलान नहीं हुआ है लेकिन वर्ष 2026 में संभावित निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होनी है। नई दिल्ली से जो मतपत्र आएंगे उन्हें स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। मतपत्रों की व्यवस्था के लिए प्रभारी अधिकारी/ नोडल अधिकारी परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण रामऔतार सिंह को बनाया गया है। उनके पास नई दिल्ली से मतपत्र प्राप्त करने से लेकर स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखवाने, चुनाव के समय मतपत्रों का आवंटन, बचे हुए मतपत्रों को सुरक्षित रखने व लेखा तैयार कराने की जिम्मेदारी रहेगी। बताया गया है कि 20 अधिकारियों व कर्मचारियों को भी नई दिल्ली तक जाने व मतपत्र लाने की ड्यूटी लगा दी गई है।

रामदेवी फिलिंग स्टेशन पर भंडारा आज

कन्नौज। शहर के लोकमाता अहिल्या बाई होलकर पाल चौराहा के निकट राम देवी फिलिंग स्टेशन खोला गया है। इसके उपलक्ष्य में 25 अक्टूबर यानि आज सुबह 10 :30 बजे से भंडारा शुरू होगा। यह जानकारी राष्ट्रीय धनगर महासभा के जिलाध्यक्ष अनिल पाल ने दी है। साथ ही ब्रजबिहारी लाल पाल, राम देवी पाल, अरविंद कुमार, दीप शिखा पाल, रविंद्र कुमार, सुजीत पाल व अशोक पाल ने पेट्रोल पंप के ओपनिंग के उपलक्ष्य में भंडारा में शामिल होने की अपील की है।

9 शासकीय वकीलों की कार्य अवधि बढ़ी

कन्नौज। जनपद न्यायालयों में कार्यरत शासकीय अधिवक्ताओं में से नौ की पदावधि को तीन वर्ष या अधिवर्षता आयु 60 वर्ष (जो भी पहले हो) तक कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि विशेष सचिव उत्तर प्रदेश शासन लोकेश नागर ने पत्र जारी कर जानकारी दी है कि जिला शासकीय अधिवक्ता प्रशांत कुमार द्विवेदी, तरुण चंद्रा व नरेंद्र सिंह राजपूत अपर जिला शासकीय अधिवक्ताओं के अलावा सहायक शासकीय अधिकवक्ता बृजेश चंद्र शुक्ला, सुधीर कुमार पांडेय, संत कुमार दुबे, कमलेश चंद्र मौर्या, नरेंद्र सिंह राजपूत, शिव कुमार गुप्ता तथा आलोक कुमार सिंह का कार्यकाल अगले तीन साल के लिए बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी यतेंद्र पाल सिंह तथा नवीन कुमार दुबे की आबद्धता समाप्त कर दी गई है।

टैबलेट के माध्यम से रोज दी जाएगी उपस्थिति

छिबरामऊ, कन्नौज। उच्च प्राथमिक विद्यालय हरी नगर में खंड शिक्षा अधिकारी आनंद कुमार द्विवेदी के दिशा निर्देशन में आयोजित मासिक शिक्षण संकुल बैठक में बताया गया कि अब टैबलेट के माध्यम से प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति दी जाएगी। बैठक की अध्यक्षता कर रहे एआरपी योगेश यादव ने प्रतिदिन छात्रों की उपस्थिति टैबलेट के माध्यम से दर्ज करने पर जोर दिया। यह उपस्थिति मुख्यमंत्री के पोर्टल पर दैनिक आधार पर प्रदर्शित होती है। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए कि वे टैबलेट के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करें। बैठक में उपस्थित सभी विद्यालय प्रमुखों ने छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की। उन्होंने विभागीय सूचनाओं पर सत्र भी लिया। उदय सिंह राठौर ने विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

फर्रुखाबाद की खबरें देखें पेज 6 पर भी

चौपाल से नदारद रहे सीओ चकबंदी एफआईआर के दिए गए निर्देश

सीओ चकबंदी पर लगाया गया रिश्वत मांगने का आरोप,लापरवाह अधिकारियों को फटकार

कार्यालय संवाददाता जलालाबाद

- डीएम ने समस्याएं सुनकर दिया निस्तारण का भरोसा
- ग्राम पंचायत सचिवालय में गांव की समस्या को लेकर चौपाल

अमृत विचार। ग्राम चौपाल में डीएम, एसडीएम, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट व ब्लाक प्रमुख ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। लापरवाह अधिकारियों व कर्मियों की फटकार लगाई। सीओ चकबंदी के नदारद रहने पर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये। महिलाओं की गोदभराई व शिशुओं का अन्नप्राशन भी कराया गया। डीएम ने समस्याओं के निस्तारण का भरोसा ग्रामीणों को दिलाया।

शुक्रवार को ग्राम पंचायत सचिवालय में गांव की समस्या गांव में समाधान के तहत ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों ने जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के समक्ष समस्याएं रखी। रेनू देवी ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय जलालाबाद के शौचालय में ताला लगा रहता है। केवल स्टाफ के लिए ही खुलता है। छात्र छात्राएं बाहर खुले में लघुशंका करते हैं। इस पर डीएम ने तुरंत शौचालय खुलवाने के निर्देश दिए। गांव के महेंद्र सिंह ने सीओ चकबंदी पर आरआरसी सेंटर में गई भूमि को निकालने के लिए 20 हजार रुपये मांगने का आरोप लगाया। रुपये न देने पर तीन साल से टरकाने की शिकायत की। सीओ चकबंदी के चौपाल में उपस्थित न होने पर डीएम ने नाराजगी जाहिर की और चकबंदी अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिये। बाबा तालाब के किनारे रखे लोहे व लकड़ी के खोखा रखे दुकानदारों ने डीएम से दुकानें न हटाए जाने की मांग की। कहा कि दुकानें हटने से वह बेरोजगार हो जायेंगे। चौपाल में महिलाओं की गोद भराई का कार्यक्रम हुआ। शिशुओं को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ एसडीएम सदर वैशाली ने खीर खिलाकर अन्नप्रशान कराया। स्वास्थ्य कैंप में 12 रोगियों की जांच कर दवा दी गई। आयुष्मान कार्ड भी बनाए गए। बुद्ध भगवान महिला स्वयं सहायता समूह की आठ महिलाओं को कूड़ा कलेक्शन करने पर जिला अधिकारी ने सम्मान पत्र दिया। इस दौरान जिला विकास अधिकारी नरेंद्र देव द्विवेदी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ बीडीओ अर्पित कुमार, एडीओ पंचायत लक्ष्मी नारायण यादव, बिजली विभाग जेई सुनील कुमार, एमओआईसी डा. मनोज कुमार, सीडीपीओ शेष मणि यादव, आदि मौजूद रहे।

चौपाल में डीएम को समस्याएं बताते ग्रामीण।

3686 रसोइयों व 1277 शिक्षामित्रों पर धनवर्षा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- रसोइयों को जुलाई व अगस्त का मानदेय भेजा गया
- शिक्षामित्रों को सितंबर का भेजा गया मानदेय

अमृत विचार। सरकार से बजट मिलने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने 3686 रसोइयों व 1277 शिक्षामित्रों के खातों में दिवाली से पहले धनवर्षा की। रसोइयों को जहां जुलाई व अगस्त का 1.13 करोड़ रुपये मानदेय भेजा गया तो शिक्षामित्रों 1.24 करोड़ रुपये दिया गया है। इसी तरह अनुदेशकों को भी मेहनताना भेज दिया गया।

बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों की विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के खातों में खेलकूद किट के लिए कुल 94 लाख 25 हजार रुपये भेजे गए हैं। इसमें प्राथमिक स्कूलों के लिए 05-05 हजार रुपये और यूपीएस या कंपोजिट स्कूलों के लिए 10-10 हजार रुपये की लिमिट जारी की गई है। समग्र शिक्षा के तहत प्राथमिक स्तर पर तैनात शिक्षामित्रों का मानदेय 01 करोड़ 24 लाख 13 हजार 974 रुपये और 191 अंशकालिक अनुदेशकों को 16 लाख 34 हजार 240 रुपये मानदेय उनके खातों में भेजी गई है। जुलाई व अगस्त का 01 करोड़ 13 लाख 28 हजार 393 रुपये मानदेय रसोइयों को दिया गया है। इसी तरह पीएम पोषण एमडीएम में जिले के 1006 प्राथमिक स्कूल, 259 यूपीएस, 194 कंपोजिट स्कूल, 39 अशासकीय सहायता प्राप्त यूपीएस, 13 सहायता प्राप्त मदरसे, 04 पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय विद्यालय, 01 अनुदानित संस्कृत स्कूल व 60 इंटर कॉलेजों समेत कुल 1576 विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा 08 तक के विद्यार्थियों के लिए 05 करोड़ 35 लाख 94 हजार 172 रुपये का बजट स्कूलों के मध्याह्न भोजन निधि खातों में भेजी गई है। बीएसए का कहना है कि त्योहार से पहले ही डीएम व सीडीओ के अनुमोदन के बाद बजट भेज दिया गया है।

चहेती फर्मों से कराए जा रहे ग्राम पंचायतों के विकास कार्य

तिर्वा, कन्नौज। उमर्दा ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को लेकर पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्राम पंचायत ठठिया में पांच सालों में 4.82 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। सड़कों, नालियों, हैंडपंपों और पंचायत भवनों के कार्यों के लिए इंदरश्वर नाथ इंटरप्राइजेज और न्यू कटियार मशीनरी स्टोर फर्मों को ही बार-बार ठेका दिया गया। सिर्फ मार्च 2025 में इन फर्मों को लाखों रुपये का भुगतान प्रस्तावित किया गया। रूरा ग्राम पंचायत में 1.13 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसमें चहेती फर्म रॉकी इंटरप्राइजेज को सड़कों के निर्माण और मटेरियल सप्लाई के लिए लगभग 12 लाख रुपये से अधिक के कार्य दिए गए। जनखत ग्राम पंचायत में 2.45 करोड़ रुपये के विकास कार्यों में रजत ट्यूब कंपनी को प्राथमिकता दी गई। यहां हैंडपंप रीबोर और मरम्मत के नाम पर भारी धनराशि खर्च की गई। बीडीओ सोनिया श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कल से कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

26 को ब्लॉकों में पेंटिंग प्रतियोगिता, 27 को चलेगा अमृत सरोवरों पर सफाई अभियान

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर देश के पहले उप प्रधानमंत्री रहे सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को लेकर कार्यक्रम होंगे।

जिलाधिकारी ने पत्र में कहा है कि 26 अक्टूबर को आठों ब्लॉक स्तर पर पेंटिंग प्रतियोगिता होगी, इसके नोडल अधिकारी संबंधित बीईओ रहेंगे। स्वच्छता अभियान अमृत सरोवरों में 27 अक्टूबर को चलेगी। इसके लिए डीडीओ/ डीपीआरओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है। भाषण प्रतियोगिता 28 अक्टूबर को शहर के पीएसएम पीजी कॉलेज में कराने के लिए एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी को नोडल बनाया गया है। नशा मुक्ति शपथ ब्लॉक स्तर पर 29 को होगी जिसकी जिम्मेदारी डीआईओएस व बीएसए को दी गई है। योग कार्यक्रम महादेवी घाट पर 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय कैडेट कोर/ मेरा युवा भारत की ओर से होगा।

उधर, पत्र मिलने के बाद डीपीआरओ राजेंद्र प्रकाश ने सभी एडीओ पंचायत से कहा है कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर जनपद में 31 अक्टूबर को पद यात्रा निकाली जाएगी। इसको लेकर ग्राम पंचायत, ब्लॉक व जिलास्तर पर गतिविधियां होंगी। इसी के तहत 27 अक्टूबर को स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में प्रत्येक ब्लॉक क्षेत्र के चयनित दो अमृत सरोवर पर स्वच्छता अभियान चलेगा।

ग्राम सचिवालय का मंत्री ने किया उद्घाटन, बना आलू भंडारण केन्द्र

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। सरकार ने ग्रामीण विकास कार्यों और ब्लॉक स्तर के कार्यों को लोगों की सुविधा के लिए ब्लॉक के सभी गांव में पंचायत सचिवालय स्थापित किए हैं। इनमें सचिव समेत ग्राम प्रधान बैठ कर ग्रामीणों की समस्याओं का निस्तारण करेंगे। उमर्दा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भुन्ना में स्थित पंचायत सचिवालय भवन का नजारा कुछ अलग ही है। यहां परिसर का उपयोग आलू भंडारण के लिए किया जा रहा है।

नव निर्मित ग्राम सचिवालय भवन का हाल ही में उद्घाटन समाज कल्याणराज्य मंत्री असीम अरुण ने किया था। भवन में अभी सचिव से लेकर ग्राम प्रधान सही तरह से बैठे भी नहीं पर यहां पर

ग्राम सचिवालय भुन्ना में सूख रहा आलू। अमृत विचार

- उमर्दा ब्लाक क्षेत्र की भुन्ना ग्राम पंचायत सचिवालय भवन का हाल

लोगों ने कब्जा कर आलू सुखाना शुरू कर दिया। आपत्ति जताते हुए गांव के ग्रामीणों का कहना था कि हर पंचायत सचिवालय पर सचिव और पंचायत मित्र की तैनाती की गई है, पर यहां किसकी नियुक्ति है यह अभी तक किसी को भी जानकारी नहीं है। ग्रामीण बताते हैं कि निष्क्रिय हालात में पड़े सचिवालय को सरकार की मंशानुरूप विधिवत चलाया जाना चाहिए। यहां निजी कार्य से ग्राम प्रधान द्वारा आलू का भंडारण करना गलत है। इस मामले पर ग्राम प्रधान संजय कटियार का कहना है कि आलू की बुआई होनी थी, जगह की समस्या आने पर अस्थाई रूप से आलू को सचिवालय में रखा गया है, जल्द ही हटवा दिया जाएगा।

कुंवरपुर बनवारी में मारपीट का वीडियो हुआ वायरल

संवाददाता,छिबरामऊ, कन्नौज

- कच्ची दीवार तोड़ने को लेकर हुआ विवाद, पुलिस से शिकायत

अमृत विचार। ग्राम कुंवरपुर बनवारी में शुक्रवार को मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुर बनवारी निवासी राजीव शर्मा पुत्र हरिचंद्र शर्मा ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे पड़ोस के कुछ लोग उनकी कच्ची दीवार तोड़ रहे थे। उस समय वह घर पर नहीं थे। पिता हरिचंद्र, भाभी ममता, भतीजी आकांक्षा, पुत्र अवि और पत्नी शशी ने दीवार तोड़ने का विरोध किया। इस पर आरोपियों ने गालीगलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर मारपीट पर उतर आए। लाठी-डंडों से किए गए हमले में पीड़ित परिवार को गंभीर चोटें आईं और जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उन्होंने पुलिस में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई न होने से आरोपियों के हौसले बुलंद हैं।

वायरल वीडियो में मारपीट करते लोग।

छठ पर्व आज से, पूजा-पाठ के लिए घाटों का समतलीकरण

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। लोक आस्था का महापर्व छठ 25 अक्टूबर को नहाए-खाए के साथ शुरू होगा। पर्व की तैयारियों के तहत पांचाल घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों की सफाई और समतलीकरण का कार्य जेसीबी से कराया जा रहा है।

शहर में बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से जुड़े लोगों में पर्व को लेकर गहरी श्रद्धा और उत्साह है। महिलाएं और पुरुष पूजा सामग्री जुटाने तथा घाटों की तैयारी में व्यस्त हैं। पूर्वांचल विकास समिति के अध्यक्ष केदार शाह ने बताया कि शनिवार को नहाए-खाए के साथ व्रत की शुरुआत होगी। इस दिन व्रती महिलाएं चने की दाल, लौकी और भात का प्रसाद बनाती हैं। रविवार को खरना का आयोजन होगा, जिसमें व्रती महिलाएं गुड़ की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं। सोमवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा, जबकि मंगलवार को उदयाचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ यह व्रत पूर्ण होगा। फतेहगढ़ निवासी मोहिनी ने बताया कि छठ महापर्व में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसके प्रसाद की तैयारी में व्रती महिलाएं खास सावधानी बरतती हैं। सेनापति निवासी पिंकी ने बताया छठ महापर्व में बांस से बना डाला सूर्य देव को अर्घ्य देने के समय प्रयोग किया जाता है। सिंघाड़ा, मूली, शकरकंद, मौसमी सब्जियां और फल रखे जाते हैं। इस मौके पर डॉ. शमीम अहमद खां सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पांचालघाट पर समतलीकरण करती जेसीबी। अमृत विचार

नशेड़ियों ने मां-बेटे पर लाठी-डंडों से किया हमला

फर्रुखाबाद। राजेपुर थाना क्षेत्र के जिठोली गांव में मां और बेटे पर लाठी-डंडों से हमला किया गया है। इस घटना में महिला सहित तीन लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला लोहिया अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार, गांव के चार युवक शराब के नशे में परिवार के दरवाजे पर बैठे लोगों के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। जब महिला और उसके बेटे ने इसका विरोध किया, तो चारों युवकों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घायलों ने राजेपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने तीनों घायलों का राजेपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल परीक्षण कराया। डॉक्टर प्रेमीत ने एक घायल युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया।

अराजकतत्वों ने तोड़ी अम्बेडकर प्रतिमा

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र में अराजकतत्वों ने बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा खंडित कर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। सूचना पर तुरंत हरकत में आए प्रशासन ने प्रतिमा को दुरुस्त करा दिया। घटना के सम्बन्ध में फतेहगढ़ कोतवाली पुलिस को तहरीर दी, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की।

डॉ. भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा अराजकतत्वों के द्वारा खंडित कर माहौल बिगड़ने का प्रयास किया गया। जानकारी होने पर जिला प्रशासन के अधिकारी पुलिस बल एक साथ मौके पर पंहुचे और प्रतिमा को दुरस्त करा दिया। मामले में पुलिस को तहरीर दी गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। कोतवाली फतेहगढ़ के जेएनबी तिराहे पर डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित है। किसी अराजक तत्व नें प्रतिमा का चश्मा, नाक व हाथ का अंगूठा तोड़ दिया। जिसकी जानकारी होने पर एसडीएम सदर रजनी कान्त, सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय, सीओ मोहम्मदाबाद अजय वर्मा आदि पुलिस बल के साथ मौके पर पंहुचे, पुलिस ने तत्काल कारीगर बुलाकर प्रतिमा को ठीक करा दिया। नेकपुर कला निवासी भाजपा नेता वीरेंद्र कठेरिया ने पुलिस को मामले की तहरीर दी। कोतवाल फतेहगढ़ रणविजय सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जाँच की जा रही है।

सौहार्द बिगाड़ने की साजिश: सपा जिलाध्यक्ष

- **फर्रुखाबाद।** प्रतिमा को खंडित किए जाने की घटना पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कृत्य समाज में वैमनस्य फैलाने और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की गहरी साजिश है। डॉ. भीमराव अंबेडकर देश के शोषित, पीड़ित और वंचित वर्गों के भगवान, रहनुमा और संविधान निर्माता हैं। उनकी प्रतिमा को खंडित करना अत्यंत निंदनीय और अक्षम्य अपराध है। जिलाध्यक्ष ने शासन-प्रशासन से मांग की कि घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज तत्काल खंगाले जाएं और दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे अराजक तत्वों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

महिला की तहरीर पर मारपीट का मुकदमा दर्ज: फर्रुखाबाद। अमृतपुर थाना क्षेत्र के अमैयापुर गांव में मारपीट का मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। महिला के अनुसार, उसके जेठ राजकुमार अपने पुत्र रामदास के साथ गांव के सुनील, अनिल, ज्ञान सिंह और गब्बर पुत्रगण श्रीपाल की दुकान के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर इन लोगों ने राजकुमार को गालियां देनी शुरू कर दीं। जब राजकुमार ने इसका विरोध किया तो मारपीटकी।

आयोजन समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने पुरानी यादों को किया ताजा

मुलायम सिंह के चित्र पर तिलक कर मनाई भाई दूज

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के चित्र को तिलक लगाकर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके समर्थकों सहित भाई दूज मनाई।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि विगत तीन वर्षों से उन्होंने भाई दूज का त्योहार नहीं मनाया था क्योंकि अबसे तीन वर्ष पहले नेताजी हम सभी को छोडकर चले गए तभी से उन्होंने त्योहार नहीं मनाया था लेकिन अब वह बराबर त्योहार मनाएंगी व नेताजी की विचारधारा को बुलंद करेंगी। उन्होंने कहा रक्षाबंधन पर, भाई दूज के त्योहार पर नेताजी कभी नहीं भूलते थे और मौका पड़ने पर भात पहनाने का या अन्य किसी पारिवारिक कार्यक्रम का मौका रहा हो तो उन्होंने पूर्ण रूप से बहन के रूप में उनको आशीर्वाद दिया। आगामी विधानसभा चुनाव में चुनाव लडने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मौका आने पर यह फैसला किया जाएगा। पारिवारिक सामाजिक और राजनीतिक रूप से स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का वह काम करेंगी।

इस मौके पर मौजूद सपा जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने पूछने पर बताया कि पंचायत चुनाव पार्टी के सिंबल पर लड़ाए जाएंगे या समर्थन दिया जाएगा इसका फैसला हाई कमान करेंगे और उन्हीं के निर्देश का पालन किया जाएगा। जब तक ऊपर से कोई फैसला नहीं आता तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता। जिलाध्यक्ष ने सभी को शुभकामनाएं दीं व उर्मिला राजपूत को पूर्ण नैतिक समर्थन देने की बात कही। इस अवसर पर सपा नेता यूनुस अंसारी, जिला महासचिव इलियास मंसूरी, जहान सिंह लोधी, डॉ. रामकृष्ण राजपूत इदि मौजूद रहे।

नेताजी का भाईदूज पर कार्यक्रम करतीं पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत,मौजूद अन्य।

फांसी के फंदे पर लटका मिला नवविवाहिता का शव,हड़कंप

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। शुक्रवार सुबह मेरापुर थाना क्षेत्र के चांदुईया गांव में एक नवविवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में पंखे से लटका मिला। मृतका की पहचान विष्णु त्रिवेदी की पत्नी नेहा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही मृतका का पति, जेठ और ससुर मौके से फरार हो गए।

सूचना पर मेरापुर थाना प्रभारी अजब सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी, जिसके बाद क्षेत्राधिकारी कायमगंज राजेश कुमार द्विवेदी और फोरेंसिक विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची।

नेहा (फाइल फोटो)।

- मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया, पति समेत अन्य लोग हुए फरार

फोरेंसिक टीम ने फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बेटी की मौत की खबर सुनकर कंपिल थाना क्षेत्र के बिल्हा गांव से मृतका के मायके पक्ष के लोग ससुराल पहुंचे। उन्होंने ससुराल पक्ष पर नेहा की हत्या कर शव लटकाने का गंभीर आरोप लगाया है। मृतका के भाई शिवम ने बताया कि नेहा बुधवार को भाई दूज मनाने मायके आई थी और गुरुवार शाम को ही अपनी ससुराल लौटी थी। नेहा की शादी 16 जून 2023 को चांदुईया निवासी प्रदीप त्रिवेदी के बेटे विष्णु त्रिवेदी के साथ हुई थी। मृतका की डेढ़ साल की एक बेटी भी है, जिसका नाम लड्डू है।

दीवार से टकराया टेंपो, दो लोग गंभीर

फर्रुखाबाद। गुरसहायगंज मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक टेंपो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक मंदिर की दीवार से टकरा गया। इस दुर्घटना में चालक समेत छह लोग घायल हो गए।

यह घटना दोपहर करीब एक बजे कमालगंज के रजीपुर के पास हुई। फतेहगढ़ के हाथीखाना निवासी राकेश कुमार (30) गुरसहायगंज से सवारियां लेकर कमालगंज की ओर आ रहे थे। सामने से आ रहे एक बाइक चालक को बचाने के प्रयास में टेंपो बेकाबू हो गया और दीवार से जा भिड़ा। दुर्घटना में टेंपो चालक राकेश कुमार के साथ यात्री राममूर्ति (28), संध्या (26), छुन्नू (3), सिया देवी (55) और सरोजनी (60) घायल हो गए। पुलिस मामले की जांचकर रही है।

न्यूज ब्रीफ

दो पक्षों में मारपीट एक घायल

ताखा। ऊसराहार थाना क्षेत्र के गांव किशनपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हुई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। प्रार्थना पत्र में पीड़ित उमेश चंद्र ने बताया कि वह अपने भाई अंकित के साथ सब्जी लेने जा रहे थे। जैसे ही वह कदमपुर स्कूल के पास पहुंचे, तभी गांव के शिव प्रताप उर्फ कल्लू, विपिन कुमार, रोहित और पांडे ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली। पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब मना किया गया तो उन्होंने उमेशचंद्र व उनके भाई अंकित के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। मारपीट में उमेशचंद्र घायल हो गए, पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की।

ट्रेन से गिरकर यात्री की मौत

इटावा। थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत चितभवन रेलवे लाइन पर ट्रेन से गिरकर एक यात्री की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के अनुसार संतोष मिश्रा 50 वर्ष पुत्र राज नारायण मिश्रा निवासी सैनिक कालौनी खानपुर रोड औरैया की थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत चितभवन रेलवे लाइन पर ट्रेन से गिरकर मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर थाना इकदिल पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया। पुलिस की सूचना पर मृतक के परिजन रोते बिलखते पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे।

ट्रक की टक्कर से दंपती घायल

जसवंतनगर। राष्ट्रीय राजमार्ग पर मॉर्डन तहसील के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। हादसे में कप्तान सिंह पुत्र जीवाराम निवासी रामनगर कॉलोनी, इटावा और उनकी पत्नी शारदा देवी गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल दम्पती नगर से दवा लेकर घर लौट रहे थे कि पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। मौके पर पहुंचे राहगीरों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टरों ने हालत नाजुक देख उन्हें रेफर कर दिया।

आज बाधित रहेगी बिजली

जसवंतनगर। शनिवार 25 अक्टूबर को दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक जसवंतनगर तहसील के फ़ीडरों से आपूर्तित सभी ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। वहीं बलरई, जुगौरा और सिरसा उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों की आपूर्ति भी प्रभावित रहेगी। इसके अलावा 33/11 केवी नगरीय उपकेंद्र पर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक यार्ड में कार्य के लिए सप्लाई बंद रहेगी। अवर अभियंता कौशल पांडेय ने बताया कि आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते यह कटौती हो रही है।

पुलिस ने चलाया एंटी रोमियो अभियान

इटावा। मिशन शक्ति के अंतर्गत थाना फ्रेंड्स कॉलोनी पुलिस ने एंटी रोमियो चेकिंग अभियान चलाया। महिला एवं बालिका सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन मे थाना फ्रेंड्स कॉलोनी एंटी रोमियो टीम द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम द्वारा सार्वजनिक स्थलों, चौराहो आदि पर मौजूद संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग की गई तथा महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जागरूकता प्रदान की गई।

रामनगर रेलवे क्रॉसिंग ओवरब्रिज से वाहनों का आवागमन हुआ शुरू

बिना औपचारिक उद्घाटन के ही चालू हुआ पुल, लाइनपार क्षेत्र के लोगों को मिली राहत

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। शहर के लाइनपार क्षेत्र के लोगों को एक बड़ी राहत मिली है। लंबे समय से लंबित रामनगर रेलवे क्रॉसिंग पर बने ओवरब्रिज का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। वहीं बिना औपचारिक उद्घाटन के ही लोगों ने ओवरब्रिज से आवागमन शुरू कर दिया। लंबे समय से इस ओवरब्रिज के निर्माण की मांग कर रहे लोगों में खुशी की लहर देखी गई।

जानकारी के अनुसार लगभग 73.65 करोड़ रुपये की लागत से बना यह ओवरब्रिज लगभग पौन किलोमीटर लंबा है। इसमें तीन बड़े और दो छोटे यूटर्न बनाए गए हैं। हालांकि, राहगीरों ने ओवरब्रिज के मोड़ों को हादसे की दृष्टि से संवेदनशील बताया है। लोगों का कहना है कि हर मोड़ पर बड़े शीशे, रिफ्लेक्टर और लाइटों की व्यवस्था जरूरी है ताकि रात के समय दृश्यता बनी रहे और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। यह ओवरब्रिज दिल्ली-हावड़ा रेललाइन पर इटावा जंक्शन के पश्चिम दिशा में स्थित रामनगर रेलवे क्रॉसिंग गेट नंबर 28 बी पर बनाया गया है। यह क्रॉसिंग शहर की सबसे व्यस्त रेलवे क्रॉसिंगों में से एक है। लाइनपार क्षेत्र के लोगों के लिए यह क्रॉसिंग लंबे समय से मुसीबत बनी हुई थी, जहां घंटों जाम लगा रहता था।

पलाईओवर से होता वाहनों का आवागमन। अमृत विचार

इटावा लोकसभा क्षेत्र के तत्कालीन सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए फरवरी 2023 में ओवरब्रिज निर्माण के लिए शासनादेश जारी कराया था। 15 जून 2023 को भूमि पूजन के साथ निर्माण कार्य शुरू किया गया था। सेतु निगम के जिम्मे निर्माण का कार्य था। निर्धारित समय सितंबर 2024 में निर्माण पूरा होना था, लेकिन रेलवे के हिस्से का काम देर से होने के कारण परियोजना मार्च 2025 तक खिंच गई। अंततः कुछ दिनों पूर्व ही ओवरब्रिज का काम पूरा हुआ। वहीं लोगों ने बिना किसी औपचारिक उद्घाटन के ही ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू कर दिया। इसकी कुल लंबाई 783.468 मीटर है, जिसमें रेलवे का 37 मीटर हिस्सा शामिल है। रेलवे ने अपने हिस्से के पुल पर 12 करोड़ रुपये की लागत से काम किया। वहीं सेतु निगम ने 27 पिलर, भरथना साइड की 255.818 मीटर और एनएच साइड की 134.770 मीटर रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया। एई राजकीय सेतु निगम पंचम सिंह ने बताया कि ओवरब्रिज का उद्घाटन कब होगा यह उच्चाधिकारी ही बता पाएंगे।

करंट की चपेट में आकर बालिका की गई जान

बकेवर। थाना बकेवर क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम महिपालपुर में एक युवक के घर के बाहर पड़े टीन शेड में बच्चों के साथ खेलते समय अचानक टीन शेड में करंट आने से 8 वर्षीय बालिका की उपचार के दौरान जिला अस्पताल में मौत होगयी। इससे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

इस सम्बन्ध में ग्राम महिपाल पुर निवासी अश्वनी दुबे ने बताया कि उनकी बेटी श्रेया दुबे अपने घर के बाहर पडे टीन शेड के नीचे बच्चों के साथ खेल रही थी कि तभी टीन शेड के पोल में करंट आने से उसको करंट लग गया और वह गिर गई। यह देख उसकी मां रितू अन्य परिवारीजनों के साथ उसे इटावा अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। इस मामले की जानकारी मिलने पर परिजनों का रो रो कर बुरा हाल बना हुआ है। वहीं ग्राम प्रधान गौरव मिश्रा ने जिलाधिकारी इटावा से इस बालिका के करंट से निधन पर आर्थिक सहायता परिजनों को दिलाए जाने की मांग की है।

नियम विरुद्ध भुगतान करने वालों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता संवाददाता इटावा

- ग्राम पंचायतों ने पोर्टल की अनदेखी कर किया 23 लाख का भुगतान

अमृत विचार। जिले में 8 ग्राम पंचायतों ने राज्य और केंद्रीय वित्त आयोग से जारी की गई 23 लाख रुपये की रकम का उपयोग नियमों की अनदेखी करके कर लिया, इसकी पोल खुली तो अब कार्रवाईकी तलवार लटक रही है। इस मामले में विभाग की ओर से दिए गए नोटिस का जबाव नही देने पर अब इन्हे अंतिम नोटिस भेजे जा रहे हैं। इसके बाद कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

विभाग का कहना है कि इस रकम के उपयोग किसी नियम का पालन नहीं किया गया। इसमें गेटवे पोर्टल की पूरी तरह अनदेखी की गई।इस मामले में पंचायतराज विभाग का कहना है कि इस रकम का उपयोग सभी नियमों को ठेंगा दिखाकर कर दिया गया। नियमों का पालन नही करते हुए यह भुगतान ग्रामीण विकास विभाग के गेटवे पोर्टल को बाईपास करते हुए मनमाने ढंग से किए गए। जिन ग्राम पंचायतों पर आरोप लगे हैं, उन्होंने किसी भी कार्य का विवरण या भुगतान पोर्टल पर दर्ज नहीं किया। मामले की पोल खुलने पर जिला पंचायत राज अधिकारी की ओर से इन 8 ग्राम पंचायतों के ग्राम प्रधानों और सचिवों को नोटिस गए हैं, लेकिन कोई भी जवाब नही दिया गया है। नोटिस का उत्तर देने का समय भी बीत जाने के बाद इन्हे अंतिम नोटिस भेजे गए हैं। अब अंतिम नोटिस के बाद कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

अंतिम नोटिस जारी किए गए : बनवारी सिंह डीपीआरओ ने बताया कि इस प्रकरण में संबंधित ग्राम प्रधानों व सचिवों को एक सप्ताह में स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किए गए थे लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। अब अंतिम नोटिस जारी किए गए है। इसके बाद भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है तो शासन के आदेश के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

18 नवंबर से होगी श्रीराम कथा

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। सेवा भारती इटावा-कानपुर प्रांत द्वारा नुमाइश पण्डाल में आयोजित होने वाली श्रीराम कथा का आज पूरे विधि विधान के साथ भूमि पूजन किया गया।

आगामी 18 नवंबर से 26 नवंबर तक इटावा के नुमाइश पण्डाल में आचार्य शान्तनु महाराज के मुखार बिंदु से श्रीराम कथा का आयोजन होना प्रस्तावित हैं जिसको लेकर पूरे विधि विधान से भूमि पूजन व यज्ञ किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कानपुर प्रान्त प्रचारक श्रीराम, विभाग प्रचारक यशवीर, सेवा भारती के क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर, अखिल भारतीय राष्ट्रीय गौ सेवा आयोग सह सेवा प्रमुख नवल, उत्तर प्रदेश गौसेवा आयोग के रामाकांत उपाध्याय समेत आरएसएस, सेवा भारती व के दर्जनों पदाधिकारियों ने नुमाइश पण्डाल पहुंचकर श्रीराम कथा के भूमि पूजन यज्ञ में शामिल होकर अपनी-अपनी आहूति दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रामशंकर कठेरिया, इटावा के प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति, महिला कल्याण निगम की अध्यक्ष कमलावति सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अन्नू गुप्ता, सदर विधायक सरिता भदौरिया, इंजी. हरिकिशोर तिवारी, संयोजक विमल भदौरिया, जिला महामंत्री प्रशांत राव चौबे, शिवाकांत चौधरी, अमित तिवारी, जितेंद्र गौड़ समेत सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने श्रीराम कथा के भूमि पूजन में शामिल होकर पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की। भूमि पूजन कार्यक्रम में डीएम शुभ्रान्त कुमार शुक्ल व एसएसपी ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव भी भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल रहे।

भूमि पूजन करते भाजपा नेता। अमृत विचार

मृत्युंजय पीतांबरा महायज्ञ का आयोजन 7 नवंबर से

इटावा। शहर के रामलीला मैदान स्थित विशाल प्रांगण में भारत के परम संत रामदासजी महाराज के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में 7 नवम्बर से 19 नवंबर तक 1108 कुंडीय मृत्युंजय पीतांबरा महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है, जिसके लिए यज्ञ सेवकों की सैकड़ों टोलियां कई माह पूर्व से ही पूरे जनपद में गांव, नगर और गली गली जाकर हिंदू परिवारों से संपर्क कर उन्हें इस यज्ञ में भागीदार बनाने हेतु निमंत्रण देने के लिए निकलेंगीं। इष्टिकापुरी के धर्मप्रेमियों को इस अभूतपूर्व महायज्ञ में शामिल होने का सौभाग्य इसी जीवन में मिलने जा रहा है।

दो ईएमओ डॉक्टरों के सहारे चल रहीं इमरजेंसी सेवाएं

संवाददाता बकेवर इटावा

- 50 शैय्या अस्पताल का मामला यहां पर लोगों को अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ता है
- 10 से 15 किलोमीटर की परिधि क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों के उपचार में है सहायक

अमृत विचार। दो इमरजेंसी मेडीकल चिकित्सक के सहारे बकेवर के 50 शैय्या अस्पताल में 24 घण्टे की इमरजेंसी सेवा चल रही है। पिछले सप्ताह सीएमओ स्तर से अटैच किये गए एक इमरजेंसी चिकित्सक ने आकर ज्वाइन ही नहीं किया। बताते हैं कि सीएमओ स्तर से अटैच किये एक ईएमओ चिकित्सक के अटैचमेंट को सीएमओ ने चार दिन बाद रद्द कर दिया।

कस्बा बकेवर के पंडित रामाधीन शर्मा 50 शैय्या अस्पताल में तैनात दो ईएमओ चिकित्सकों के भरोसे 24 घंटे की आपातकालीन सेवा चल रही है। एक दो बार तो रात्रि में इमरजेंसी सेवा बिना किसी चिकित्सक के मात्र स्टाफ नर्स व वार्ड ब्वॉय के सहारे ही चली। इसके अलावा अस्पताल में स्टाफ नर्स व फार्मासिस्ट की भी कम है जिसके कारण अस्पताल में 24 घंटे इमरजेंसी सेवा चलाने में समस्या आ रही है। उक्त अस्पताल बकेवर लखना कस्बा सहित 10 से 15 किलोमीटर की परिधि क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए उपचार में काफी सहायक है। इससे मरीजों को 20 से तीस किमी दूर जिला मुख्यालय तक बीमार होने पर नहीं भागना पड़ता है। अस्पताल में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक ओपीडी चलती है। उसके बाद दोपहर 2 से रात्रि 8 व रात्रि 8 से सुबह 8 तक इमरजेंसी सेवा चलती है जिसमें क्रमशः एक ईएमओ चिकित्सक की ड्यूटी रहती है।

मरीजों को देखते चिकित्सक। अमृत विचार

शासन ने दो साल पहले अस्पताल में तीन इमरजेंसी मेडिकल चिकित्सकों की नियुक्ति की थी जिसमें एक ईएमओ चिकित्सक डॉक्टर रविंद्र भदौरिया का छह माह बाद ही पिछले साल स्थानांतरण फिरोजाबाद जनपद हो गया था। उसके बाद अस्पताल में मात्र दो ईएमओ डॉक्टर रविंद्र साहू व डॉक्टर सतेंद्र साहू हैं जिनके सहारे 24 घंटे इमरजेंसी सेवा चल रही है। पहले काफी समय तक अस्पताल प्रशासन ने चिकित्सकों की नियुक्ति होने के बाद भी 24 घण्टे इमरजेंसी उपचार की सुविधा लागू नहीं की।शासन के दबाव के बाद 24 घण्टे की इमरजेंसी उपचार की सुविधा शुरू हुई थी।

अस्पताल में हर रोज ओपीडी में तीन से चार सैकड़ा मरीज समूचे क्षेत्र से उपचार कराने के लिए आते हैं। ओपीडी के बाद इमरजेंसी उपचार सेवा के दौरान भी हर रोज करीब 5 से दस मरीज आते हैं। अस्पताल नेशनल हाईवे के किनारे होने के कारण हर रोज कई एक्सीडेंटल केस इमरजेंसी में आते हैं। इमरजेंसी के दौरान आने वाले ज्यादातर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। इस सम्बंध में 50 शैय्या अस्पताल के सीएमएस डॉ वीरेंद्र भारती ने बताया कि अटैच किये गए ईएमओ ने ज्वाइन ही नहीं किया। शासन से 50 शैय्या अस्पताल के लिए दो ईएमओ का मांग पत्र भेजा गया है। शासन से मिलने तक सीएमओ स्तर से भी एक ईएमओ चिकित्सक के वैकल्पिक रूप से तैनात कराने के प्रयास किये जा रहे हैं।

जालौन में लेजर शो देखने को उमड़े लोग

संवाददाता जालौन उरई

अमृत विचार। जालौन सेवा समिति के तत्वावधान में लगातार चौथी वार नवीन गल्ला मंडी परिसर में राम राज्याभिषेक एवं भव्य लेजर लाइट शो का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार के आतिथ्य में संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम राजेश पांडेय, एसपी डॉ. दुर्गेश कुमार, ब्लॉक प्रमुख रामराजा निरंजन, सेवानिवृत्त सीएमओ डॉ. एमपी सिंह, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पुनीत मित्तल, समिति के अध्यक्ष रामशरण विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसके बाद 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या वापस लौटने पर प्रभु श्रीराम का तिलक व माल्यार्पण

श्रीराम की मूर्ति का तिलक करते जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय। अमृत विचार

- राम राज्याभिषेक एवं भव्य लेजर लाइट शो का हुआ आयोजन

कर राज्याभिषेक किया। इस दौरान डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से संदेश दिया की इससे बुराई पर अच्छाई के इस पर्व का संदेश लें और जीवन में बुराइयों को त्यागकर अच्छाइयों को अपनाएं। कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन के सभी परिचित हैं। उन्हें अपने जीवन में भी उतारें। नगर में सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर डीएम व एसपी ने जालौन सेवा समिति की सराहना की। साथ ही उन्होंने श्रीबाराहीं देवी मेला ग्रांउड पर पानी की निकासी की व्यवस्था कराने के लिए पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि से अपील की। इस दौरान जमकर आतिशबाजी का प्रदर्शन किया गया। रंगबिरंगी आतिशबाजी से पूरा आकाश जगमगा उठा। कार्यक्रम में संक्षिप्त रामायण का प्रदर्शन किया साथ ही देशभक्ति की धुन पर लेजर लाइट एंड साउंड शो के आयोजन में लोग झूम उठे। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र पाटकार मृदुल ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष रामशरण विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मौके पर अध्यक्षता कर रहे डॉ. हरेन्द्र सिंह , एसडीएम विनय मौर्य, सीओ शैलेंद्र बाजपेई, प्रेमदास गुप्ता भूरे मामा,कुलदीप पुरवार रामजी, संजय विश्वकर्मा, संजीव निरंजन, शशिकांत द्विवेदी, प्रताप नारायण उर्फ लल्ला तिवारी, प्रयाग गुरू, संजू निरंजन, अनुराग पटेल, मोहन आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने बैंकों में परखी सुरक्षा व्यवस्थाएं

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। चार दिनों की छुट्टी होने के बाद शुक्रवार को बैंकों की शाखाओं में ग्राहकों एवं खातेधारकों की भीड़भाड़ ज्यादा रहने से पुलिस प्रशासन दिनभर सतर्क रहा। कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप सिंह के अलावा चौकी इंचार्जों ने टीमों के साथ बैंकों का निरीक्षण करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

शुक्रवार को कार्यवाहक कोतवाल उदय प्रताप सिंह तथा उपनिरीक्षक वृजनन्दन सिंह ने भारतीय स्टेट बैंक, इंडियन बैंक, एचडीएफसी बैंक की शाखाओं में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इसी क्रम में टरननगंज चौकी इंचार्ज सुरेश चंद्र हमराही अभिषेक कुमार के साथ कैनरा बैंक की शाखा में पहुंचे। चौकी इंचार्ज ने शाखा प्रबंधक अवनीश कुमार प्रजापति, विवेक कुमार, मजहर हुसैन के साथ बैंक परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की। इस दौरान चौकी इंचार्ज ने सीसीटीवी कैमरों तथा सायरन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैंक परिसर के आसपास संदिग्ध अवस्था में घूमने वाले लोगों से पुलिस टीम के द्वारा पूछताछ की गई। चौकी इंचार्ज के द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा तथा इंडियन बैंक मंडी शाखा ब्रांच आदि शाखाओं का भी निरीक्षण करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। बैंकों की शाखाओं में सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात सुरक्षा कर्मियों से बात की।

श्रीमद भागवत कथा के पहले दिन निकली कलश यात्रा

इटावा। विकास खंड क्षेत्र महेवा की ग्राम पंचायत मुकुटपुर में ब्रह्मदेव मंदिर स्थल पर होने वाली श्रीमद भागवत कथा के पहले दिन गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई जिसमें ग्राम एवं क्षेत्र के लोगों ने बढ़चढकर भाग लिया वहीं महिला व पुरुष भक्तगण पीले वस्त्र धारण करके सिर पर कलश रखकर चल रहे थे।आचार्य पंडित सुरेश चंद्र शास्त्री महाराज एवं पंडित दाऊ दयाल महाराज श्रीधाम वृंदावन ने विधिविधान से कथा स्थल से कलश यात्रा का शुभारंभ कराया। परीक्षित प्रवीण कुमार एवं उनकी पत्नी श्रेया सिर पर पोथी धारण कर आगे आगे चल रहे थे। वहीं डॉ रामप्रकाश ओझा, प्रदीप कुमार, प्रद्युम्न रहे।

समस्या | तापमान अधिक होने का असर सरसों की फसल पर भी पड़ने लगा

सरसों की फसल में कटा रोग लगने से किसान परेशान

संवाददाता,बकेवर इटावा

अमृत विचार। मौसम में तापमान अधिक होने का असर सरसों की फसल पर भी पड़ने लगा है। सरसों की फसल में कटा रोग लगने से शुरुआती दौर में ही फसल को नुकसान हो रहा है। सरसों की बुआई के फसल के 10,15 दिन की होने के बाद ही कटा रोग फैलने लगा है किसान कटा रोग से बचाव के लिए सरसों में दवा का छिड़काव कर रहे हैं।

इस साल मौसम में लगातार परिवर्तन आने का खेतीबाड़ी पर काफी विपरीत असर पड़ रहा है 15 दिन पहले मौसम में अचानक परिवर्तन हुआ तो काफी सर्दी पड़ने लगी थी। 15 दिन पहले अचानक तापमान में गिरावट से सुबह और रात के समय ठंडक का असर पड़ने से लोगों ने रजाई निकाल ली थी। वहीं दीपावली के एक सप्ताह पहले पुनः मौसम में परिवर्तन होने से तापमान पुनः बढ़ गया जिससे दीपावली के समय भी क्वार माह जैसा महसूस हो रहा था। दिन के समय तो इतनी अधिक गर्मी महसूस हो रही थी कि लोगों को कूलर व ए.सी. फिर से चलाने पड़ गए हैं। तापमान का असर फसलों पर पड़ रहा है इसके कारण फसलों में रोग आ रहे हैं तापमान बढ़ने के कारण धान की पिछेती फसल में कीट व कण्डवा रोग लगने लगे।

सरसों की फसल में लगा कीड़ा। अमृत विचार

इसके अलावा सरसों की फसल में बुआई के दस दिन बाद ही कीट रोग सूड़ी आने लगी है नवरात्र से लोगों ने सरसों की बुआई इस क्षेत्र में की थी सरसों की बुआई अभी भी चल रही है जहां अगेती सरसों की फसल की बुआई किसानों ने कर ली थी। नवरात्रि के बाद तक उनमें सरसों के पौधे में सूड़ी रोग लगने से व कटा कीट लगने से पौधे को नष्ट कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक इसके पीछे अधिक तापमान का होना बता रहे हैं। महेवा ब्लाक में करीब 5 हजार हेक्टेयर में सरसों का रकवा है। आलू की फसल में नुकसान के कारण कई लोग आलू की जगह सरसों की बुआई करने लगे हैं। अभी तक सरसों की 20 फीसदी ही बुआई हो सकी है।

धान की कटाई के बाद किसान सरसों की बुआई कर रहे हैं।महेवा ब्लॉक के एडीओ कृषि हर्ष कुमार ने बताया महेवा ब्लॉक में लगभग पांच हजार हेक्टयर सरसों का रकवा होता हैं। तापमान अधिक होने से अभी तक मात्र 15 से 20 फीसदी करीब बुआई हो सकी है।

निर्वाचन नामावली में नाम शामिल कराने को फार्म भरें

महेवा। आगामी स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन नामावली में नाम शामिल कराने हेतु अहर्ताधारी आवेदक 6 नवंबर तक संबंधित फार्म पूर्ण करके जमा कर सकते हैं।

यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला के निर्देशानुसार सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया ने सभी ग्राम सचिवों एवं पंचायत सहायकों को निर्देशित किया है कि वह अपने अपने गांव में वर्ष 2023 तक स्नातक पास लोगों एवं शिक्षकों के फार्म अधिक से अधिक संख्या में भरवाकर प्रशिक्षण संस्थान बकेवर एवं लोकमान्य रूरल इंटर कालेज महेवा में जमा कर सकते है।

राजू गुप्ता ने की गुडविल टैक्स कंसलटेंसी की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। मोहल्ला आलमपुरा में गुडविल टैक्स कंसलटेंसी का मुख्य अतिथि समाजसेवी राजू गुप्ता ने फीता काटकर शुभारंभ किया।

गुडविल टैक्स कंसलटेंसी के ऑनर इमरान एडवोकेट व हाजी मोहम्मद रिजवान ने मुख्य अतिथि राजू गुप्ता सहित विशिष्ट अतिथि बसपा नेता मो. इदरीस अंसारी और कासिम अंसारी का माल्यार्पण कर व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि राजू गुप्ता ने कहा कि वर्तमान दौर में जीएसटी, इनकम टैक्स की सभी को आवश्यकता है, यहां गुडविल टैक्स कंसलटेंसी पर लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुझे यहां आने का अवसर मिला इसके लिए इमरान एडवोकेट और कासिम अंसारी के हम सदैव आभारी रहेंगे। इस अवसर पर सलाहउद्दीन अंसारी, राजीव पाल, शावेज़ नक़वी, हाफिज मोहम्मद रईस, पूर्व सभासद गुड्डू मनसुरि, इजहार राइन, अब्दुल जब्बार खान, चांद वारसी, राशिद अंसारी एड., चांद मियां राइन, जीशान अहमद, इमरान अंसारी, मोहम्मद सग़ीर, मोहम्मद आबिद, मोहम्मद इरफान, काशिफ, बबलू अंसारी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अंत मे गुडविल टैक्स कन्स्टलटेंसी के ऑनर इमरान ने मुख्य अतिथि व उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की

बिधूना, औरैया। कस्बे के भगतसिंह चौराहा निवासी किराना व्यवसाई हवेंद्र त्रिपाठी की 45 वर्षीय पत्नी समाजसेविका अंजली त्रिपाठी का शुक्रवार को दिल्ली के एम्स में आकस्मिक निधन हो गया। जैसे ही उनका पार्थिव शरीर उनके आवास पर आया तो भारी संख्या में लोगों ने उनके आवास पर पहुंच कर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की।

नहीं रहे संस्कृत के विद्वान डा. कमलेश

फर्रुखाबाद। सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान एवं भारतीय महाविद्यालय में संस्कृत के विभागाध्यक्ष रहे डा. कमलेश चंद्र पांडेय का शुक्रवार प्रात: हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वे अपनी उम्र के अस्सीवें दशक में थे। उनके निधन से नगर के शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

अमित व्यापार मंडल सर्राफा कमेटी के अध्यक्ष

फर्रुखाबाद। भारतीय जिला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता एवं जिला महामंत्री आनंद वर्मा, ने अमित वर्मा को सर्राफा कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अमित वर्मा प्रदेश के निर्देशानुसार श्री वर्मा को सप्ताह भर में कार्यकारिणी गठन करने के निर्देश दिए गये हैं। इस मौके पर अरुण गुप्ता अध्यक्ष लिंजीगंज, मन्नीगंज, गिराटगंज, नीरज गुप्ता जिला मंत्री आदि मौजूद रहे।

उपभोक्ता के यहां विद्युत विभाग समय से करे स्मार्ट मीटर स्थापित

सोलर उपभोक्ताओं की मीटर संबंधी समस्या का प्राथमिकता के साथ करें समाधान

कार्यालय संवाददाता, औरैया

बैठक के दौरान निर्देश देते डीएम डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में आयोजित बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन, पर्यवेक्षण एवं लक्ष्य की समीक्षा की। डीएम ने अधिशाषी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि सोलर की स्थापना के पश्चात एक सप्ताह के अंदर स्मार्ट मीटर लगाया जाए और स्मार्ट मीटर को पोर्टल पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए उपभोक्ता को योजना से लाभान्वित किया जाए। मीटर कॉन्फिग्रेशन के उपरांत उपभोक्ता को समय से विद्युत बिल उपलब्ध कराया जाए जिसमें सोलर के माध्यम से उत्पादित विद्युत तथा उपभोग विद्युत का स्पष्ट अंकन हो तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त विद्युत योजना के लाभार्थियों से एसडीओ वार्ता कर उनकी समस्या का निराकरण कराया जाए। अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी डा. इंद्रमणि त्रिपाठी ने उपभोक्ताओं से कहा कि वह व्हाट्सएप पर शिकायतों से अधिशाषी अभियंता

- **बैंक ऑफ़ बड़ौदा को ऋण स्वीकृत में बाधा उत्पन्न करने पर पत्राचार करने के लिए दिए निर्देश**

विद्युत को अवगत कराए, जिससे जल्द से जल्द उनका निस्तारण कराया जा सके। बैठक में बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा योजना के लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत में बाधा उत्पन्न करने पर पत्राचार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने परियोजना अधिकारी नेडा को निर्देश दिए कि बैठक से अनुपस्थित वेंडरों को पैनल से हटाने के लिए पत्राचार किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा वेण्डर्स की समस्याओं का समाधान, नेटमीटर की उपलब्धता व ससमय स्थापना, बिजली बिल का समय से निर्गमन व संशोधन, ऋण हेतु बैंकों के साथ समन्वय, विभिन्न बैंकों का ऋण हेतु लक्ष्य, वेण्डर को लोन के साथ-साथ जनपद एवं प्रदेश स्तर पर सोलर पैनल इन्वर्टर की उपलब्धता, कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार आदि बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि यह योजना बहुत ही लाभकारी है जिससे सोलर पैनल स्थापित कराने वालों को विद्युत बिल में लाभ मिलने के साथ-साथ पर्यावरण में भी सुधार होगा। बैठक में सोलर पैनल स्थापित करने वाले उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र व चित्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में प्रभारी परियोजना अधिकारी नेडा हिमांशु रंजन श्रीवास्तव, अग्रणी जिला प्रबंधक राजीव सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार, अधिशाषी अभियंता विद्युत औरैया/दिबियापुर, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद राम आसरे कमल, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि व सोलर पैनल स्थापित करने वाले उपभोक्ता सहित संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

लूटपाट के आरोपी की गिरफ्तारी को शिकायती पत्र

औरैया। कोतवाली क्षेत्र के जेपी इंटरनेशनल स्कूल के पास शिक्षक के साथ मारपीट कर लूट किये जाने के मामले में अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। इस मामले को लेकर पूर्व सैनिक संगठन का एक प्रतिनिधि मंडल एसपी से मिला और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। एसपी ने घटना का खुलासा किये जाने का आश्वासन दिया है।

- **15 अक्टूबर को आरोपियों ने शिक्षक के साथ मारपीट कर लूट की घटना को दिया था अंजाम**

एसपी को दिये शिकायती पत्र में रामकृपाल सिंह निवासी समरथपुर ने बताया कि उनका पुत्र जेपी इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक है। आरोप है कि 15 अक्टूबर को उनका पुत्र स्कूल से पढ़ाकर वापस आ रहा था। तभी रास्ते में पहले से घात लगाये बैठे हिमांशु, अजय व सचिन ने उनके पुत्र की बाइक में टक्कर मार दी। इसके बाद लाठी-डंडा व लोहे की राड से उसकी पिटाई की थी। इसके अलावा प्रतिमाह रंगदारी मांगी थी। इस मामले में पुलिस की ओर से रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। एसपी अभिषेक भारती ने सदर कोतवाल को मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई किये जाने के निर्देश दिये हैं।

रामलीला के दौरान मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

रामलीला में धनुष यज्ञ व सीता स्वयंवर का मंचन

संवाददाता, फफूंद, औरैया

- **महतेपुर में स्थित राम मंदिर के प्रांगण में हुई रामलीला**

अमृत विचार। विकास खंड भाग्यनगर की ग्राम पंचायत महतेपुर में स्थित राम मंदिर के प्रांगण में चल रही श्री रामलीला महोत्सव में गुरुवार की रात्रि को कलाकारों ने धनुष यज्ञ सीता स्वयंवर व परशुराम लक्ष्मण संवाद का मंचन किया।

मुख्य अतिथि भारत सिंह दोहरे ने फीता काटकर रामलीला का उद्घाटन किया व भगवान श्री राम लक्ष्मण की आरती उतार कर भगवान से आशीर्वाद लिया। इसके बाद कलाकारों ने रामलीला मंचन के दौरान राजा जनक के दरबार में देश-विदेश से आए राजा महाराजा भगवान शिव के धनुष को तोड़ने का प्रयास करते हैं, धनुष नहीं टूटा। विश्वामित्र का आदेश मिलते ही श्री राम धनुष भंग कर राजा जनक का संकट दूर करते हैं। शिव धनुष टूटने पर भगवान परशुराम राजा जनक के दरबार में पहुंचते हैं। उनका लक्ष्मण के साथ तीखा संवाद होता है। अंत में परशुराम संवाद भगवान श्री राम के वास्तविक रूप को पहचान जाते हैं और उनकी आराधना कर लौट जाते हैं। तत्पश्चात श्री राम व माता सीता के बीच जय माल का मंचन किया जाता है। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के पदाधिकारी दीपक त्रिवेदी, राजे त्रिवेदी, अशोक पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, मोहन पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, विशाल पाण्डेय, राजुल, भरतू कुशवाहा, अंकुर पाण्डेय, सचिन पाण्डेय, अंकित पाण्डेय सहित ग्राम वासी आदि लोग मौजूद रहे।

परेड का निरीक्षण करतीं पुलिस अधीक्षक आरती सिंह। अमृत विचार

पुलिस कप्तान ने परेड का किया निरीक्षण

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने फतेहगढ़ पुलिस लाइन ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली। इस दौरान उन्होंने ड्रिल और टर्नआउट का निरीक्षण किया,

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन में स्थित विभिन्न शाखाओं जैसे डायल-112, परिवहन शाखा, मैस और क्वार्टर गार्ड का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आगामी त्योहारों के मद्देनजर, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय सिंह और सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने थाना कादरीगेट क्षेत्र में पैदल गश्त की। यह गश्त प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों पर सुरक्षा, शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से की गई।

फर्रुखाबाद के थाना मऊदरवाजा पुलिस ने शांति भंग की आशंका में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनमें सलेमपुर रतन निवासी अमित (25) पुत्र जवाहर और आशीष (22) पुत्र जवाहर, तथा बहादुरगंज तराई निवासी मो. अनस सिद्दीकी (50) पुत्र मो. जमील सिद्दीकी शामिल हैं।

स्व. विमल प्रसाद स्मृति दिवस कल

फर्रुखाबाद। अखिल भारतीय हेमवती नंदन बहुगुणा स्मृति समिति की ओर से मूल्यनिष्ठ राजनीति के पुरोधा रहे पूर्व विधायक विमल प्रसाद तिवारी के स्मृति दिवस 26 अक्टूबर को मनाया जायेगा।

यह जानकारी देते हुए संस्था के समन्वयक विमल प्रसाद तिवारी स्मृति संस्थान के संस्थापक आदेश तिवारी ने बताया कि एनएकेपी के ऊपर डिग्री कॉलेज के सभागार में दोपहर 11.45 बजे होने वाले कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण होंगे व विशिष्ट अतिथि सांसद मुकेश राजपूत व भाजपा जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा होंगे। प्रोफेसर प्रमोद चंद्र मिश्र पर्यावरण सम्मान कायमगंज व्यवसायी सत्य प्रकाश अग्रवाल को दिया जाएगा। एनएकेपी डिग्री कॉलेज एवं इंटर कॉलेज की शिक्षिकाओं को सम्मानित किया जाएगा।

शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ की नई कार्यकारिणी का गठन 26 को

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ औरैया कार्यकारिणी के दो वर्ष पूरे होने के चलते नवीन कार्यकारिणी गठन को लेकर चुनाव की तिथि निर्धारित कर दी गई है। जिसके तहत 26 अक्टूबर को शहर के नगर पालिका इंटर कॉलेज में सुबह 10 बजे से वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष की देखरेख में कार्यकारिणी गठन का कार्य पूरा किया जाएगा।

जानकारी देते हुए वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तम कुमार शुक्ला ने बताया कि शिक्षणेत्तर कर्मचारी महासंघ की नवीन कार्यकारिणी गठन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 26 अक्टूबर को शहर के दिबियापुर रोड स्थित नगर पालिका इंटर कॉलेज में गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बताया कि नवीन कार्यकारिणी के लिए सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक नामांकन किया जा सकेगा। दोपहर 12 से एक बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद दोपहर तीन बजे से नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

उन्होंने महासंघ के पदाधिकारी में अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष व संघर्ष समिति अध्यक्ष हेतु नामांकन शुल्क 1100 रुपये व अन्य सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के लिए नामांकन शुल्क पांच सौ रुपये निर्धारित होने की जानकारी दी है। बताया कि उक्त निर्धारित राशि के साथ अन्य निर्धारित कागजी कार्यवाही के बाद ही संबंधित व्यक्ति कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया में शामिल हो सकेगा। उन्होंने कहा कि जिन विद्यालयों की सदस्यता शुल्क अभी तक प्राप्त नहीं हुई है वह अतिशीघ्र सदस्यता शुल्क जमा कराएं। जिससे निर्वाचन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

जूम मीटिंग में अनुपस्थित अधिकारियों का रुकेगा एक दिन का वेतन

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- **डीएम बोले सीएम डैशबोर्ड के प्रकरणों में सभी संबंधित वांछित प्रगति के साथ कार्य करें पूर्ण**
- **रैंकिंग में बढ़ोतरी के लिए सतत कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को समयबद्ध रूप से करें पूर्ण**

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में डीएम ने जूम मीटिंग के माध्यम से कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान अनुपस्थित रहे विभिन्न विभागीय अधिकारियों के एक दिन का वेतन बाधित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी व कर्मचारी समय से कार्यालय में उपस्थित हों। यदि इसमें कोई पुनरावृत्ति होती है तो संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी डा. इंद्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि जब स्वयं अधिकारी समय से कार्यालय में उपस्थित नहीं होंगे तो अधीनस्थ भी अपनी मनमानी करेंगे और विभागीय कार्यों के निस्तारण में विलंब होगा। जिससे प्रगति में गिरावट होगी। उन्होंने आगाह किया कि कार्यालय में समय से उपस्थित होकर अपने-अपने विभागीय कार्यों संबंधी मामलों का समयबद्ध रूप से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। जूम मीटिंग के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी सहार, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अधिकारी, ड्रग इंस्पेक्टर, एआईजी स्टांप, अधिशासी अभियंता नलकूप, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला खान अधिकारी, अधिशाषी अभियंता विद्युत दिबियापुर, एबीएसए औरैया, सीडीपीओ औरैया, अछल्दा, एरवाकटरा, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने विभागों के लंबित प्रकरणों से अवगत कराते हुए निर्देशित किया कि आज प्राप्त संदर्भों का गुणवत्ता के साथ 29 अक्टूबर तक संतुष्ट पूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें जिससे कोई भी संदर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में न पहुंचे। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड में कम प्रगति वाले कार्यों को समयबद्ध रूप से तेजी के साथ गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराएं जिससे प्रकरण की प्रगति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी संबंधितों को निर्देशित किया कि जनपद की रैंकिंग में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी के लिए सतत कार्यवाही करते हुए मामलों को समयबद्ध रूप से गुणवत्ता के साथ कार्यवाही करते हुए संतुष्ट पूर्ण निस्तारण करें, जिससे कोई भी संदर्भ लंबित न रहे और सभी मामले समय से निस्तारित हो सकें।

वारंटी को किया गिरफ्तार

अयाना, औरैया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार को चौकी चौकी प्रभारी गंगा सहाय ने रोशंगपुर निवासी रमजान को गांव से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ थाना में दर्ज मादक पदार्थ अधिनियम के मुकदमे में तारीखों पर न जाने पर कोर्ट से वारंट जारी हुआ था। उसे कोर्ट में पेश किया गया है।

रमजान।

विद्यालय में हुई मासिक शिक्षक संकुल बैठक

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। नगर में न्याय पंचायत मुडौल की मासिक शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन मनोज कुमार की अध्यक्षता में किया गया। बैठक को पूर्व एआरपी ओमदत्त शर्मा, महेंद्र सिंह ने संशोधित किया।

शिक्षक संकुल मनोज कुमार ने बताया कि आनलाइन अधूरे कार्य तत्काल पूर्ण करें। स्पोर्ट्स ग्रांट और कम्पोजिट ग्रांट उपभोग तैयार रखें, बच्चों की आनलाइन उपस्थिति, परीक्षा प्राप्तांक भरें और सभी बच्चों की उत्तर पुस्तिकाएं निरीक्षण हेतु तैयार रखें। सभी कक्षाओं में पाठ्यक्रम माह के अनुसार ही पूर्ण कराया जाये एवं बच्चों की कापियों में कक्षा कार्य एवं गृह कार्य देकर उसका नियमित निरीक्षण आवश्यक है। एमडीएम गुणवत्ता पूर्ण एवं मीनू के अनुसार,दूध,फल का भी वितरण किया जाये। छात्र उपस्थिति शत-प्रतिशत रखने का प्रयास करें। सत्तर फीसदी से कम उपस्थिति मिलने पर कार्रवाई की जायेगी। बैठक में आकाश पाल, योगेन्द्र कुमार,रवि गुप्ता, प्रदीप शुक्ला, आकाशदीप सहित तीन दर्जन शिक्षक उपस्थित रहे।

युवक ने लगाई फांसी, हालत गंभीर

कायमगंज। कंम्पिल थाना क्षेत्र के गांव हजरतगंज निवासी जितेंद्र युद्ध ने संदिग्ध हालत में अपने घर के कमरे में गले में फांसी का फंदा लगाकर झूल गया।। परिजनों ने आनन.फानन में उसे फांसी के फंदे से नीचे जमीन पर उतारा और गंभीर हालत मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

पुलिस ने महिलाओं को बताए हेल्पलाइन नंबर

संवाददाता फर्रुखाबाद

महिलाओं को पत्रक बांटतीं महिला पुलिस कर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार। फतेहगढ़ पुलिस ने मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के लिए विभिन्न थानों में कार्यक्रम आयोजित किए। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य उन्हें उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति सचेत करना था।

इन कार्यक्रमों के दौरान, प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1098, 181, 112, 1090 और 1076 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस ने उन्हें महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक किया और महिला सशक्तिकरण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। मिशन शक्ति 5 का प्रमुख लक्ष्य नारी सुरक्षा और सम्मान को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा महिला संबंधी अपराधों को रोकने के लिए व्यापक जागरूकता फैलाना है। ये जागरूकता कार्यक्रम थाना अमृतपुर, थाना नवाबगंज, महिला थाना, कोतवाली फतेहगढ़ और थाना शमसाबाद में आयोजित किए गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसे आयोजन भविष्य में भी जारी रहेंगे।

पहल | खेल आधारित अधिगम, कक्षा रूपांतरण व सक्रिय पुस्तकालय पर जोर

संकुल शिक्षक बैठक में शिक्षकों ने साझा किए नवाचार

कार्यालय संवाददाता, औरैया

बैठक के दौरान जानकारी देते शिक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार। राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ के निर्देशन में उप शिक्षा निदेशक गंगा सिंह राजपूत एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार के कुशल मार्गदर्शन में प्राथमिक विद्यालय असेनी, विकास खंड सहार में संकुल शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में विकसित भारत बिल्डथॉन 2025 के अंतर्गत पूर्व से पंजीकृत विद्यालयों के शिक्षकों द्वारा आइडिया अपलोड करने की प्रक्रिया, निपुण भारत मिशन की प्रगति समीक्षा, तथा एनएएस आधारित शिक्षण सुधार जैसे बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही दीक्षा ऐप पर उपलब्ध डिजिटल संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। इसके साथ ही बैठक में प्रभावी शिक्षण पद्धतियों खेल आधारित अधिगम, शिक्षक संदर्शिकाओं का उपयोग, गणित एवं विज्ञान किट, कक्षा कक्ष रूपांतरण तथा सक्रिय पुस्तकालय संचालन पर विशेष चर्चा की गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक अनिल कुमार बाथम ने अपने मोटिवेशनल वक्तव्य से शिक्षकों में सकारात्मक ऊर्जा और

- **प्राथमिक विद्यालय असेनी विकास खंड सहार में आयोजन**

नई सोच का संचार किया। इस अवसर पर एसआरजी सुनील दत्त राजपूत ने कहा कि, एक अच्छा शिक्षक वही है जो बच्चों के सपनों को पहचानकर उन्हें पूरा करने की राह दिखाता है। इस मौके पर संकुल शिक्षक अखिलेश कश्यप, महेंद्र पाल, सिरोहीलाल एवं पंकज कुमार त्रिपाठी ने शिक्षकों को निपुणता के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रेरित करते हुए शिक्षण गुणवत्ता में सुधार तथा डिजिटल संसाधनों के उचित उपयोग पर जोर दिया। बैठक का सफल आयोजन प्रभारी प्रधानाध्यापिका अंजूरानी एवं समस्त स्टाफ द्वारा किया गया, जबकि संचालन नोडल संकुल शिक्षक अखिलेश बाथम ने किया।

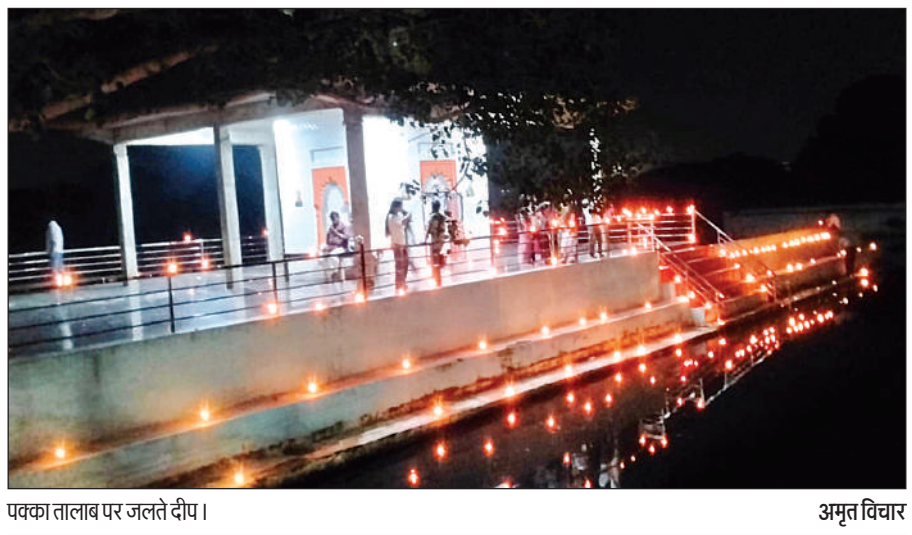

पक्का तालाब पर जलते दीप। अमृत विचार

दीपों से जगमगा उठा पक्का तालाब

संवाददाता, फफूंद, औरैया

- **भाईदूज के दिन लोगों ने बड़े उत्साह के साथ दीपदान किया**

अमृत विचार। भाईदूज के दिन गुरुवार को फफूंद कस्बे का पक्का तालाब दीपों की रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने बड़े उत्साह के साथ दीपदान किया। मोमबत्तियों और रंग-बिरंगी बिजली की झालरों से तालाब और प्राचीन शिव मंदिर को भव्य रूप से सजाया गया। दीपों की झिलमिलाहट से तालाब का नजारा मनमोहक हो उठा। जल में प्रतिबिंबित दीपों की रोशनी से पूरा तालाब स्वर्णिम आभा से दमक उठा। लोगों ने इस अवसर पर एक-दूसरे को त्योहार की बधाई दी।

न्यूज ब्रीफ

महिला ने पुल से लगाई छलांग, भर्ती

हमीरपुर। अज्ञात कारणों के चलते अधेड़ महिला ने यमुना पुल से नदी में छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मछुआरों की मदद से महिला को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के रमेड़ी मोहल्ला निवासी कमला (55) पत्नी शिवमंगल ने शुक्रवार की दोपहर अज्ञात कारणों के चलते यमुना नदी के पुल से छलांग लगा दी। राहगीरों ने पुलिस को महिला के कूदने की सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सदर कोतवाली पुलिस ने मछली का शिकार कर रहें मछुआरों की मदद से सुरक्षित महिला को नदी से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां महिला का उपचार किया जा रहा है।

दंपति के साथ मारपीट, तीन नामजद

मौदहा(हमीरपुर)। पुरानी रंजिश के चलते दंपति को पीट दिया। जिस पर पुलिस ने तीन लोगों पर मामला दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पढ़ोरी निवासी रामकरन प्रजापति ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि बीते दिन वह अपने दरवाजे पर बैठा हुआ था। तभी पुरानी रंजिश को लेकर गांव के सोनू पुत्र शोभा गाली गलौज करने लगा और मना किया तो मारपीट करने लगा। इसी बीच शोभा और सोनू की मां पान कुमारी भी आ गई। सब ने मिलकर उसे तथा उसकी पत्नी को बेरहमी से मारा पीटा। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पटाखा दागते समय युवक बुरी तरह झुलसा

मौदहा(हमीरपुर)। पटाखे दागते समय जमीन पर गिरा युवक बुरी तरह से झुलस गया। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। लेकिन युवक के परिजन युवक को बांदा ले गए हैं। बिवांर थानाक्षेत्र के ग्राम टीहर निवासी सुमित (22) पुत्र हरीकिशन पटाखे दागते समय संतुलन बिगड़ जाने के कारण जमीन पर गिर गया और जेब में रखे पटाखे फटने से जांघ और आसपास गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे परिजनों ने कस्बे के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से युवक की गंभीर चोंटों के चलते प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। लेकिन परिजन उसे इलाज के लिए बांदा ले गए है। वहीं चिकित्सकों ने जांघ की हड्डी टूटने की आशंका जताई है।

महिला का बैग लेकर ई रिक्शा चालक गायब

सुमेरपुर(हमीरपुर)। मायके से लौटकर ससुराल जा रही महिला का बैग लेकर ई रिक्शा चालक स्टेशन के बाहर से लेकर चंपत हो गया। परेशान महिला इधर उधर ई रिक्शा चालक को तलाशती रही। लेकिन उसका पता नहीं चल सका।बांदा की रहने वाली रजनी दीपावली पर्व पर अपने मायके गड़रिया आई थी। शुक्रवार को दोपहर वह बांदा वापस जाने के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस पकड़ने के लिए कस्बे में आई हुई थी। बस स्टैंड मे उतरकर यह बाजार गई और थाने के समीप कपड़े की दुकान से खरीदे गए कपड़े बदले।इसके बाद वह दुकान के सामने से स्टेशन आने के लिए ई-रिक्शा में सवार हुई थी। रेलवे स्टेशन के बाहर यह ई रिक्शा से उतरकर पानी की बोतल खरीदने लगी। इसी बीच ई रिक्शा चालक महिला का बैग लेकर चंपत हो गया। परेशान महिला होकर इधर-उधर ई रिक्शा चालक को खोजती रही। परंतु वह नहीं मिला। महिला के अनुसार बैग में कपड़े,जेवर,नगदी के साथ अन्य जरूरी कागजात थे। प्रभारी थानाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है।

किशोर को सर्प ने डसा इलाज के दौरान मौत

हमीरपुर। देवगांव में जमीन पर सो रहे किशोर को एक सांप ने डस लिया। किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के पिता सांप को मारकर डाक्टरों को दिखाने के लिए अस्पताल लेकर आया था। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। तीन वर्ष पूर्व मृतक की मां गोमती की भी सर्पदंश से मौत हो चुकी है। सुमेरपुर थानाक्षेत्र के देवगांव निवासी शैलेश ने बताया कि उसका पूरा परिवार शुक्रवार की तड़के करीब तीन बजे जमीन पर सो रहा था। इसी दौरान कहीं से सर्प आया और उसने उसके दस वर्षीय बेटे करन के सीने में डस लिया। सांप के डसते ही किशोर की हालत बिगड़ना शुरू हो गई। सर्पदंश की जानकारी होने पर पिता बेटे को लेकर गांव के ही एक बाबा के पास ले गया। । हालत बिगड़ते देख पिता उसे स्कूटी से ही जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां पर किशोर की मौत हो गई। तीन वर्ष पूर्व मृतक की मां की भी सर्पदंश से मौत हो चुकी है।

राजगद्दी के दौरान भगवान राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न की नयनाभिराम झांकी।

पत्रकारों को सम्मानित करती विधायक मनीषा अनुरागी। अमृत विचार

भगवान राम के राजगद्दी पर बैठते ही लगे जयकारे

संवाददाता, राठ(हमीरपुर)

- आकाश में आतिशी नजारा देख लोग हुए मंत्रमुग्ध
- मेले में सहयोग करने वालों को किया गया सम्मानित
- राजतिलक के दौरान आतिश बाजी का आकर्षक प्रदर्शन किया

अमृत विचार। एक पखवारे से चल रही रामलीला मंच पर भगवान राम की राजगद्दी के साथ भगवान राम पर आधारित लीलाओं का मंचन समाप्त हो गया। अहंकारी रावण के वध के बाद श्रीराम के अयोध्या लौटने पर राजतिलक का मंचन किया गया। राम के अयोध्या में पहुंचते ही भरत ने अपने भ्राता श्री राम को राजपाट सौंप दिया। राजतिलक के दौरान जमकर आतिशबाजी का आकर्षक प्रदर्शन किया गया।

रामलीला मंचन के आखिरी दिन भगवान श्रीराम, लक्ष्मन और सीता के अयोध्या पहुंचने पर अयोध्यावासियों ने उनकी आरती उतारी। सिंहासन पर अपने अग्रज की खड़ाऊ रखकर राजकाज देखने वाले भरत ने भगवान श्रीराम को अयोध्या का सिंहासन सौंप दिया। इस मौके पर रामलीला समिति द्वारा आतिशी नजारा पेश किया गया। कमेटी के पदाधिकारियों सहित मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों ने भगवान राम और लक्ष्मण की आरती उतारी।

मेले में विद्युत विभाग, नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों, पुलिस विभाग, पत्रकारों सहित मां शारदा बालिका स्कूल की छात्राओं को मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद, एमएलसी जीतेंद्र सिंह सेंगर, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक समेत विधायक मनीषा अनुरागी, जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया, मनोज बुधौलिया बउआ महाराज आदि लोगों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि समाज के लोग भगवान राम के आदर्शों को अपनाएं। इस मौके पर कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, बसंत नगाइच, अवधेश पाठक, राकेश मिश्रा, सुरेश खेबरिया मुन्ना लाल लाक्षाकार, प्रभु दयाल अहिरवार, कन्हैया लाल खेबरिया, केजी अग्रवाल, प्रशांत बुधौलिया, कृष्ण दत्त पटैरिया, नरेश बाबू सक्सेना, सतीस नंदा, रमेश चंद्र मिश्रा समेत हजारों की तादाद में दर्शक रहे।

बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित करते प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद साथ में रामलीला कमेटी के पदाधिकारी। अमृत विचार

शिक्षक को रोडवेज बस ने कुचला, चली गई जान

बस स्टैंड के पास खड़ा करके चालक बस छोड़कर फरार

संवाददाता, सुमेरपुर(हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बे से बिना हेलमेट लगाए सजेती जा रहे बाइक सवार शिक्षक को रोडवेज बस ने हाईवे पर कुंडौरा के पास टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। कस्बे में बस स्टैंड के पास खड़ा करके चालक बस छोड़ छोड़कर मौके से भाग निकला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कस्बे के पशु बाजार निकट निवासी संदीप यादव ने बताया कि कुलदीप यादव (26) पुत्र हरिनारायण यादव सरकारी शिक्षक थे और मवई जार में कंपोजिट विद्यालय में टीचर थे। वह बाइक से सजेती जा रहे थे। तभी कुंडौरा के पास इनको मुख्यालय की ओर से आ रही हमीरपुर डिपो की बस ने टक्कर मार दी। जिससे इनकी मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं रोडवेज चालक बस को लेकर कस्बे के बस स्टैंड पर सोनी होटल के सामने खड़ा करके भाग निकाला। इसमें सवार यात्री भी कुछ देर में बस से उतरकर दूसरे साधनों से अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पिता हरिनारायण यादव, मां सरोज यादव, भाई संदीप यादव को रोता बिलखता छोड़ गया है। मृतक अविवाहित था।

कुलदीप यादव।

इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन में नाम बढ़ाने को करें आवेदन

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के लिए इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों को तैयार करने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्नातक निर्वाचक नामावली में नाम परिवर्धन किए जाने की अन्तिम तिथि 06 नवंबर है।

निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है कि अपना नाम सम्मिलित कराने के लिए प्रत्येक अर्ह नागरिक फार्म-18 में अपना आवेदन पत्र 06 नवंबर तक प्रत्येक दशा में अपना आवेदन आयुक्त कार्यालय, झांसी अथवा जिला निर्वाचन अधिकारी हमीरपुर के कार्यालय में अथवा संबंधित तहसील कार्यालय में जमा करा दें।

आवेदन पत्र फार्म-18 जिला निर्वाचन कार्यालय अथवा तहसील कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं अथवा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश की आफिशियल वेबसाइट ceouttarpradesh.nic.in पर फार्म-18 में आवेदन कर सकते हैं।

दीपावली व छठ पर्व के चलते ट्रेनों और बसों में उमड़ रही भारी भीड़

इंटरसिटी एक्सप्रेस में चढ़ने की जद्दोजहद करते यात्री। अमृत विचार

संवाददाता सुमेरपुर(हमीरपुर)

अमृत विचार। दीपावली पर्व की वापसी तथा आगामी छठ पर्व की आवाजाही के चलते ट्रेनों बसों में भारी भीड़ उमड़ रही है। दोपहर को कानपुर सेंट्रल से चलकर प्रयागराज जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस में भारी भीड़ उमड़ी हुई थी।

दीपावली पर्व की वापसी और छठ पर्व की आवाजाही से बसों ट्रेनों में तिल रखने की जगह नहीं मिल रही है। दोपहर को कानपुर से चलकर बांदा के रास्ते प्रयागराज जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय पर कस्बे के प्लेटफार्म संख्या 3 में आई। यह ट्रेन पूरी तरह से खचाखच भरी हुई थी। कानपुर से आए यात्री रामगोपाल, राधा, जगजीवन, राधेश्याम, गोकुल, वंदना, ज्योति, कमला, कृष्णकांति, रमाकांती, उमेश कुमार, संतोष कुमार, राजेंद्र प्रसाद, राजकुमार, सुनील कुमार आदि ने बताया कि कानपुर सेंट्रल से ही सभी डिब्बे खचाखच भर गए थे। किसी भी डिब्बे में तिल डालने की जगह नहीं थी। घाटमपुर आते-आते ट्रेन में भारी भीड़ हो गई थी। स्टेशन में उतरना मुश्किल हो गया।

लौह पुरुष की जयंती पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। जनपद के प्रभारी मंत्री एवं जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने निरीक्षण भवन में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रतीक भारत रत्न लौह पुरुष वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सरदार 150वीं यूनिटी मार्च अभियान के संबंध में पत्रकार वार्ता की।

प्रेस वार्ता में प्रभारी मंत्री रामकेश निषाद ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 में हुआ था। यह एक भारतीय वकील, स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिक थे।

वह भारत के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। उन्होंने लौह पुरुष के रूप में देश के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 552 से अधिक रियासतों को भारत संघ में शामिल करने में सफलता प्राप्त की। भारत की ऐसी महान विभूति एवं प्रेरणा स्रोत की जयंती बड़े ही उत्साह के साथ मनाई जाएगी एवं आगे उनकी जयंती पर पार्टी कार्यक्रम भी चलाएगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुनील पाठक, जिला प्रभारी देवेश कुमार, ादि लोग मौजूद रहे।

पंडित दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष पर खेलकूद का आयोजन

हमीरपुर। खेल निदेशालय उप्र खेल भवन लखनऊ के निर्देश पर पं.दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर जिला स्तरीय जूनियर (अंडर-19) वर्ग की प्रतियोगिताओं का आयोजन में किया जा रहा है। जिसमें जिला स्तरीय जूनियर (अंडर-19) वर्ग की एथलेटिक्स (बालक/बालिका वर्ग), वॉलीबॉल (बालिका वर्ग) एवं फुटबॉल (बालक वर्ग) प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिताएं 28 से 30 अक्टूबर तक राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में कराई जाएगी। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले इच्छुक बालक/बालिका खिलाड़ी उपरोक्त निर्धारित तिथियों को ससमय राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में आकर प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकते हैं। उपरोक्त प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार 700 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 600 रुपये एवं तृतीय पुरस्कार 500 रुपये सीधे खिलाड़ियों के खातों में भेजे जाएंगे। उक्त प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी अपने साथ अपने बैंक की पासबुक की फोटो कॉपी एवं आधार कार्ड की फोटोकॉपी लाना अनिवार्य है।

खाद वितरण की भनक लगते ही उमड़ी किसानों की भीड़

संवाददाता, कुरारा(हमीरपुर)

अमृत विचार। कस्बा में संचालित पीसीएफ के नगद बिक्री केंद्र में खाद वितरण होने की भनक लगते ही किसानों ने सुबह से ही केंद्र में भीड़ एकत्र हो गई। वही केंद्र प्रभारी ने आधार खतौनी जमा कर गिने चुने किसानों को ही खाद वितरित की। जमा कराए गए कागजों को दूसरी तरफ फेंक दिए। जिससे किसानों और प्रभारी के बीच काफी नोक झोक होती रही। किसानों ने प्रभारी के ऊपर पक्षपात का आरोप लगाया है।

कस्बे में संचालित पीसीएफ के नगद बिक्री केंद्र में 475 बोरी डीएपी खाद बीते चार दिन पूर्व आ गई थी। केंद्र प्रभारी द्वारा खाद वितरण न करने पर किसान केंद्र की गणेश परिक्रमा लगाते रहे। किसानों को शुक्रवार को खाद वितरण की भनक लगते ही सैकड़ों की संख्या में किसान सुबह से ही केंद्र के बाहर एकत्रित हो गए। केंद्र प्रभारी द्वारा दो सौ आधार कार्ड और खतौनी जमा करवाने के बाद 110 किसानों को ही पूरी खाद वितरण कर देने पर अन्य किसानों ने जमकर हंगामा काटा। सरसई व की महिला किसान कलावती, कंनौटा शीतलपुर की रन्नो आदि ने बताया कि सुबह 7 बजे से केंद्र में खाद के लिए लाइन में लगे रहे। वहीं केंद्र के अंदर दो प्राइवेट युवक आधारों की उल्टा पल्टी करते रहे और अपने मनचाहे लोगों को खाद का वितरण करते रहे।

चयनित किसानों को नि:शुल्क मिनीकिट बीज का किया जा रहा वितरण

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के राजकीय कृषि बीज भंडार में मटर, चना, मसूर, सरसों (लाही) का बीज 50% छूट पर उपलब्ध है। नि :शुल्क बीज में चना, मटर, मसूर व सरसों का बीज चयनित किसानों को निशुल्क बीज मिनीकिट बांटा गया है। अभी तक लगभग 950 किसानों को निशुल्क बीज मिनीकिट बांटा गया है। इस मिनीकिट से किसानों को फसल बुवाई में बहुत बड़ी सहायता होगी। जिससे किसानों के चेहरे में खुशी है। कृषि बीज भंडार प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि यह बीज सर्टिफाइड एवं दवा शोधित होता है। जिससे फसल में रोग एवं कीट नहीं लगते हैं। शुरुआती दौर में जिन किसानों ने निशुल्क बीज की मिनीकिट की बुकिंग कराई थी। उनको निशुल्क बीज बांटा जा रहा है।

पीसीएफ केंद्र में खाद लेने के लिए लगी किसानों की भीड़। अमृत विचार

कार्बाइड के शिकार युवाओं की संख्या में हो रहा इजाफा

सुमेरपुर(हमीरपुर)। कार्बाइड गन से आंखों के शिकार होने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। शुक्रवार को तीन युवक इसके शिकार से ग्रसित होकर उपचार के लिए नेत्र चिकित्सक के पास आए, अब संख्या बढ़कर 13 हो गई है।

तेज आवाज के लिए युवाओं के मध्य लोकप्रिय हुई कार्बाइड गन कितनी खतरनाक साबित हो रही है, इसके दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। दीपावली पर्व को यह जमकर बिकी थी। इससे निकलने वाली जहरीली गैस युवाओं को अंधा बना रही है। गुरुवार को कस्बे में 10 युवा इसके शिकार होकर उपचार के लिए नेत्र चिकित्सक के पास आए थे। शुक्रवार को तीन नए मरीज अजय धुरिया निवासी कपड़िया मोहाल, रोहन कुशवाहा निवासी रेलवे कॉलोनी, पीयूष आदि उपचार के लिए नेत्र चिकित्सक के पास आए हुए थे। कस्बे के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ.सुधीर गुप्ता ने बताया कि उपचार के बाद सभी युवाओं की रोशनी वापस लौट रही है। उम्मीद है कि जल्द ही युवाओं की रोशनी में सुधार हो जाएगा। उन्होंने बताया कार्बाइड गन से युवाओं की 50 फीसदी आंखों की रोशनी चली गई थी।

पहल | विधायक का दीवारी खेलने का वीडियो सोशल मीडिया में हो रहा जमकर वायरल

विधायक ने दीवारी नृत्य खेलकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया

संवाददाता, पौथिया (हमीरपुर)

अमृत विचार। दीपावली में पूरे बुंदेलखंड में दीवारी नृत्य की धूम रहती है। सदर विधायक डा.मनोज प्रजापति के पैतृक गांव पौथिया में भी ग्रामीणों के द्वारा दीवारी नृत्य खेला गया। इस नृत्य को देखकर सदर विधायक अपने आप को नहीं रोक सकें और उन्होंने भी सिर पर गमछा बांधा और हाथ में लाठी लेकर ढोल की धुन में दीवारी खेलने के लिए कूद पड़े। सदर विधायक का यह दीवारी नृत्य सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा हैं।

बुंदेलखंड का दीवारी नृत्य हर जगह प्रसिद्ध है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर भाईदूज के दिन सदर विधायक डा.मनोज प्रजापति के पैतृक गांव में दीवारी नृत्य का आयोजन किया गया था। सदर विधायक के आवास के बाहर तमाम ग्रामीण ढोल की धुन में दीवारी खेलते नजर आए। सदर विधायक ने इन सभी दीवारी खेलने वालों का मुंह मीठा कराकर सम्मान किया और फिर दीवारी नृत्य का लुफ्त उठाया।

इतना ही नहीं दीवारी नृत्य खेल रहे कलाकारों को देख उनसे रहा नही गया और पैंट टी शर्ट पहने सदर विधायक ने सिर पर गमछा बांधा और हाथ में लाठी थामी और दीवारी नृत्य खेलने के लिए कूद पड़े। करीब 10 मिनट तक सदर विधायक ने जमकर दीवारी खेली। सदर विधायक के साथ दीवारी खेलने वाले कलाकारों और भी ज्यादा उत्साह बढ़ गया। सदर विधायक द्वारा खेली जा रही दीवारी देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ लग गई और कई लोगों ने इसका वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया में डाल दिया। जो जमकर वायरल हो रहा है। वहीं सदर विधायक डा.मनोज प्रजापति ने भी अपने फेसबुक एकाउंट में इस वीडियो को पोस्ट किया है। जिसे अब तक 22 हजार से अधिक लोगों ने देखा है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

दीवारी नृत्य खेलते सदर विधायक डॉ .मनोज प्रजापति। अमृत विचार

खरना के साथ आज शुरू होगा छठ महापर्व

- मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर होगा छठ पूजा का समापन

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। छठ पर्व 25 अक्टूबर को नहाए खाए (खरना) के साथ शुरू होगा।

कस्बे के गायत्री गंगा घाट में तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नगर पंचायत ने जेसीबी मशीन एवं कर्मियों को लगाकर घाट के आसपास की साफ सफाई कर चकाचक बनाया गया। कस्बे में बिहार एवं पूर्वांचल के एक सैकड़ा से अधिक परिवार निवास करते हैं। रोजी-रोटी की तलाश में उद्योग नगरी में आए परिवार कस्बे के विभिन्न वार्डों में रहते हैं। कुछ लोगों ने निजी आशियाना भी बना लिए हैं। कुछ किराए पर रहते हैं। यही परिवार कस्बे में छठ पर्व धूमधाम के साथ मनाते हैं। छठ पर्व की पूजा का विधान नदियों में जाकर करने का है। लेकिन कस्बे से कोई नदी नहीं गुजरती है। इसलिए छठ पर्व की पूजा करने वाले लोग कस्बे के प्रमुख धार्मिक स्थल गायत्री तपोभूमि के गायत्री गंगा घाट में पूजन के लिए एकत्र होते हैं। पति एवं संतानों के दीर्घायु के साथ सुख समृद्धि के लिए यह व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण हैं।

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से तीन लोग घायल

महोबा। थाना पनवाड़ी क्षेत्र में एक बाइक ने दूसरी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे दो युवतियों सहित तीन लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची डायल 108 पुलिस ने एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पनवाड़ी में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। महुआ गांव निवासी संदीप (19) अपनी बाइक पर दो युवतियों को बैठाकर हरपालपुर मध्यप्रदेश जा रहा था, जैसे ही बाइक ग्राम दिदवारा के समीप पहुंची तभी पीछे से आ रही एक अन्य बाइक ने पीछे से उसकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे संदीप युवतियों सहित गिरकर घायल हो गए। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद बाइक चालक वहां से भाग गया। पुलिस ने घायलों को स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

सेमेस्टर परीक्षा और छात्रवृत्ति फार्म भरें

महोबा। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी की बीए, बीएससी, बीकॉम व एमए सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए आवेदशन फार्म 30 अक्टूबर तक भजे जाएंगे, जिसके लिए जिन छात्र छात्राओं ने परीक्षाओं के फार्म नहीं भरे हैं, वह निर्धारित तिथि से पूर्व आवेदन भर दे, अन्यथा उन्हें सेमेस्टर की परीक्षाओं से वंचित होना पड़ सकता है। यह जानकारी साईं कालेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ. एलसी अनुरागी ने देते हुए बताया कि बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी की बीए, बीएससी, बीकॉम व एमए विषय सेमेस्टर प्रथम, तृतीय व पंचम की परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय ने आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर निर्धारित की है, जिसे समय पर परीक्षार्थी भरते हुए सेमेस्टर परीक्षा में शामिल हो। उन्होंने बताया कि कालेज के छात्र छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन फार्म भी भरे जा रहे हैं, जिसे सभी छात्र छात्राएं भरकर पहले महाविद्यालय से संबन्धित समिति से जांच कराकर दो प्रतियों में जमा करें साथ ही फिंगर प्रिंट वेरीफिकेशन बायोमैट्रिक करवाएं।

युवक ने लगाया प्लाट पर कब्जे का आरोप

हमीरपुर। कोताली क्षेत्र के चिरवा गांव निवासी फूल सिंह पुत्र महीपत ने तहरीर देकर बताया कि गांव के एक युवक ने उसके प्लाट पर कब्जा कर लिया है। बताया कि आरोपी युवक ने प्लाट पर लगी तारबाड़ी को तोड़कर जबरन तरीके से उसमें मिटटी डाल दी है। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस घटना की जांच करने में जुट गई थी।

शौच को गई महिला का शव गांव के नाले में मिला

गिरजारानी बीस सालों से मायके में रह रही थीं, परिजनों में मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता महोबा

गिरजारानी।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। कनेरा गांव में शौचक्रिया के लिए गई 53 वर्षीय महिला का शव गांव के नाला मंस संदिग्ध अवस्था में पाया गया। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद पता न लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस टीम ने खोजबीन कर महिला का शव बरामद कर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी। शव मिलने की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। वहीं महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

कोतवाली चरखारी के ग्राम कनेरा निवासी गिरजारानी शौचक्रिया के लिए खेत पर गई थी, लेकिन काफी देर तक वापस न आने पर परिजन परेशान हो गए। परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता न लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने जानकारी करते हुए महिला का पता लगाया और कुडरिया नाले के पास पहुंचे, जहां पर ग्रामीणों की भीड़ लगी हुई थी। पुलिस ने भीड़ अगल करते हुए देखा कि एक महिला का शव नाले में पड़ा हुआ है, जिसे ग्रामीणों की मदद से निकाला गया। शव की शिनाख्त गिरजारानी के रूप में की गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

मृतका के भाई बलराम ने बताया कि उसकी बहन करीब बीस साल से मायके में रह रही थी। मृतका के पास जमीन व मकान न होने पर रिश्ते के भाई के कच्चे मकान में रह रही थी। बताया कि जीवन यापन करने के लिए वह गांव व आसपास मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरणपोषण करती थी। मृतका का पुत्र देवकरन दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है और वह दीपावली पर्व पर गांव आया हुआ था। मौत के बाद से उसके पुत्र का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। एसओ प्रवीण कुमार सिंह का कहना है कि घटना की जानकारी करने के लिए लोगों से पूछताछ की जा रही है और मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा।

अतिक्रमण के चलते सालों से नहीं हुई नाले की सफाई

- दुकानदारों के सड़क किनारे सामान रखने से बढ़ जाती है जाम की समस्या

कार्यालय संवाददाता महोबा

नाले पर बनी दुकानें व रोड किनारे रखा सामान। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बा चरखारी के टाकीज चौराहे पर बने नाले में दुकानदारों ने दुकानें बनाकर अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, जिससे कई सालों से नाले की सफाई नहीं हो पा रही है। साथ ही दुकानदारों के कब्जा किए जाने से रोड भी सकरा हो गया है,जिस कारण लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने इस संबन्ध में कई बार पालिका प्रशासन को अवगत कराया, लेकिन समस्या का आज तक निराकरण नहीं हो सका।

टाकीज चौराहा के नाले की सालों से सफाई नहीं हुई, कारण नाले और उसके आसपास दुकानदारों ने अवैध कब्जा करते हुए अपनी दुकाने बना रखी हैं, जिससे नाला पूरी तरह से ढक गया। नाले की सफाई न होने से नाला गंदगी और कूड़े से पटा हुआ है साथ ही पानी की निकासी भी प्रभावित हो रही है। कूड़े और गंदगी से आ रही दुर्गन्ध से आसपास निवास करने वाले लोगों का जीना दूभर हो गया। बताया कि लोगों ने नाला सफाई के लिए कई बार नगर पालिका अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ। कस्बे के टाकीज चौराहे पर दुकानदारों के सामान रखकर अतिक्रमण कर लेने से रोड भी सकरा हो गया, जिससे यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को जाम की समस्या से दो चार होना पड़ता है। कभी कभी इस मार्ग पर कई कई घंटों तक जाम की स्थिति पैदा हो जाती है, लेकिन दुकानदार सड़क किनारे रखे सामान को हटाना मुनासिफ नहीं समझता।

नगर पालिका टीम समय समय पर अभियान चलाया जाता है और अभियान के तहत गरीबों की दुकानों को हटवाते हुए आगे बढ़ते जाते और टाकीज चौराहे तक रस्म अदायेगी कर अतिक्रमण हटाओ अभियान खत्म हो जाता है, जिसे पुनः दुकानदार अतिक्रमण कर जाम की समस्या को उत्पन्न कर देते है। कस्बा वासियों ने अधिकारियों से नाला सफाई और जाम की समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

कीरत सागर सरोवर से हटाई जलकुंभी व घास

महोबा। शहर के चंदेल कालीन कीरत सागर सरोवर के पानी से लबालब हो जाने से इस साल सरोवर की जलकुंभी और चारा किनारे पर आ जाने से शहरियों ने श्रमदान करते हुए सरोवर की जलकुंभी और घास निकालकर तालाब के बाहर फेक दी है, जिससे सरोवर अब साफ नजर आ रहा है। तालाब के पानी से लबालब होने और सफाई हो जाने से धोबियों को भी अब कपड़े धोने में खासी राहत मिल रही है। मालूम हो कि इस दफा हुई झमाझम बारिश के चलते कीरत सागर सरोवर में पानी आने के कारण सरोवर के बीचो बीच फैली जलकुंभी पानी के साथ जाकर किनारे लग गई थी। किनारे में जलकुंभी और घास को देखते हुए शहर के लोगों ने श्रमदान करने का मन बनाया और कई दिनों तक तालाब की घास जलकुंभी निकालकर बाहर फेंक दी है, जिससे अब तालाब का पानी साफ सुथरा हो गया है। जलकुंभी के हट जाने से तालाब का पानी भी अब कम मात्रा में घटेगा। कारण, जलकुंभी पानी को तेजी से सोखती है। कीरत सागर सरोवर का पानी साफ होने से अब नाव भी खूब सैर सपाटा कर रही है। लोगों की अब नाव में घूमने की ललक भी बढ़ गई है। कीरत सागर तट पर प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में बैठक कर पढ़ाई करने वाले छात्रों को अब सरोवर की सफाई हो जाने से स्वच्छ वातावरण और अच्छी आबोहवा मिल रही है।

कीरत सागर तट पर सफाई के बाद निकली जलकुंभी व घास। अमृत विचार

सफाई कर्मियों के छुट्टी से लौटने के बाद उठने लगे कूड़े के ढेर

कार्यालय संवाददाता महोबा

सड़क पर लगे कूड़े को उठाते सफाई कर्मी।

अमृत विचार। दीपावली त्योहार में सफाई कर्मियों की अधिक व्यस्तता के चलते नगर में जगह जगह लगे कूड़ों के ढेर दीपावली पर्व समाप्त होते ही उठने लगे हैं, जिससे अब नगर की सड़कें और चौराहों पर लगे रहने वाले कूड़ों के ढेर गायब हो गए हैं। दीपावली त्योहार की छुट्टियां खत्म होते ही सफाई कर्मचारी भी काम पर लौट आए हैं, जिससे पूर्व की तरह अब नियमित शहर में साफ सफाई का कार्य होने लगा है।

गौरतलब है कि दीपावली के मौके पर कुछ सफाई कर्मचारियों के अवकाश पर चले जाने से नगर के अलावा ग्रामीण अंचलों में भी सफाई व्यवस्था चरमा गई थी और ग्रामीण अंचलों में सबसे ज्यादा बुरा हाल रहा। त्योहार के मौके पर जहां साफ सफाई की आवश्यकता थी वहीं गांव की सड़के गंदगी से पटी पड़ी थी। इतना ही नहीं शहर में भी कुछ स्थानों पर सफाई न होने और कूड़े के ढेर लगे दिखाई दिए, इसकी शिकायत नगर वासियों ने अधिकारियों से की, लेकिन सफाई कर्मचारियों के त्योहार पर छुट्टी पर होने के कारण कोई असर नहीं हुआ।

दीपावली की छुट्टी खत्म होते ही सफाई कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। उनके लौटते ही साफ सफाई का कार्य तेजी से शुरू हो गया है, जिससे तीन चार दिनों से सड़कों और मार्गों पर लगे कूड़ों के ढेरों की सफाई शुरू हो गई है। सड़कों और गलियों की नियमित सफाई का काम भी चल रहा है।

मेला स्थल के अंदर वाहनों का प्रवेश वर्जित

- ऐतिहासिक श्री गोवर्द्धन्नाथ जू मेला का एएसपी ने किया भ्रमण
- व्यवस्थाओं का लिया जायजा दिये दिशा- निर्देश

कार्यालय संवाददाता महोबा

मेले का भ्रमण करतीं एएसपी वन्दना सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह ने कस्बा चरखारी के ऐतिहासिक श्री गोवर्द्धन्नाथ जू मेला की सुरक्षा व्यवस्था के इंतजामों को परखने के लिये मेला क्षेत्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भौतिक सत्यापन करते हुए जायजा लिया और मेला बंदोबस्त, सुरक्षा और यातायात आदि व्यवस्थाओं के संबन्ध में विस्तृत निर्देश दिए। इसके बाद एएसपी ने पुलिस बल के साथ प्रमुख बाजार, कस्बा व मिश्रित आबादी वाले सवंदेनशील स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए आमजन से संवाद भी किया।

भ्रमण के दौरान उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर सम्पूर्ण मेला परिसर में आवश्यक पुलिस प्रबन्ध करने के निर्देश देते हुए चप्पे चप्पे पर पुलिस को तैनात करने को कहा। एएसपी ने अराजकतत्वों पर नजर रखने के लिए सादा कपड़ों में भी पुलिस कर्मचारियों को तैनात करने को कहा। एएसपी ने संपूर्ण मेला परिसर के महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों को भी स्थापित कराया, जिससे मेले में आने जाने वालों की निगरानी की जा सके।

मेला स्थल पर आगजनी की घटनाओं से बचाने के लिए अग्नि सुरक्षा के लिये फायर सर्विसेज की व्यवस्था भी की गई है, इसका भी अपर पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। इस मौके पर एएसपी ने कहा कि मेला स्थल के अंदर वाहनों का प्रवेश बिल्कुल वर्जित रखा जाए, क्योंकि पैदल मेला के आनंद लेने वालों को इससे असुविधा होती है । मेला का भ्रमण करने के बाद एएसपी ने थाना क्षेत्र के प्रमुख बाजार, कस्बा व मिश्रित आबादी वाले सवंदेनशील स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने आमजन से वार्ता कर उन्हें सुरक्षा का एहसास कराया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी चरखारी दीपक दुबे, थानाध्यक्ष चरखारी प्रवीण कुमार सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

आने के बाद भी किसानों को नहीं मिल रही खाद

संवाददाता बेलाताल महोबा

अमृत विचार। साधन सहकारी समिति जैतपुर में एक सप्ताह से डीएपी खाद आने के बाद भी उसका वितरण नहीं किया गया, जिससे किसानों की जुताई बुआई नहीं हो रही है।

जैतपुर सहकारी समिति में एक सप्ताह पहले खाद आ चुकी है। किसान प्रतिदिन समिति के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सचिव द्वारा खाद का वितरण नहीं किया जा रहा है। जैतपुर के अमृतलाल ब्यास, महेशचंद्र, रमेश कुमार का कहना है कि माह जून से डीएपी खाद का वितरण हो रहा है, लेकिन भीड़ में टोकन न मिलन पाने के कारण एक भी बोरी खाद नहीं मिली है, इससे मटर चना की बुआई से किसान वंचित हो रहे हैं अब गेहूं की फसल की बुआई भी पिछड़ने लगी है। यदि जल्द ही खाद का वितरण नहीं हुआ तो गेहूं की फसल की बुआई समय से नहीं हो पाएगी। समिति के 60 खाताधारक किसानों को एक बोरी खाद अभी तक नहीं मिली है। अधिकारियों ने टोकन व्यवस्था लागू करके किसानों के साथ उपेक्षित व्यवहार किया है। एक तरफ जिला सहकारी अधिकारी वीरेंद्र सिंह समितियों में आदेश कर रहे है कि समिति के खाताधारक किसानों को ही खाद का वितरण किया जाएगा। नकद खाद लेने वाले किसानों को खाताधारकों से बचने के बाद खाद दी जाएगी।

कबड्डी प्रतियोगिता

दमोह ने झांसी को हराकर जीती ट्राफी

- दो दिवसीय मेले में निकाली गई शोभा यात्रा, नगर का किया भ्रमण

कार्यालय संवाददाता महोबा

कबड्डी प्रतियोगिता में दमखम दिखाते खिलाड़ी। अमृत विचार

अमृत विचार। विकासखंड पनवाड़ी के चुरारी गांव में दो दिवसीय मेले का आयोजन भगवान कृष्ण की शोभा यात्रा के साथ किया गया। शोभा यात्रा मेला ग्राउंड से निकाली गई जो पूरे गांव का भ्रमण करते हुए मेला ग्राउंड स्थित राम जानकी मंदिर में जाकर संपन्न हुई। मेले के मौके पर बुंदेलखंड स्तरीय कबड्डी का आयोजन भी किया गया, जिसमें दमोह और झांसी के मध्य खेला गया फाइनल मुकबला दमोह ने जीता और ट्राफी अपने नाम की।

चुरानी गांव में आयोजित दो दिवसीय मेले का उद्घाटन समाजसेवी डॉ. सनत राजपूत एवं ग्राम प्रधान हरिश्चंद्र राजपूत ने किया। इसके बाद में कार्तिक स्नान कर रही महिलाओं और कृष्ण के बीच संवाद का मंचन किया गया। मेले के मौके पर बुंदेलखंड स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। कबड्डी प्रतियोगिता में झांसी व टीकमगढ़ के बीच मैच कराया गया। जिसमें झांसी टीम ने 27 व टीकमगढ़ टीम ने 23 अंक प्राप्त किए। झांसी टीम ने निर्धारित समय में टीकमगढ़ टीम को चार अंकों से हराया।

कबड्डी प्रतियोगिता का पहला सेमी फाइनल झांसी और हिंदौरिया के मध्य खेला गया, जिसमें झांसी ने हिंदौरिया को चार अंकों से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दूसरा सेमी फाइनल महोबा और दमोह के बीच खेला गया जिसमें दमोह ने महोबा को छह अंकों से हराया। फाइनल मुकाबला दमोह और झांसी के मध्य खेला गया जिसमें दमोह ने 32 अंक तो झांसी ने 28 अंक बना सकी और दमोह ने सर्वाधिक 32 अंक बना कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। दमोह के कप्तान सुधीर पटेल को प्रथम पुरस्कार व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया । वहीं झांसी के कप्तान अनिल कुमार को उप विजेता टीम ट्राफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। रेफरी की भूमिका में सुनील राजपूत एवं जितेन्द्र मिश्रा लकी शर्मा सतीश राजपूत रहे। इस मौके पर क्षेत्रीय ग्राम प्रधान हरिश्चंद्र राजपूत भी मौजूद रहे।

भूमि विवाद के चलते चाचा ने भतीजे को किया लहूलुहान

संवाददाता बेलाताल महोबा

अमृत विचार। भूमि विवाद को लेकर ग्राम कुढई में परिजनों ने मां बेटे पर लाठी डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर लहूलुहान कर दिया, बेटे के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं और मां का हाथ फ्रैक्चर हो गया है।

विकासखंड जैतपुर के ग्राम कुढई निवासी संतोष रैकवार (30) से उसके चाचा मोहन से जमीनी विवाद चल रहा है। घायल संतोष ने बताया कि चाचा का खेत के पास मकान बना हुआ है, जहां उसे बुलाया और बातचीत करने को कहा। चाचा के कहने पर वह घर चला गया। मकान के बाहर बैठ गया, पीछे से चाचा ने कुल्हाड़ी से उस पर हमला कर दिया। चार अज्ञात लोगों ने लाठियों से मारपीट शुरू कर दी। बीच बचाव करने पहुंची उसकी मां भगुंता को भी लाठी डंडों से पीटकर अधमरा कर दिया, जिससे उसका हाथ टूट गया। घायलों को परिजन लेकर थाना अजनर पहुंचे, जहां पर चाचा सहित आधा दर्जन लोगों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने हालत नाजुक देख घायल मां बेटे को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। परिजनों ने एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन फोन करने के बाद भी कई घंटे तक एम्बुलेंस नहीं आई, जिससे घायलों को जिला अस्पताल बाइक से ले गये।

बुंदेलखंड राज्य की मांग

ढाई माह तक चलने वाली बैलगाड़ी यात्रा के दौरान ढाई हजार किमी. का किया जाएगा सफर

राजराजा सरकार की नगरी से निकलेगी जन आक्रोश यात्रा

संवाददाता कुलपहाड़ महोबा

कार्यक्रम में मौजूद संगठन के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। बुंदेलखंड अलग राज्य निर्माण और ओरछा को राजधानी बनाए जाने की मांग को लेकर नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में राजराजा सरकार की नगरी से जन आक्रोश यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। यात्रा बैलगाडियों से महोबा ओरछा निवाड़ी सहित बुंदेलखंड सहित सभी जिलों का भ्रमण करेगी। यात्रा दौरान रास्ते में पड़ने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में पैदल चलकर ग्रामीणों को अलग राज्य के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। यह यात्रा लगभग ढाई माह में ढाई हजार किमी. से ज्यादा की यात्रा किया जाना प्रस्तावित है। यूपी एमपी के जिला मुख्यालयों पर जिला अधिवक्ता संघ के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और बाजारों में मशाल जुलूस और बुंदेलखंड राज्य निर्माण समर्थक दलों एवं संगठनों से बुंदेलखंड अलग राज्य निर्माण के लिए समर्थन भी जुटाया जाएगा।

बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा के अध्यक्ष भानु सहाय ने नगर के गोंदी चौराहा स्थित एक शोरूम के उद्घाटन केदौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जन आक्रोश यात्रा ओरछा से प्रारम्भ होगी। यह यात्रा बैलगाड़ियों से निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर, महोबा, उरई, दतिया, ललितपुर, सागर, दमोह, टीकमगढ़ एवं झांसी जिले एवं ग्रामों में लगभग ढाई माह तक चलेगी। यात्रा दौरान मार्ग में मिलने वाले सभी जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधान, सभापति एवं अन्य पदाधिकारियों से बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण आन्दोलन को चलाने के लिये दिशा निर्देश लिये जाएंगे साथ ही उनसे निवेदन किया जायेगा कि बुन्देलखण्ड राज्य शीघ्र बनाया जाए। इस आशय का एक पत्र प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तीन साल के भीतर बुन्देलखण्ड राज्य बनवा देने का वचन दिया गया था। 12 साल होने को हैं, परन्तु अभी तक बुन्देलखण्ड राज्य निर्माण की कार्रवाई तक प्रारम्भ नहीं की गई है। वादा खिलाफी के विरोध में बुन्देलियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यह आक्रोश तभी ठंडा होगा, जब केन्द्र सरकार वादा पूरा कर बुन्देलखण्ड राज्य बना देगी। उन्होंने बताया कि बांदा से महोबा तक के सभी ग्रामों का सर्वे किया गया। यात्रा मार्ग का सर्वे पूर्ण हो जाने के बाद सभी बुन्देलियों को यात्रा की पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जायेगी कि किस तिथि को किस जिले में और किस गांव में कितने बजे यात्रा पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि बैलगाड़ी से की जाने वाली यात्रा का पन्ना से कर्वी तक के गांवों का मार्ग सर्वे मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय, प्रवक्ता रघुराज शर्मा, जगदीश तिवारी, हनीफ खान आदि शामिल रहे। इस अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख राजेश चौबे, भारत सिंह, इंद्रपाल सिंह, प्रतीक यादव, बलवीर सिंह यादव, कल्याण सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

श्रीराम का जन्म होते ही लगे जयकारे

संवाददाता कुलपहाड़ महोबा

फीता काटकर रामलीला का शुभारंभ करतीं खुशबू अरजरिया। अमृत विचार

- लोगों ने खुशी में फोड़े पटाखे लीला देखने को मौजूद रहे लोग

अमृत विचार। आदर्श रामलीला समिति के तत्वावधान में नगर में रामलीला का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ अवसर के बाद रामलीला के पहले दिन मुकुट पूजन एवं रामजन्म की लीला का मंचन किया गया। रामलीला की शुरूआत खुशबू अरजरिया ने फीता काट कर की। रामलीला मंचन देखने के लिए दर्शकों की भारी भीड़ जुटी रही। नगर की आदर्श रामलीला समिति द्वारा 150 सालों से रामलीला का मंचन कराया जा रहा है, जिसमें प्रति वर्ष रामजन्म से लेकर रावण वध तक की रामलीला होती है।

गुरुवार की रात से रामलीला के प्रथम दिन मुकुट पूजन के बाद ओरछा धाम के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने रामजन्म की लीला का मंचन करते हुए दिखाया कि राजा दशरथ व तीनों रानियां पुत्र न होने के कारण व्यथित थे। कुलगुरु वशिष्ठ की सलाह से राजा दशरथ ने पुत्र कामना यज्ञ कराया, जिसमें देव योग से माता कौशल्या की कोख से विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया।

राम के जन्म होते ही बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया, लोगों ने खुशी में पटाखे फोड़े। महिलाओं ने इस दौरान बधाई गीत गाकर अपनी प्रसन्नता जाहिर की। दशरथ का अभिनय ओरक्षा के पप्पू महाराज ने किया। व्यास गद्दी पर गरौठा के पूरन चंद्र ने संभाली। इस दौरान समिति के अध्यक्ष जागेश्वर प्रसाद यादव, संतोष सुल्लेरे, चंद्र नारायण द्विवेदी, विनोद सोनी, राजू सोनी, रामराजा सोनी, अनुज पाठक, राजू गुप्ता, मृदुल चौबे, अनुज पाठक, छोटे सोनी, अस्सू अग्रवाल, अनिल अरजरिया आदि पुराने कलाकार सहित भारी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

जीआरपी ने पकड़ा चोरी का आरोपी

मानिकपुर। प्रभारी निरीक्षक जीआरपी वीर सिंह की अगुवाई में एसआई अतुल गौतम की टीम ने शुक्रवार की सुबह जंक्शन रेलवे स्टेशन में चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। इसकी तलाशी ली गई तो जेवर, 1900 रुपये व मोबाइल बरामद हुआ। इसने अपना नाम देवानंद उर्फ दयानंद पुत्र संतोष कुमार निवासी अंबेडकर नगर थाना डभौरा जिला रीवा मप्र बताया।

आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर

चित्रकूट। जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. वैभव त्रिपाठी ने बताया कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनांतर्गत वंचित सभी वर्गों के छात्र/छात्राओं के लिए पोर्टल खोले जाने के लिए समयसारिणी तय की गई है। बताया कि इसके अनुसार छात्रों द्वारा रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन की तिथि 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक है। अधिक जानकारी के लिये कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

नदी में डूबने से युवक की गई जान

पहाड़ी। थानांतर्गत एक गांव में नदी में डूबकर युवक की मौत हो गई। अरछा बरेठी गांव निवासी धर्मेंद्र (24) गांव के पास से निकली पयस्वनी नदी में शुक्रवार शाम नहाने गया था। बताया जाता है कि कच्चे घाट में पैर फिसलने से वह गहराई में चला गया। तैरना न आने की वजह से वह डूब गया। जबतक निकाला जाता। उसकी मौत हो चुकी थी।

बिजली कनेक्शन न देने का आरोप

चित्रकूट। गढ़चपा निवासी अनुसूचित जाति के किसान रामदास ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग द्वारा उसे नए बोर का कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है। उसने बताया कि उसने खेत में नया बोर कराया है। इसके बिजली कनेक्शन के लिए जून 2025 में ऑनलाइन आवेदन किया पर कई महीने बाद भी उसे बिजली आपूर्ति नहीं मिल पाई। उसका आरोप है कि सुविधा शुल्क न देने की वजह से कनेक्शन नहीं मिल पा रहा।

प्रधानाध्यापक राजू लखनऊ में सम्मानित

चित्रकूट। लखनऊ के यूपी नेडा पत्रक शिक्षण केंद्र में एडुलीडर संस्था ने नवाचारी शिक्षकों को एडुलीडर सम्मान से नवाजा। इसमें आकांक्षी विकास खंड रामनगर की ग्राम पंचायत उफरौली के प्राथमिक विद्यालय में तैनात प्रधानाध्यापक राजू यादव व मानिकपुर विकास खंड के रैपुरा में कार्यरत शिक्षक एवं एडुलीडर्स के जिला संयोजक अभिषेक सिंह को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश कुमार मेश्राम प्रमुख सचिव पशुपालन दुग्ध विकास एवं मत्स्य विभाग ने सभी शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खाते में वापस आये साढ़े 46 लाख रुपये

कोषागार में अनियमित भुगतान का मामला, डीएम और एसपी ने दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। कोषागार घोटाले में अनियमित भुगतान के मामले में अबतक आरोपियों से लगभग साढ़े 46 लाख रुपये वापस जमा कराए जा चुके हैं।

शुक्रवार को डीएम शिवशरणप्पा जीएन, एसपी अरुण कुमार सिंह ने संयुक्त प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। इस दौरान एडी पेंशन बांदा विष्णुकांत द्विवेदी, एडीएम उमेश चंद्र निगम, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह भी मौजूद रहे। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि नौ अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक 11 पेंशनरों से कुल 46 लाख, 52 हजार, 603 रुपये जमा कराए जा चुके हैं। इनमें दो लोगों को छोड़कर अन्य सभी शिक्षा विभाग से संबंधित हैं। बताया कि यह बड़ी धनराशि होती है और कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने पर इसी मद से उसे भुगतान किया जाता है। गौरतलब है कि इस घोटाले में चार कोषागार कर्मियों, जिनमें एक अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुका है, के अलावा 93 पेंशनरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। इनमें 52 बेसिक शिक्षा, 22 माध्यमिक शिक्षा, 19 सिविल पेंशनर हैं।

जानकारी देते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, एडी पेंशन विष्णुकांत द्विवेदी आदि।

बताएं तो खाते खोल दिए जाएंगे

एडी पेंशन ने बताया कि फिलहाल आरोपियों के खाते सीज हैं। ऐसे में अगर कोई रुपये वापस करना चाहे तो कोषागार में संपर्क कर सकता है। इस संबंध में एलडीएम को भी पत्र भेज दिया जाएगा कि खाता खोल दें, जिससे धन एक खाते से दूसरे में स्थानांतरित किया जा सके।

ऐसे हुई घोटाले की शुरुआत

अधिकारियों ने बताया कि सन् 2018 में पेंशनर रामखेलावन की मौत हो गई थी। इसके बाद इसका फर्जी जीवित प्रमाणपत्र बनाया गया और खाता चालू रखा गया। अबतक की जांच में सामने आया है कि इसके खाते में रुपये भेजने के साथ ही यह घोटाला शुरू हुआ।

इन लोगों ने जमा कराई अब तक रकम

- कोषाधिकारी ने बताया कि अबतक मोहनलाल, ब्रजनंदन, जीवनलाल, लल्लू प्रसाद, कैलाश नाथ, कामता प्रसाद, महिपाल, अवधेश कुमार, जयश्री और घनश्याम दत्त ने रुपये जमा कराए हैं।

पर ये आरोपी बने रहेंगे :एसपी

- पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रुपये जमा करने के बाद भी ये सभी लोग अनियमित भुगतान मामले के आरोपी बने रहेंगे, क्योंकि इनके नाम एफआईआर में उल्लिखित हैं। मुकदमे के दौरान इनके रुपये जमा करने का उल्लेख जरूर किया जाएगा, जिससे इनको सहानुभूति मिल सकती है। उन्होंने बताया कि फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। लगभग दर्जन भर लोगों से पूछताछ की जा चुकी है।

चार मृतकों के खाते में हुआ भुगतान

- वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि चार लोग ऐसे हैं जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद भी इनके खाते में रुपये भेजे गए। इनमें शिवप्रसाद, रामखेलावन और गिरजेश (दो खाते) के खातों में करोड़ रुपये तक भेजे गए जबकि अंबिका प्रसाद के खाते से लाखों का लेनदेन किया गया।

... तो बन जाएंगे यह भी आरोपी

- जिलाधिकारी ने बताया कि अभी जांच जारी है। जांच टीम में वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह शामिल नहीं हैं। एडी पेंशन टीम में हैं। अगर वह चाहेंगे और जांच टीम की विवेचना में सामने आएगा तो रमेश सिंह का नाम भी आरोपियों में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने साफ किया कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

तमंचा के साथ दबोचा गया लूट का आरोपी

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। बरगढ़ पुलिस ने लूट के आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है। आरोपी सीमावर्ती कौशांबी जिले का है।

पुलिस के अनुसार, एक अगस्त को विवेक कुमार शुक्ला निवासी ग्राम मनका थाना बरगढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 31 जुलाई की शाम वह साथी शंकरलाल शुक्ला के साथ बाइक से बरगढ़ बाजार जा रहा था। मनका रोड से डोडिया गांव वाली रोड पर एक बोलेरो पर तीन-चार अज्ञात व्यक्तियों सहित एक महिला खड़ी थी। जैसे ही उसने निकलने की कोशिश की, ये लोग बीच सड़क पर खड़े हो गए। इससे उसे बाइक रोकनी पड़ी। आरोपी बाइक की चाबी, जेब में रखा मोबाइल व रुपये लेकर भाग गए। शंकर लाल ने बोलेरो की फोटो खींच ली थी, जिससे आरोपियों की पहचान हुई। एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। शुक्रवार को विवेचना से प्रकाश में आए एक अन्य आरोपी चुन्नीलाल निवासी ग्राम ओसा थाना मंझनपुर (कौशांबी) को मुखबिर की सूचना पर गोबन ढाबा से मऊ जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। इससे तमंचा- कारतूस बरामद किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में एसआई अमरेश तिवारी, देवेंद्र कुमार शुक्ला रहे।

छापेमारी से मचा हड़कंप

मऊ। नगर पंचायत मऊ में मेडिकल स्टोर की आड़ में झोलाछाप के खिलाफ छापेमारी की गई।

मऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सक अधीक्षक डॉ मो० हारून ने बताया कि चीफ़ फार्मासिस्ट वीरेंद्र पांडेय एवं मऊ सीएचसी के डॉक्टर प्रखर निगम की संयुक्त कार्रवाई के चलते तीन जगह मेडिकल स्टोर की आड़ में नियमों को ताक में रखकर मरीजों का गलत इलाज करते हुए पाया गया जिन्हें तत्काल सीज कर दिया गया। मऊ के सतगुरु नेत्र चिकित्सालय, मवई रोड स्थित अनूप मेडिकल स्टोर एवं मवई रोड में एक डेंटिस्ट के कथित फर्जी अस्पताल का भंडाफोड़ करते हुए ये कार्रवाई की गई। डॉ प्रखर निगम ने बताया कि आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई की जाएगी।

खेलों से मानसिक विकास भी होता है

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- जनपदीय बालक-बालिका खेलकूद समारोह शुरू
- पहले दिन कर्वी क्षेत्र के खिलाड़ियों ने मारा मैदान

अमृत विचार। चित्रकूट इंटर कालेज में शुक्रवार से जनपदीय बालक / बालिका खेलकूद समारोह की शुरुआत हुई। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने ध्वज फहराकर इसका उद्घाटन किया और मार्चपास्ट की सलामी ली।

गत वर्ष के चैंपियनों ने मशाल लेकर मैदान का चक्कर लगाया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा ने की। प्रधानाचार्य डॉ. रणवीर सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत किया। बालिकाओं ने सरस्वती वंदना की और नृत्य के साथ स्वागत गीत गाया। शिक्षक लालमन ने स्वरचित गीत प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी ने कहा कि खेलकूद से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। सरकार खेलकूद को बढावा दे रही है। जिला स्टेडियम में खेलकूद की सुविधाएं मुहैया हैं। खिलाड़ी नियमित अभ्यास करके अपनी खेल प्रतिभा को विकसित कर सकते हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि खेल के क्षेत्र में चित्रकूट आगे बढ़े, इसके लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद में भी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित किया जाए। डीआईओएस रविशंकर ने सभी अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। प्रधानाचार्य ने शिक्षकों से निष्पक्ष तरीके से प्रतियोगिताएं कराने की अपील की। उद्घाटन समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, कोआपरेटिव बैंक चेयरमैन पंकज अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, आनंद त्रिपाठी, प्रधानाचार्य रुद्र नारायण पांडेय, राकेश प्रताप सिंह चंदेल, डा. राजीव पाठक, गोवर्धन सिंह, शिवशंकर चौधरी, डा. सियाराम सिंह, विजय कुमार सोनी, रजनीश मिश्रा, छोटेलाल, धर्मेंद्र सिंह, कल्पना राजपूत, वीरसेन त्रिपाठी, राकेश सिंह, अनुपम सिंह, प्रधान कर्वीमाफी बद्री प्रसाद पटेल आदि मौजूद रहे। संचालन मइयादीन पटेल, हनुमान प्रसाद ने किया। भजन, गजल, शास्त्रीय गायन में कर्वी क्षेत्र पहले दिन प्रथम और मानिकपुर क्षेत्र द्वितीय रहा। खेलों में भी कर्वी के खिलाड़ियों ने बाजी मारी।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देते प्रधानाचार्य डॉ. रणवीर सिंह चौहान व पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र। अमृत विचार

कर्मचारी बोले, मृदुभाषी साथी की मौत की भरपाई नामुमकिन

चित्रकूट। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जिला इकाई ने शोकसभा कर जिलाध्यक्ष संदीप को श्रद्धांजलि अर्पित की। कर्मचारियों का कहना था कि व्यवहारकुशल और मृदुभाषी संदीप को भुलाया नहीं जा सकता।

गौरतलब है कि कोषागार घोटाले में आरोपी बनाए गए संदीप श्रीवास्तव की बीते दिनों प्रयागराज में इलाज के दौरान हृदयगति रुक जाने से मृत्यु हो गई थी। संदीप को कुछ माह पहले ही राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का जिलाध्यक्ष बनाया गया था। संदीप अपने सहकर्मियों में काफी लोकप्रिय थे। उनकी मृत्यु से संगठन को गहरा धक्का पहुंचा है। शुक्रवार को परिषद की जिला इकाई ने शोकसभा कर संदीप को याद किया। जिला मंत्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि उनकी जगह की भरपाई नहीं हो सकती। संरक्षक वीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि उदारमना संदीप कुशल नेतृत्व के धनी थे। शोकसभा के बाद कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखा। शोकसभा में जगबली सिंह, राजकुमार वर्मा, महेंद्र वर्मा, गोकलेश कुमार ओझा आदि रहे।

कब्जा कर मछली का शिकार कर रहे

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

- मत्स्यजीवी सहकारी समिति के अध्यक्ष ने लगाया आरोप
- दबंगों पर कार्रवाई करने की लगाई गुहार

अमृत विचार। यमुना नदी में कुछ लोगों पर कूटरचित दस्तावेजों से मत्स्य आखेट करने का आरोप है। इस संबंध में मत्स्यजीवी सहकारी समिति लिमिटेड के अध्यक्ष रामचंद्र व सचिव घनश्याम ने एसपी को शिकायती पत्र भेजकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। इनका कहना है कि अगर सुनवाई नहीं हुई तो वे कोर्ट की शरण लेंगे।

शिकायतकर्ता घनश्याम।

दोनों शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उनको 28 सितंबर 25 को यमुना नदी के चार खंडों का पट्टा मिला है। आरोप लगाया कि खंड संख्या-4 में दबंग पिता-पुत्र निवासी कटैड्या खादर द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर शिकार, खरीदारी कराई जा रही है। ये लोग मना करने पर धमकी देते हैं। इनका कहना है कि अगर सात दिन के अंदर अवैध कब्जा नहीं हटवाया जाता तो उन्हें पट्टा छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा और उच्च न्यायालय की शरण में जाना पड़ेगा। इन लोगों ने दबंगों परकार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

मामले से अधिकारियों ने पल्ला झाड़ा

- मामले में सहायक निदेशक मत्स्य चित्रकूट भानु चंद्रा ने बताया कि पट्टे का आवंटन एक वर्ष चित्रकूट करता है तो एक वर्ष कौशांबी जिले से किया जाता है। इस बार पट्टे का आवंटन कौशांबी ने किया है। इसलिए इस प्रकरण से उनका कोई सरोकार नहीं है। वहीं जब कौशांबी के ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक प्रमोद कुमार शुक्ला से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामले में अभी तक विभाग के पास संबंधित लोगों ने किसी भी प्रकार की लिखित शिकायत नहीं की है। विभाग का कार्य सिर्फ आवंटन तक ही सीमित है। उसके पश्चात यदि किसी भी प्रकार का विवाद करते हैं तो पुलिस के पास अपनी शिकायत दर्ज कराएं। उधर, पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जानकारी मिली कि वहां अभी तक इस तरह की कोई शिकायत नहीं आई है।

खाद के लिए जमकर हुई धक्का-मुक्की

रामनगर (चित्रकूट)। साधन सहकारी समिति रामनगर में शुक्रवार को डीएपी खाद वितरण के दौरान जमकर धक्कामुक्की हुई। बाद में एसडीएम रामऋषि पहुंचे और पुलिस की मौजूदगी में खाद बंटवाई।

समिति में खाद वितरण की शुक्रवार सुबह जैसे ही किसानों को सूचना मिली, वे कागजात लेकर लाइन में लग गए। इस दौरान कोई अधिकारी और कर्मचारी के न होने से अफरातफरी मचने लगी। किसानों में जमकर धक्कामुक्की और विवाद हुआ। दिनेश यादव, लल्लन मिश्रा निवासी रामनगर, सदाशिव खजुरिया कलां, रामशरण बरेठी, शिव गोविंद देवीपुर, माताप्रकाश खजुरिया कलां, राम भवन पहाड़ी, भैया लाल लौरी, देवी दयाल घुरेहटा, अभिषेक बरेठी आदि किसानों ने बताया कि साधन सहकारी समिति में 18 तारीख को खाद आ गई थी लेकिन एक हफ्ता होने को है, वितरण नहीं हुआ। सुबह आठ बजे से लाइन लगाकर टोकन के इंतजार कर रहे हैं लेकिन लगभग दोपहर दो बजे तक नंबर नहीं आया। आरोप लगाया कि इसी प्रकार पिछले दो बार खाद का वितरण हुआ है लेकिन खाली हाथ ही वापस जाना पड़ा।

14 सब इंस्पेक्टरों के कार्यक्षेत्र बदले

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- दूसरे दिन भी चली तबादला एक्सप्रेस

अमृत विचार। पुलिस विभाग की तबादला रेल चालू है। गुरुवार को 11 पुलिस अधिकारियों के तबादले के बाद शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने 14 उप निरीक्षकों की तैनाती में फेरबदल किया।

चौकी प्रभारी गनीवां यदुवीर सिंह को सीतापुर प्रभारी और सीतापुर प्रभारी रहे अनिल कुमार गुप्ता को गनीवां प्रभारी बनाया गया है। अरविंद कुमार सिंह भरतकूप से चौकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग होंगे। एसआई रमेश यादव को थाना मारकुंडी भेजा गया है।

राजेश चौरसिया को बहिलपुरवा, रामाधार सिंह यादव चौकी प्रभारी खोह को मऊ में तैनाती दी गई है। अब तक पुलिस लाइन में रहे रामकुमार दुबे को खोह चौकी प्रभारी बनाया गया है। चौकी प्रभारी खंडेहा अनिल कुमार वर्मा को थाना मऊ भेजा गया है।

एसआई राहुल पांडेय को बहिलपुरवा थाने से खंडेहा चौकी का इंचार्ज बनाया गया है। कैलाश राम को पुलिस लाइन से परिक्रमा मार्ग चौकी, दिलीप कुमार सिंह को थाना भरतकूप, कृष्णदेव को कोतवाली कर्वी और कैलाश सिंह को थाना रैपुरा भेजा गया है। उप निरीक्षक कौशल सिंह को कोतवाली कर्वी से पीआरओ एसपी की जिम्मेदारी दी गई है।

आयोजन — ददरी ग्राम पंचायत में लगा मानसिक स्वास्थ्य मेला

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति लोगों में जागरूकता कम

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

अमृत विचार। ग्राम पंचायत ददरी में शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य मेला लगा। इसमें ग्रामीणों को मानसिक बीमारियों की जानकारी दी गई। मरीजों का उपचार किया गया और परामर्श दिया गया। चिकित्सकों ने इस बात पर चिंता जताई कि गांवों में लोगों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता की कमी है।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेश द्विवेदी एवं खंड विकास अधिकारी ओम प्रकाश यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बताया गया कि मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र देव ने विभिन्न गांवों से आए लगभग 370 मरीजों का उपचार किया। शिविर में मानसिक रोग के साथ साथ अन्य रोगपीड़ितों की जांच की गई। गर्भवती महिलाओं की भी जांच हुई। टीकाकरण आदि किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मऊ के अधीक्षक डॉ. हारुन ने सीएचसी में दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के विषय में विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष, डॉ. प्रखर निगम, डॉ. आशुतोष जायसवाल, ग्राम प्रधान ज्ञान सिंह, ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक धर्मवीर सिंह, ब्लाक कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक शीलनिधि खरे आदि मौजूद रहे।

सीएमओ का स्वागत करते चिकित्साधीक्षक डॉ. हारुन। अमृत विचार

मानसिक बीमारी नहीं जान पाते लोग

- सीएमओ ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। ज्यादातर लोग इस बीमारी को नहीं जान पाते और इधर उधर भटक कर समय और पैसा दोनों बर्बाद करते हैं। मानसिक बीमार लोगों को जिला अस्पताल अथवा अन्य सरकारी अस्पतालों में आकर परामर्श लेने की अपील की।

घर में घुसकर बदमाशों ने की लाखों की लूट

मऊ चित्रकूट। एक घर में पांच बदमाशों ने घर में घुसकर बंदूक की नोंक पर लूटपाट की। इस संबंध में भुक्तभोगी ने थाने में तहरीर दी है। थानांतर्गत ताड़ी गांव निवासी गुड्डी पत्नी सदाराम ने बताया कि गुरुवार रात लगभग एक बजे घर के पीछे से पांच लोग घर में घुसे। आहट से वह जागी तो इन लोगों ने कंबल से उसको ढक लिया और चाबी मांगने लगे। इसी बीच उसकी बेटियों की भी आंख खुल गई। आरोपियों ने उससे चाबी छीनकर गहने, मोबाइल, 15 हजार रुपये, आधार कार्ड निकाला और भाग गए। आरोपी जाते जाते पुलिस को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दे गए। उसका कहना है कि उसकी बेटी ने आरोपियों को पहचान लिया है। उसने पुलिस को इन लोगों के नाम भी बताए। बताया कि सुबह लगभग चार बजे उसने पुलिस को बताया।

(नमूना काबिज फरोक्त)
सम्मन वास्ते करारदाद उमर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
ता0पेशी– 7/11/2025.
न्यायालय श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय औरैया
व अदालत MACT औरैया मुद्दई जिला
नम्बर– MAC No-244/21 साकिन
एम0ए0सी0 नम्बर– सन–2021
अन्तर्गत धारा – 140/166 एम0वी0 एक्ट
चन्द्रमोहन आदि
बनाम
ओमकार आदि
1. चन्द्रमोहन सिंह पुत्र स्व0 महेन्द्र प्रताप सिंह उम्र करीब 60 वर्ष, 2. बृजपाल सिंह पुत्र स्व0 महेन्द्र प्रताप सिंह उम्र करीब 34 वर्ष सर्वनिवासीगण – रसूलपुर कलां थाना– अजीतमल जिला– औरैया –प्रार्थीगण/याचीगण
बनाम
1. ओमकार पुत्र पातीराम निवासी– मलाजनी जिला– इटावा (मालिक श्री व्हीलर नं0– यू.पी. 75 एम. 8904), 2. हरिओग पुत्र हरमोहन सिंह निवासी– बाबा का पुरवा, थाना– फफूँद जिला– औरैया (चालक श्री व्हीलर नं0– यू.पी. 75 एम. 8904), 3. श्रीमती रामवती पत्नी स्व0 भीखम सिंह निवासी– मानिकपुर विसू जिला– इटावा (सह स्वामी ट्रैक्टर नं0– यू.पी. 75 एम. 0133), 4. रघुराज पुत्र स्व0 भीखम सिंह निवासी– मानिकपुर विसू जिला– इटावा (सह स्वानी व चालक ट्रैक्टर नर – यू.पो. 75 एम. 0133), 5. दि न्यू इण्डिया इश्योरेन्स कं0 लि0 द्वारा शाखा प्रबन्धक शाखा कार्यालय भगवतीगंज दिबियापुर जिला– औरैया) बीमाकर्ता ट्रैक्टर नं0– यू.पी. 75 एम. 0133)– **विपक्षीगण/प्रतिवादीगण**
हरगाहा के आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है। कि आप ब तारीख माह सन् ई0 बवक्त बजे दिन के असालतन या मार्फत के जो मुकदमा के हालत करार माफिक किया गया और कुल पराद अहम मुताबिक मुकदमा का जबाव दे सके या जिसके जबावदेही दाबा के करे आपको लाजिम है कि उसकी जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर बताईद अपनी जबाबदेही से दस्लतदान करना चाहते हो। आपको इत्तिला दी जाती है अगर मजकूर आप हाजिर न होगें मुकदाम बगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिन 14 माह 10 सन् 2025 ई0 जारी किया गया है।
आज्ञा से
जज

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं **राज कुमार सिंह पुत्र स्व0 संत सिंह व श्रीमती मनोज सिंह पत्नी श्री राज कुमार सिंह निवासीगण–547/160/2क, निकट संतोषी माता मंदिर, जलालपुर, राजाजीपुरम लखनऊ** मेरा पुत्र शिवम सिंह उर्फ शिवा सिंह व पुत्रवधू श्रीमती श्रेया सिंह झगड़ालू प्रवृत्ति के है वह लोग मेरे साथ लड़ाई झगड़ा व अभद्र व्यवहार करते हैं और कहना नहीं मानते है जिस कारण हम अपने पुत्र व पुत्रवधू को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में पुत्र व पुत्रवधू के किसी भी कृत्य या लेन देने के लिए मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा। अपने कृत्यों के वह स्वयं जिम्मेदार होगें।

सूचना
सूचित हो कि मेरा हाईस्कूल का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वर्ष 2025 रोल नंबर 1252279706 माध्यमिक शिक्षा परिषद का वास्तव में खो गया है। **आयुष कुमार बौद्ध पुत्र मनोज कुमार बौद्ध निवासी ग्राम खुर्दाशीर रामगढ़ करनैलगंज जनपद गोंडा।**

सूचना
मैं, **श्रीमती ज्योति सिंह पत्नी कौशलेंद्र सिंह निवासिनी ग्राम पूरे बनिया मजरे हेवतहा नेवढ़िया, पोस्ट हेवतहा नेवढ़िया थाना जगतपुर जिला रायबरेली** ने अपना नाम जठे सिंह (JATHEY SINGH) से ज्योति सिंह शपथ पत्र दिनांकित 16.10.2025 द्वारा कर लिया है। यही मेरा वास्तविक नाम है और भविष्य में में इसी नाम से जानी पहचानी जाऊंगी।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने HDFC CHILDREN'S DOUBLE PLAN की पॉलिसी नं. 10217268 कराई थी, जिसमें त्रुटिवश मेरा नाम अशोक कुमार पुत्र रामराज और जन्मतिथि 10/02/1983 ई. अंकित है, जबकि अभिलेखों में अशोक पुत्र रामराज जन्मतिथि 25/10/1978 ई.दर्ज है जो कि सही है। **अशोक पुत्र रामराज, नि. – पूरे सुख्खा मजरे कोलवा पो. अशरफपुर परगना रोखा तह. सलोन, जिला – रायबरेली**

सूचना
मैं **संगीता पत्नी स्व. अवधेश कुमार पूरे भुजवन मजरे बेलाभेला थाना भदोखर, जिला रायबरेली** की रहने वाली हूं। मैं अपने बड़े बेटे शिवम के गलत आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। उनसे सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करती हूं। भविष्य ने शिवम द्वारा किए गए किसी भी कार्य के लिए परिवार जिम्मेदार नहीं होगा। उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना
मै मनोज कुमार मेरे आधार कार्ड, निर्वाचन कार्ड, हाई स्कूल अंकपत्र व प्रमाण पत्र मे मेरे पिता का नाम गया प्रसाद अंकित है। जबकि मेरे पासपोर्ट मे पिता का नाम गया प्रसाद कनौजिया अंकित हो गया है जबकि वास्तविक नाम गया प्रसाद है। अतः भविष्य मे गया प्रसाद के नाम से जाना व पहचाना जाये। निवासी ग्राम व पोस्ट भांई थाना–धम्मौर, जिला–सुलतानपुर (उ0प्र0)

सूचना
यह घोषित किया जाता है कि **श्रीमती रेणु देवी पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्ण कुमार, निवासी: स्थायी पता: ग्राम–बलुआ, पोस्ट–डुमरा, वार्ड नं. 3, जिला–सीतामढ़ी, बिहार–843316, वर्तमान पता: मकान संख्या 1/1130, रतन खंड, शारदा नगर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।** विवाह से पहले उनका नाम रेणु कुमारी था, लेकिन विवाह के बाद उन्होंने अपना नाम रेणु कुमारी से बदलकर रेणु देवी रख लिया। अब वे रेणु देवी के नाम से जानी जाती हैं। अतः इस समाचार पत्र के माध्यम से सभी को सूचित किया जाता है कि उनका वास्तविक नाम रेणु देवी है।

सूचना
मैं **मोहम्मद हारुन निवासी हमिरापुर मलिहाबाद लखनऊ–227111, उत्तर प्रदेश, भारत**, यह घोषित करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम गलत रूप से मोहम्मद हारुन अब्दुल हसन दर्ज है,सही नाम मोहम्मद हारुन है जबकि माता एवम पिता का नाम भी गलत दर्ज है, पिता का गलत नाम अब्दुल हसन मेहँदी हसन सही नाम अब्बुल हसन है, माता का गलत नाम सबीहा खातून अब्दुल हसन दर्ज है, सही नाम सबीहा खातून है। कृपया भविष्य में पासपोर्ट रिकार्ड में इन्हीं को सही माना जाए।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट नम्बर N3709359 में पिता का नाम त्रुटिवश बन्नू (BANNU) अंकित हो गया था जबकि मेरे पिता का सही नाम अब्दुल बारी ABDUL BARI है अतः उससे इसी नाम से पढ़ा व समझा जाए। **अज्जन खान पुत्र अब्दुल बारी नाज़िरपुरा बहराइच 271801**

सूचना
मैं **देवकी नन्दन वर्मा पुत्र श्री चन्द्रभाल वर्मा, निवासी– ग्राम अम्बरपुर क्लार्कनगर पोस्ट खगेसियामऊ तहसील व जिला सीतापुर उ0प्र0** 261001 का हूँ , मेरे पुत्र वंश राजपूत के स्कूल अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) लिखा है जबकि सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) है जो कि सच व सही है। पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में वंश राजपूत (VANSH RAJPUT) स्थान पर आधारकार्ड के अनुसार सही नाम वंश राजपूत (VANSH RAJPOOT) दर्ज किया जाय।

अमृत विचार

शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

जिस दिन आपके सामने कोई समस्या न आए, आप यकीन कर सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।
–**विवेकानंद**, विचारक

तेल की धार

भारत की तेल नीति एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति के केंद्र में आ गई है। रूस से तेल खरीदारी के मामले ने देश की कूटनीति के क्षेत्र में स्वायत्तता बनाम वैश्विक दबाव को ले कर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रंप के इस दावे के जवाब में कि उनके कहने पर भारत, रूस से तेल खरीदना धीरे-धीरे बंद कर देगा, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया थी कि भारत किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा और उसकी ऊर्जा नीति का आधार सिर्फ राष्ट्रीय हित एवं उपभोक्ता सुरक्षा है, परंतु जमीनी हकीकत है कि निजी व सरकारी रिफाइनरियों द्वारा रूसी तेल आयात में भारी कटौती शुरू हो चुकी है, तो स्पष्ट है कि इस मामले में सरकार अमेरिकी प्रतिबंधों से तालमेल बैठाने की तैयारी में है।

आज सरकारी कंपनियां अपने दस्तावेजों की समीक्षा करने के साथ यह तय कर रहीं हैं कि रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट या लुकोइल से कोई शिपमेंट सीधे न आए। यह आसानी से समझा जा सकता है, क्योंकि अमेरिका द्वारा रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोजनेफ्ट और लुकोइल पर कड़े प्रतिबंध लगाने के चलते भारतीय निजी रिफाइनरी कंपनियां- रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी को कारोबारी संकट झेलना पड़ सकता है, क्योंकि इन कंपनियों को अब तक जो अरबों गैलन सस्ता रूसी कच्चा तेल मिलता था, वो अब खासा महंगा पड़ेगा। इसके अलावा रूसी तेल खरीद से जुड़े अमेरिकी द्वितीयक प्रतिबंधों का खतरा भारतीय बैंकों और बीमा कंपनियों तक पहुंच सकता है, भीषण टैरिफ थोपने से वैसे भी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो ही रहा है।

सच यह है कि रूसी तेल खरीद में बड़ी कटौती का सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान रूस को होगा, क्योंकि भारत उसका सबसे बड़ा ग्राहक है। देश सीधे बहुत कम तेल खरीदता है, ज्यादातर तेल देश के रिलायंस, नायरा एनर्जी सरीखी निजी रिफाइनरियां ही खरीदती हैं। नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों का मुनाफा रूसी सस्ते तेल पर निर्भर था, महंगा तेल खरीदने से उनको भारी घाटा हो सकता है। भारतीय उपभोक्ताओं को इन सबके चलते महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, क्योंकि रूसी तेल की भरपाई के लिए भारत को खाड़ी देशों, सऊदी अरब, ईराक, संयुक्त अरब अमीरात से तेल आयात बढ़ाना होगा। इन स्रोतों से कच्चा तेल औसतन 10 से 15 डॉलर प्रति बैरल महंगा होगा। सरकार का नुकसान इसमें बहुत ज्यादा नहीं है। हां, सस्ते तेल का लाभ न मिलने से उसका आयात बिल बढ़ सकता है, पर अमेरिका अगर संभावनाओं के मुताबिक अपना टैरिफ 50 प्रतिशत से घटा कर 15 फीसदी कर देता है, तो यह उसके लिए फायदेमंद रहेगा। अमेरिका को रणनीतिक लाभ मिलेगा तो वह कुछ और कारोबारी छूट दे सकता है। नये हालात में अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद करता है, तो संभव है कि भारत और रूस के संबंध पर इससे असर पड़े। रूस की क्या प्रतिक्रिया होगी, इसको संवाद के जरिए संतुलित बनाए रखना होगा। फिलहाल सरकार को पारदर्शिता के साथ जनता को समझाना चाहिए कि यह फैसला देश की स्वायत्तता और रणनीतिक स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं है। इसे देश की वैश्विक स्थिति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को ध्यान में रखकर लिया गया है।

प्रसंगवश

प्रकृति, पवित्रता व प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

भारत की सांस्कृतिक चेतना में कुछ पर्व ऐसे हैं, जिनमें लोक, धर्म, प्रकृति और तपस्या का अद्भुत संगम दिखाई देता है। छठ महापर्व उन्हीं में से एक है। यह एक ऐसा पर्व है, जो अब किसी एक क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बंधा बल्कि भारतीय आस्था के विशाल सागर में अपनी गहरी जड़ें जमा चुका है। वास्तव में यह आत्मशुद्धि, संयम और कृतज्ञता की वह साधना है, जिसमें मनुष्य सूर्य और प्रकृति के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से शुरू होकर अब यह पर्व देश-विदेश के असंख्य भारतीयों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है।

चार दिनों तक चलने वाला यह महापर्व कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से आरंभ होकर षष्ठी और सप्तमी को चरम पर पहुंचता है। 25

श्वेता गोयल
शिक्षिका

अक्तूबर से शुरू हो रहे इस वर्ष के छठ पर्व की शुरुआत 'नहाय-खाय' से हो रही है। इस दिन व्रती स्नान कर सात्विक भोजन बनाते हैं, जिससे शरीर और मन की शुद्धि होती है। यह भोजन केवल प्रसाद नहीं बल्कि एक प्रतीक है कि व्रती अब अपने जीवन के सारे विकारों को त्यागकर पूरी निष्ठा से साधना में प्रवृत्त होंगे। अगले दिन 'खरना' का विधान है। इस रोज दिनभर निराहार रहने के बाद व्रती संध्या के समय छठी मैया को खीर, रोटी और गुड़ का प्रसाद चढ़ाकर उसका सेवन करते हैं और प्रसाद बांटते हैं। माना जाता है कि खरना के बाद ही छठ की साधना की ऊर्जा जागृत होती है।

तीसरे दिन यानी 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। यह दृश्य पूरे भारत की लोकआस्था का सबसे अनुपम रूप होता है। घाटों पर उतरती हुई स्त्रियां, सिर पर बांस के सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद रखे हुए, जल में कमर तक डूबी हुई, सूर्य की ओर हाथ जोड़े श्रद्धा के साथ झुकी हुई, यह दृश्य केवल श्रद्धा नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति समर्पण का जीवंत प्रतीक है। चौथे दिन यानी 28 अक्तूबर की प्रातःकालीन बेला में उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व का समापन होगा। यह क्षण केवल सूर्योदय का नहीं बल्कि मनुष्य की आशा, नूतन ऊर्जा और नवजन्म का प्रतीक माना जाता है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत पवित्र और कठोर अनुशासन है। व्रती न केवल उपवास रखता है, बल्कि चारों दिनों तक अत्यंत सात्विकता, संयम और आत्मसंयम का पालन करता है। इस पर्व में किसी पुजारी की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि प्रत्येक व्रती स्वयं पूजा करता है। यह परंपरा दर्शाती है कि श्रद्धा का सबसे शुद्ध रूप वही है, जिसमें मनुष्य स्वयं को ही मंदिर, स्वयं को ही साधक और स्वयं को ही साध्य बना ले। छठ पर्व इसी आत्मानुशासन की साधना है, जहां आडंबरों की नहीं, आस्था की शक्ति बोलती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छठी मैया या षष्ठी देवी सूर्यदेव की बहन मानी जाती हैं, जो संतान की रक्षा करती हैं और परिवार में सुख, समृद्धि तथा स्वास्थ्य प्रदान करती हैं। छठ पर्व में सूर्य, उनकी पत्नी उषा और प्रत्यूषा, तथा छठी मैया, इन सभी की संयुक्त उपासना की जाती है। उषा और प्रत्यूषा क्रमशः सूर्य की प्रथम और अंतिम किरण का प्रतीक हैं, इसीलिए व्रती सूर्य को दोनों समय (अस्त और उदय) अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह परंपरा जीवन के उस संतुलन का प्रतीक है, जिसमें आरंभ और अंत दोनों ही समान रूप से पवित्र हैं। छठ पर्व की उत्पत्ति को लेकर कई किंवदंतियां हैं। एक कथा के अनुसार, सूर्यपुत्र कर्ण ने सबसे पहले सूर्यदेव की उपासना प्रारंभ की थी। वे प्रतिदिन कमर तक जल में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देते थे।

देश में बदलने वाला है उच्च शिक्षा का परिदृश्य

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। इसके साथ ही ब्रिटेन भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन जाएगा। इससे ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी।

अपने देश में जल्द ब्रिटेन के आठ नामी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने जा रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ साउथंपटन की स्थापना पहले ही गुड़गांव में हो चुकी है। हाल ही में भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात हुई थी, जिसमें यह फैसला लिया गया था। एलान अब किया गया है। इसी के साथ ब्रिटेन, भारत में उच्च शिक्षा देने वाला सबसे बड़ा देश बन गया है। इसका मतलब यह है कि किसी और देश के इतने अधिक विश्वविद्यालय भारत में अभी नहीं खुले हैं। कल को कोई और देश भी यह दावा कर सकता है। बताया जा रहा है कि इन उच्च शिक्षा परिसरों से ब्रिटेन को सालाना करीब पचास मिलियन पाउंड की आमदनी होगी। नए खुलने जा रहे विश्वविद्यालय हैं- बंगलुरू में यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल और लंकास्टर यूनिवर्सिटी, मुंबई में यूनिवर्सिटी ऑफ यार्क, यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, गांधीनगर (गुजरात) में क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे। इन्हें सरकार की अनुमति मिल चुकी है।

भारत सरकार का दावा है इससे हमारा देश शैक्षिक हब बन जाएगा, लेकिन ऐसा तो तब होता जब हमारे विश्वविद्यालयों की रैंकिंग दुनिया में अव्वल होती, यहां दाखिला पाने के लिए यूरोप न सही एशिया के ही छात्रों में होड़ लगी रहती और हमारे यहां की डिग्रियों की कुछ क्षेत्रों में रोजगार मिलने में खास अहमियत होती। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है। ये विश्वविद्यालय मुख्यतः ब्रिटेन की नई प्रवासी नीति के तहत खोले जा रहे हैं, जिसका उद्देश्य ब्रिटेन में तीसरी दुनिया खासतौर से भारत से आने वाले लोगों की भीड़ को कम करना है। पिछले कई सालों से ब्रिटेन में बाहर से आने वाले लोगों को लेकर भय और बेचैनी का माहौल देखने को मिल रहा है और सरकार उनकी संख्या को हर संभव तरीके से नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है।

भारत से ब्रिटेन जाने वाले छात्रों की बड़ी संख्या है, जो वहां पढ़ाई करने के लिए जाती है, लेकिन रोजगार की तलाश में वहीं रह जाती है। वहां वर्क वीजा की मांग करने वाले भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसका कारण सिर्फ रोजगार ही नहीं, यह भी है कि इन युवाओं को ब्रिटेन का जीवन स्तर और माहौल यहां से बेहतर लगता है। प्रवासियों की भीड़ रोकने के लिए एक तरफ तो वीजा नियमों को सख्त किया गया है और अब शिक्षा का ही निर्यात शुरू कर दिया गया है, जिसके बहाने से बड़ी संख्या में युवा वहां पहुंचते थे।

भारत के संपन्न और नवधनिक तबके में अभी भी विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का क्रेज है। पूरी संभावना है कि ये परिसर ऐसे ही युवाओं के हब बनेंगे। उन्हें ध्यान में रखते हुए इन ब्रिटिश विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए हैं, जिनकी फीस काफी है, लेकिन अकादमिक वैल्यू बहुत कम है। इन विश्वविद्यालयों के संचालन में कामयाबी मिलना तय है, क्योंकि यहां शिक्षक और बाकी स्टॉफ को ब्रिटेन की तुलना में बहुत कम सैलरी पर रखा जा सकेगा और संचालन का कुल खर्च भी कम आएगा। फिर भी इसके भारतीय रोजगार बाजार या जॉब मार्केट के प्रचलित मानदंडों से बेहतर रहने के आसार हैं।

इतनी बड़ी संख्या में विदेशी विश्वविद्यालयों के खुलने से एक चीज यह होने जा रही है कि भारतीय विश्वविद्यालयों को भी अपनी गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा, क्योंकि उनकी तुलना अब इन संस्थानों से की जाएगी। इस मामले में जो करार हुआ है, उसके मुताबिक भारत सरकार ने वादा किया है कि स्थानीय कानूनों के तहत हर तरह की स्वायत्तता इन विश्विद्यालयों को मिलेगी। ऐसी स्वायत्तता कुछ हद तक अभी निजी ईलीट किस्म के शैक्षिक संस्थानों को हासिल है, जो अपने पाठ्यक्रम खुद बना सकते हैं और फैकल्टी का चयन कर सकते हैं। ऐसी स्वायत्तता निजी संस्थानों को तो हासिल है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालयों को नहीं है।

जल्दी ही विदेशी, प्राइवेट और सरकारी तीन तरह के विश्वविद्यालय और उनके बीच का प्रतिस्पर्धात्मक माहौल देखने को मिलेगा। यहां एक प्रश्न उठता है कि हमारे यहां के विश्वविद्यालयों के हर विभाग में भारतीय ज्ञान परंपरा लागू करने का सरकार की ओर से आग्रह और दबाव रहता है, क्या इन शैक्षिक परिसरों में भी इस तरह की परंपरा के पालन का आग्रह किया जाएगा या उन्हें इससे मुक्त रखा जाएगा। अभी तक इन विश्वविद्यालयों ने शायद जानबूझ कर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी और ऐसे अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम घोषित किए हैं, जिनमें भारतीय परंपरा की खोज करना संभव नहीं है। जब वे इतिहास, मानविकी, समाज विज्ञान के पाठ्यक्रमों को सामने रखेंगे तब पता चलेगा कि वे सरकारी दबाव से कितना मुक्त हैं। एक बात तय है कि ये विश्वविद्यालय अपनी स्वायत्तता पर देशी संस्थानों जितनी आसानी से समझौता नहीं करेंगे।

पिछले दस सालों में उच्चशिक्षा परिसरों में शिक्षकों की नियुक्तियों में योग्यता और अनुभव के बजाय एक खास विचारधारा से जुड़े होने को तरजीह देने के आरोप सामने आते रहे हैं। इस आरोप के जवाब में कहा जाता है कि पहले की सरकारें भी अपनी विचारधारा वालों को नियुक्त करती थीं, तो अब दूसरों की बारी आने पर किसी को एतराज नहीं होना चाहिए। शिक्षा जगत में आशा जताई जा रही है कि जिन लोगों को भिन्न विचारधारा का होने के कारण बीते वर्षों में अवसर नहीं मिले, इतनी बड़ी संख्या में विदेशी परिसरों के खुलने से उनकी लाटरी लग सकती है। नतीजा चाहे जो निकले, ईलीट शिक्षा के नए टापू बनने जा रहे हैं।

आमने

सामान खरीदते समय एक चीज जरूर देखिए- क्या उसमें हलाल सर्टिफिकेशन तो नहीं लिखा हुआ है? यानी हर वस्तु में हलाल सर्टिफिकेशन। हमने यूपी में इसे बैन किया है। मुझे लगता है कि यूपी में कोई उसे खरीदने या बेचने का दुस्साहस नहीं करेगा।

–**योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

सामने

भारत एकता में विविधता पर विश्वास रखता है और जब तक यह विविधता बनी रहेगी, भारत मजबूत रहेगा। कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता। एक समय आएगा जब उन्हें सत्ता से हटा दिया जाएगा।

–**फारूख अब्दुल्ला**
अध्यक्ष, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस

नवाचार की राह से ही बनेगा विकसित भारत

शिवालिक अवस्थी
लेखक

विकास के लिए जरूरी है कि इसमें नई योजनाओं की संलिप्तता को बढ़ाया जाए। नवाचार के समावेश से विकास में तेजी लाई जा सकती है।

किसी भी देश का यही सपना होता है कि जितना संभव हो, उतना विकासात्मक कार्यों की प्रगति की जाए, ताकि देश का नाम शीर्ष पर रहे। इसके लिए उक्त देश हर क्षेत्र में विकास को गति प्रदान करने के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। आजकल वैसे भी ज्यादातर देशों में एक-दूसरे से आगे बढ़ने की होड़ लगी हुई है। कोई देश आर्थिक रूप से सशक्त है, तो कोई विकास के क्षेत्र में अपनी पहचान वैश्विक स्तर पर बनाए हुए है। भारत देश भी समूचे विश्व में अपनी छवि विश्व गुरु के तौर पर सम्मिलित करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए भारत हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित करके आगे बढ़ने का प्रयत्न कर रहा है। विकसित भारत के निर्माण की नींव बहुत पहले ही रखी जा चुकी है। अब समय है तो विकसित भारत के सपने को साकार करने का। फिर चाहे बात स्वास्थ्य की हो, शिक्षा की हो, कृषि की हो या नई तकनीक के समावेश की हो। भारत को हर क्षेत्र में अब आगे बढ़ना है, जिसके लिए सरकार व समाज दोनों की महत्वपूर्ण भागीदारी सामने निकल कर आती है।

विकास दर तभी आगे बढ़ पाएगी, यदि विकास में नई योजनाओं की संलिप्तता बढ़ाई जाएगी। नई योजनाएं एवं नए विचारों के समावेश से विकास गति में तेजी लाई जा सकती है। आधुनिक निर्माण के लिए आधुनिक विचारों का प्रयोग अति आवश्यक है। उद्यमिता के क्षेत्र को गति प्रदान करना, आधुनिक निर्माण में एक बेहतर विकल्प के रूप में देखा जा सकता है। न केवल व्यावसायिक अपितु सामाजिक उद्यमिता का बढ़ता दायरा, विकास को बढ़ावा देने में कार्य कर सकता है। आजकल हर मंच से सिर्फ विकास की ही बात होती है। समय के साथ विकासात्मक आंकड़ों में सुधार भी हुआ है, लेकिन अभी भी कई पहलू हैं, जहां विकास मात खा रहा है।

केवल विकास-विकास कहने से विकास को गति नहीं मिलेगी, यह सभी को मालूम होना चाहिए। इसके लिए कई सुधारों की आवश्यकता है। नई योजनाओं का प्रयोग हर क्षेत्र में करना चाहिए, जिससे आधुनिक निर्माण को बल मिल सके। आज क्यों हम नई योजनाओं, नए प्रयोगों की बात कर रहे हैं? दरअसल, वीपो यानी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा हाल ही में वैश्विक नवाचार सूचकांक 2025 की रिपोर्ट विश्व भर में जारी की गई है, जिसमें विश्व भर की 139 अर्थव्यवस्थाओं की रिपोर्ट साझा की गई है। यह रिपोर्ट वीपो द्वारा हर वर्ष जारी की जाती है। किस देश की अर्थव्यवस्था किस दिशा जा रही है, यह सब इसमें दर्शाया जाता है। वैश्विक नवाचार सूचकांक से किसी भी देश की निर्भरता का पता चलता है कि कौन सा देश अन्य देशों पर अभी कितना निर्भर है। किस क्षेत्र में किस देश को सुधार करने की जरूरत है और कौन सा देश प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता नजर आने लगा है।

भारत की बात करें तो पिछले कुछ वर्षों से भारत ने निरंतर बढ़त बनाई हुई है। इस वर्ष भारत ने 38.2 स्कोर के साथ 38वां रैंक हासिल किया है। जो बीते वर्ष की तुलना में एक रैंक का उछाल है। बीते वर्ष भारत की रैंकिंग 39 आंकी गई थी। इस बार जीआईआई रैंकिंग में 66.0 स्कोर के साथ प्रथम स्थान पर स्विट्जरलैंड, 62.6 स्कोर के साथ दूसरे पर स्वीडन और 61.7 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर अमरीका रहा है, जबकि 56.6 स्कोर के साथ चीन ने 10वां रैंक हासिल करके पहली दफा टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। आय समूह के आधार पर निम्न मध्य आय वाली अर्थव्यवस्थाओं की बात करें, तो भारत ने इसमें पहला स्थान प्राप्त किया है। एक ओर जहां 2020 में भारत का रैंक 48वां था, वहीं दूसरी ओर पिछले पांच वर्षों में भारत की रैंकिंग में 10 पायदान का भारी उछाल देखा गया है। इतना तो तय है कि नवाचार के क्षेत्र में भारत निरंतर आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है।

अब बात करते हैं विभिन्न क्षेत्रों में भारत के प्रदर्शन की। बात करें उद्यमिता नीतियां और संस्कृति के क्षेत्र की, तो इसमें 12वां रैंक हासिल कर भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया है। वैश्विक कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास निवेशक में 16वां रैंक, सकल पूंजी निर्माण में 14वां रैंक, स्टार्टअप और स्केलअप के लिए वित्त में 9वां रैंक, अंतिम चरण वेंचर कैपिटल सौदों की संख्या में चौथा रैंक, घरेलू बाजार पैमाने में तीसरा रैंक, आईसीटी सेवाओं का निर्यात में पहला रैंक, ज्ञान के प्रभाव में और यूनिकॉर्न मूल्यांकन में 11वां रैंक प्राप्त कर अपनी बेहतरीन शक्ति का प्रदर्शन किया है। यह कुछ वही क्षेत्र हैं जिनके आधार पर सभी देशों की गतिविधियां आंकी जाती हैं। मूलतः जीआईआई रिपोर्ट का मुख्य पहलू निवेश, तकनीकी और उसे अपनाने के स्तर के कार्य को दर्शाती है। यह किसी देश के सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को भी दर्शाता है।

इस रिपोर्ट से किसी देश की निर्भरता का आंकलन किया जा सकता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वाहन किया गया। जो इसी दिशा की ओर इशारा करता है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि हमारा कोई बड़ा दुश्मन नहीं है। यदि कोई दुश्मन है तो वह है दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता। इसी निर्भरता को खत्म करके हमें आत्मनिर्भर बनना है और जीआईआई की रिपोर्ट एक हिसाब से आत्मनिर्भरता के प्रदर्शन को ही दर्शाती है, कहना गलत नहीं होगा।

सोशल फोरम

फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी की खामोशी

1850 में एक बरसात के दिन, न्यूयॉर्क पुलिस को एक युवती मिली जो खोई हुई और अस्त-व्यस्त लग रही थी। वह एक ऐसी भाषा बोल रही थी, जो उन्हें समझ नहीं आ रही थी। उसे अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी याददाश्त खो चुकी है। कुछ वक्त बाद में, उन्हें पता चला कि वह लड़की कौन थी! वह लड़की थी एडेल ह्यूगो, प्रसिद्ध फ्रेंच लेखक विक्टर ह्यूगो की बेटी।

नॉलेज अड्डा
फेसबुक

एडेल की कहानी ने कई लोगों के दिलों को छू लिया। उसे अल्बर्ट पिंसन नाम के एक अंग्रेज सैनिक से प्यार हो गया था, लेकिन वह उससे प्यार नहीं करता था। फिर भी, वह उसके पीछे नोवा स्कोटिया तक गई। वहां, उस सैनिक ने उसका इस्तेमाल किया और उसे कुछ भी नहीं दिया। वह उन्हें छोड़कर चला गया। वह न्यूयॉर्क में अकेली और बिना किसी मदद के रह गईं।

जब उसे वापस फ्रांस भेजा गया, तो एडेल का दिल टूट गया और वह शर्म से भर गईं। अलबत्ता उनका कोई दोष नहीं था। उसने खुद से वादा किया कि वह फिर कभी नहीं बोलेगी। उसके पिता, विक्टर ह्यूगो ने उसके बोलने के लिए 35 साल तक लगातार कोशिश की। ह्यूगो के लिए यह बड़ा सदमा था, लेकिन वह कभी नहीं बोली।

1850 से लेकर 1915 में अपनी मृत्यु तक, 65 वर्षों तक एडेल लगातार चुप रहीं, ताकि वह स्वयं को याद दिलाती रहें कि उन्हें फिर कभी किसी से भी प्यार नहीं करना है।

सामयिकी

नकली दवा कारोबार को चाहिए 'सख्ती की दवाई'

दवा जीवन बचाती है, लेकिन देश में अब इसका जानलेवा कारोबार हो रहा है। जो बेहद घातक है। इससे लोगों के जीवन पर ही नहीं समाज और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी गंभीर खतरा मंडराने लगा है। नकली और अवैध दवाओं का धंधा संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को भी बढ़ावा देता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया में नकली दवाओं के कारोबार में चौथे नंबर पर है। देश में बिकने वाली लगभग 25 फीसदी दवाएं नकली या घटिया हैं। कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है। डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में

विवेक सक्सेना
अयोध्या

एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है।

डीईजी एक ऐसा केमिकल है, जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदेह होता है। यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसके अलावा दो और सिरप रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और फार्मा की रीलाइफ भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं।

ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है, लेकिन गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं राहत देने की जगह ऑफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डॉक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों (एसडीआरए) के पास हैं। निगरानी के लिए कुछ राज्यों के पास सुदृढ़ प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षित निरीक्षक हैं, जबकि कई राज्यों में अत्यंत सीमित संसाधन हैं। निर्माता इसी का फायदा उठाते हैं।

भाटिया समिति (1954) से लेकर माशेलकर समिति (2003) ने यही सुझाया कि लाइसेंसिंग और गुणवत्ता नियंत्रण को एक राष्ट्रीय ढांचे के तहत लाया जाए, पर देश में आज तक इस पर पूरी तरह अमल नहीं हो पाया है। देश में कानूनों की कमी नहीं है। कमी है तो उन्हें ढंग से लागू करने की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह बनाने की। समय आ गया है कि भारत में सीडीएससीओ के तहत एक केंद्रीकृत लाइसेंसिंग और निरीक्षण प्रणाली बनाई जाए, जो प्रत्येक उत्पाद, परीक्षण और रिकाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय डिजिटल ड्रग रजिस्ट्रार द्वारा संचालित हो। सभी नई-पुरानी दवाओं के लिए सालाना परीक्षण भी अनिवार्य करना होगा। मानकों के अनुपालन और सजा के प्रविधान पूरे देश में एकसमान हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

हम इस समय एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां जीवन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर घट रहा है। बातें, रिश्ते, राय, विरोध और यहां तक कि हंसी और दुख भी अब एक डिजिटल फॉर्मेट में फिट होकर चल रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी रफ्तार कुछ ऐसी रही कि अब यह नया सामान्य बन चुका है। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने लोगों को अभिव्यक्ति के नए माध्यम दिए हैं, लेकिन उन माध्यमों की प्रकृति ने सोचने के तरीके को भी बदल दिया है। खासकर युवाओं के लिए आज दुनिया को देखने और समझने का जरिया अब ज्यादातर वही है, जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखता है।

मीम-रील के कैदी लाइक्स-कमेंट्स के गुलाम

डॉ. शिवम भारद्वाज
मथुरा

रील्स-शॉर्ट्स ने इस पूरे दृश्य को और तेज कर दिया है। पहले जहां कोई बात कहने के लिए एक लेख, एक भाषण या एक लंबा वीडियो चाहिए होता था, अब 15-30 सेकेंड्स की छोटी सी वीडियो में सब कुछ समा सकता है-भाव, शैली, संगीत और संदर्भ। यह टुकड़ों में बंटा मनोरंजन अब विचार की जगह लेता जा रहा है, जो जितना छोटा है, उतना ही आकर्षक है। गहराई अब ध्यान खींचने में बाधा बन गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लोग वही देखते हैं, जो उनके हिसाब से 'रिलेटेबल' हो यानी जो पहले से ही सोचा हुआ हो या जो देखकर सोचने की जरूरत न पड़े। यही वजह है कि रील्स अब विचार नहीं बनाते, बल्कि पुष्टि करते हैं। वही दिखाते हैं, जो पहले से लोकप्रिय है।

इसके साथ ही एक नया और चुपचाप बढ़ता हुआ असर यह है कि अब लोगों का आत्मसम्मान भी स्क्रीन से जुड़ गया है। पहले किसी बात पर गर्व या आत्मविश्वास निजी अनुभवों से आता था। अब वह लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स की संख्या पर टिका हुआ दिखता है। कितनी बार किसी ने तारीफ की, कितने कमेंट्स आए, किस क्लिप को कितने लोगों ने शेयर किया। ये सब अब सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि व्यक्ति की डिजिटल पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। इसमें जो नहीं है, वह कमजोर समझा जाता है, जो दिख नहीं रहा, उसका कोई मूल्य नहीं रह गया है। यह मानसिकता नजरअंदाज नहीं की जा सकती, क्योंकि धीरे-धीरे यह व्यक्तिगत पहचान और आत्ममूल्य के केंद्र में आ गई है।

इस पूरे बदलाव की दिशा में जो सबसे खास बात है, वह यह कि अब सोचने का तरीका अनुभव पर नहीं, बल्कि प्रस्तुति पर आधारित हो गया है, जो बेहतर तरीके से पेश किया गया, वही ज्यादा असर करता है। भले उसमें कितनी भी सतही बात क्यों न हो। पहले तर्क, प्रमाण और अनुभव से बात बनती थी, अब 'फॉर्मेट' ज्यादा असरदार हो गया है। मीम हो या रील, ओटीटी हो या इंस्टाग्राम पोस्ट सभी में यह साझा बात है कि 'क्या कहा गया' से ज्यादा जरूरी हो गया है 'कैसे कहा गया'।

मीम संस्कृति

मीम संस्कृति इसी बदलाव का एक स्पष्ट उदाहरण है। अब विचारों को लंबे वाक्यों में समझाना जरूरी नहीं रहा। एक तस्वीर, उस पर एक व्यंग्यात्मक लाइन और कुछ रंग-बिरंगे इमोजी, यही आज की बातचीत का नया फॉर्मेट है। यह शैली तेज है, सरल है और तुरंत असर करती है, लेकिन जिस रफ्तार से यह शैली पॉपुलर हुई है, उसी रफ्तार से गंभीरता और संदर्भ भी हाशिए पर चले गए हैं, जो बात पहले बहस का विषय होती थी, वो अब चुटकुला बनकर वायरल होती है। यही 'वायरल होना' अब किसी बात के प्रासंगिक होने की पहचान बन चुका है। युवाओं की सोच में यह बदलाव साफ देखा जा सकता है। मीम सिर्फ हंसी की चीज नहीं रह गया है, वह एक नजरिया बन चुका है। कुछ भी कहना हो, विरोध करना हो, समर्थन करना हो, सब कुछ अब मीम की शक्ल में आसानी से समझाया जाता है। यह सहजता कई बार उपयोगी भी होती है, लेकिन अक्सर बातों की जटिलता इस प्रक्रिया में गुम हो जाती है। समस्या यह नहीं कि हंसी आ रही है, असल बात यह है कि हंसी में जो कहना है, वो कितना सही समझा जा रहा है। बहुत बार यह हंसी कुछ नहीं कहती, सिर्फ अगला मीम देखने की इच्छा पैदा करती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स

इन सभी अनुभवों के बीच, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का उभार एक नई दिशा में असर डाल रहा है। फिल्मों और वेब सीरीज के जरिए अब दुनियाभर की कहानियां हर किसी की पहुंच में हैं। यह एक जबरदस्त सांस्कृतिक अवसर है। समाज के अलग-अलग हिस्सों, भाषाओं और सोच को समझने का मौका, लेकिन यह समझ तभी पनपती है, जब देखी गई चीजों पर ठहरकर सोचा जाए। अक्सर होता यह है कि वेब सीरीज की बिंज-वाचिंग करते हैं, किरदारों से प्रभावित होते हैं, लेकिन उनके विचारों की परतों में नहीं जाते। हम सिर्फ कहानी के प्रवाह में बहते हैं और फिर अगली कहानी पर शिफ्ट कर जाते हैं। इस तरह से जो कुछ देखा गया, वह भीतर कहीं ठहरता नहीं, बस गुजर जाता है।

सोचने का ढंग, समझने का तरीका

हमारे सोचने का ढंग, समझने का तरीका और संवेदनाओं की परतें धीरे-धीरे उसी रूप में ढल रही हैं, जिसे स्क्रीन पर दिखाया जा रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन अब इतना स्थिर हो चुका है कि हमें असुविधा महसूस नहीं होती। हम उसमें सहज हो चुके हैं। हंसी, नाराजगी, दुख, सहमति हर भाव अब डिजिटल फार्मेट में ढल चुका है। कोई बात मीम में आई तो मजेदार है, रील में आई तो आकर्षक है और ट्रेंडिंग में आई तो 'जरूरी' है। जो बात इन फॉर्मेट्स में फिट नहीं बैठती, वो नजर से भी फिसल जाती है।

भाषा शब्द कम और संकेत ज्यादा

हर पीढ़ी का एक अपना टेम्पो होता है, एक अपनी भाषा और अपना भ्रम। इस समय की भाषा में शब्द कम और संकेत ज्यादा हैं, जो कहा नहीं गया, वो अक्सर ज्यादा सुना जाता है और जो सचमुच कहा जाना चाहिए, वो अक्सर लोगों को रोचक नहीं लगता। इसलिए धीरे-धीरे किनारे हो जाता है। लोगों की प्रतिक्रियाएं पहले से ज्यादा तेज और तुरंत हो गई हैं, जो तेज है, वह प्रभावी है। यह धारणा बन चुकी है। इसी वजह से विचारों की लंबाई, अनुभव की गहराई और संवाद की प्रक्रिया अब बाधा जैसी लगती है। बहुत कुछ कहा जा रहा है, लेकिन कितनी देर के लिए सुना जा रहा है। इसका हिसाब रखना अब पुराना तरीका माना जाता है। यह सब बातें न अच्छी हैं, न बुरी-बस आज के समय की प्रकृति का हिस्सा हैं।

संस्मरण

चाय

एक दिन एक कार्यक्रम से लौट रहा था। दोपहर के दो बज गए थे। सूरज मानो आग उगल रहा था। गर्मी के मारे बुरा हाल था। मैं जल्दी से घर पहुंच जाना चाहता था। तभी मोटर साइकिल का पिछला पहिया हल्का-हल्का हिलने सा लगा। मैंने मोटर साइकिल खड़ी की। देखा मोटर साइकिल का पिछला पहिया पंक्चर हो गया था। मैंने चारों तरफ नजर दौड़ाई। दूर-दूर तक पंक्चर जोड़ने की कोई दुकान नहीं थी।

घर अभी दो किलोमीटर दूर रह गया था। मरता क्या न करता, मैं मोटर साइकिल को घसीटते हुए घर की ओर चल दिया। कुछ दूर चलने पर ही मेरा सारा शरीर पसीने से तर-बतर हो गया। अभी मैं आधा किलोमीटर दूर ही पहुंचा था कि मुझे सड़क के किनारे एक बड़े से छाते के नीचे एक पंक्चर जोड़ने वाला दिखाई दिया। मैंने राहत की सांस ली। उसके पास जाकर मैंने मोटर साइकिल खड़ी कर दी और उससे पंक्चर जोड़ने को कहा। उस समय उसके छाते के नीचे पड़े स्टूल पर एक लेडी बैठी हुई थी और वह तपती धूप में बैठा हुआ, उसकी स्कूटी का पंक्चर जोड़ रहा था। जब वह लेडी चली गई तो उसने मुझे छाते के नीचे बैठने के लिए कहा। मैं बैठ गया और वह अपने काम में लग गया। मैंने देखा कि उसकी उम्र साठ वर्ष के आसपास रही होगी। धूप के मारे उसके माथे से पसीना टपक रहा था।

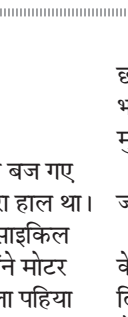

सुरेश बाबू मिश्रा
बरेली

मैंने उससे पूछा, "तुमने इतना बड़ा छाता लगा रखा है, मगर तुम्हें तो पूरे दिन धूप में ही काम करना पड़ता है।" "अगर मैं छाते के नीचे बैठा रहूंगा, तो मेरा और मेरे बच्चों का पेट कैसे भरेगा साहब। वह मेरी ओर देखते हुए बोला, उसके प्रश्न ने मुझे निरुत्तर कर दिया था।

वह अपने काम में लगा रहा और कुछ ही देर में उसने पंक्चर जोड़ दिया।

मैंने उसकी मजदूरी के पैसे देने के बाद उसे दस रुपये चाय के लिए देने चाहे, मगर उसने रुपये लेने से साफ इंकार कर दिया। वह बोला-"साहब! मैं केवल अपनी मेहनत के ही पैसे लेता हूं।" मैंने दस का नोट जेब में रख लिया और मोटर साइकिल स्टार्ट करने लगा। तभी वह मेरे पास आया और बोला-"साहब! मैं एक शर्त पर आपके रुपयों की चाय पी सकता हूं।"

"वह क्या?" मैंने उसकी ओर देखते हुए पूछा। "आपको भी मेरे साथ चाय पीनी पड़ेगी।" वह बोला। मैं मोटर साइकिल से नीचे उतर आया और उसे दस-दस के दो नोट देते हुए कहा-"ठीक है, जाओ दो चाय ले आओ।"

"नहीं साहब, एक की ही दो हो जाएंगी।" यह कहकर वह उनमें से एक नोट लेकर तीर की तरह चाय के खोखे की ओर दौड़ पड़ा।

थोड़ी देर में ही वह दो कपों में चाय ले आया। मैं स्टूल पर बैठकर उसके साथ चाय पीने लगा।

"एक बात कहूं साहब?" उसने मेरी ओर देखते हुए पूछा। "हां-हां कहो।" मैंने स्वीकृति में सिर हिला दिया। वह बोला-"आज मुद्दतों बाद आप जैसे किसी साहब ने मेरे साथ बैठकर चाय पी है। आपकी इस छोटी-सी बात ने मेरे दिल को कितनी बड़ी खुशी दी है, मैं बता नहीं सकता।" मैं हैरानी से उसके चेहरे की ओर देख रहा था।

एहसास

व्हील चेयर

एक लड़की थी। उसके मन में जीवन को मेरु शिखर तक ऊंचा उठा लेने का साहस और सामर्थ्य था। सीमित संसाधनों में उसने उपलब्धियों की छोटी सी चमकती मोती माला बना ली थी। इतना कि जितने में एक छोटी सी उम्र को मूल्यवान कहा जा सकता था। धरती पर जीवन इतना सरल होता तो दुःख और पीड़ा का कहीं कोई निशान न होता। मन में बस लक्ष्यों का ढेर होता और इंसान उन्हें चुटकियों में पा भी लेता। पर नहीं, जीवन इतना भी सहज और स्वाभाविक नहीं है। संघर्षों की लंबी श्रृंखलाओं का कंठहार है जिंदगी।

अंजलि ओझा
प्रतापगढ़

उस लड़की के जीवन ने उसे गर्त में ला पटका था। उसके स्वसिद्धि के सभी आयाम शून्य पर जा रुके थे। एक गहरा सूखा कुंआ था, उसके सामने अब। उसकी तमाम शैक्षिक प्राप्तियां धरी की धरी रह गईं थीं। कोई भी परीक्षा शरीर के बल पर ही पास की जा सकती है। शरीर के स्वास्थ्य से मस्तिष्क की चेतना में बढ़ोतरी होती है। उस लड़की के सारे सपने उसे उसी क्षण टूटे नजर आए, जब उसे पता चला कि उसकी बैकबोन ने उसका साथ छोड़ दिया है। उसकी स्पाइनल डिस्क में दबाव हो गया था।

अब किसके भरोसे वह बैठकर घंटों किताबों के अक्षर-अक्षर पर मनन करती? कैसे वह हाथ में कलम और कागज लेकर बैठती? कैसे वह अपने सपनों को उड़ान देती? कैसे अपने जकड़े हुए कदमों को चलना बताती? कैसे वह जमी हुई रक्तशिराओं को तरलता देती? कैसे अपनी अक्षमता को उपयोगी बनाती? अंधकार ही अंधकार था... स्वस्थ हो पाने की कोई आशा भी नहीं। बिस्तर पर पड़े-पड़े अब तो उसे इस भयंकर पीड़ा से जूझना था। बिना उफ किए, किंतु सहने की भी एक सीमा होती है, जिसके बाद शरीर और धैर्य दोनों मौन धर लेते हैं और कहते हैं "अब नहीं!" इतना ही चल सकते थे हम तुम्हारे साथ। अब तुम खुद चल सको तो चलो। वर्षों के मर्मांतक कष्ट से वह हार रही थी। उसकी धैर्य परिधि खत्म हो रही थी। वह कर सकती थी, पर नहीं कर पा रही थी। वह असहाय अनुभव करने लगी थी। निराशा, हताशा, दुःख और अवसाद की ओर खिसकती जा रही थी उसकी जिंदगी।

उसकी पूर्व चिकित्सक की दवाएं उसके दर्द का तृणमात्र भी इलाज नहीं कर पा रही थी। फिर किसी के सुझाव पर वह दूसरे नामी चिकित्सक के पास गई। वहां के प्रतीक्षालय में वह अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। तभी उसने अपने सामने व्हील चेयर पर बैठी एक हमउम्र लड़की को देखा। उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखकर उसके मन रोना हो आया। उसकी बगल की सीट पर उस व्हील चेयर वाली लड़की की मां बैठी हुई थी। उसने आदतन उनसे बात करनी शुरू कर दी। जब उसने पूछा, "आपकी बेटी को क्या हुआ है?" तो उत्तर मिला, " बैकबोन में दबाव है।" वह सन्न रह गई।

उसकी भी तो बैकबोन ही डैमेज थी। फिर उसने जानना चाहा, "क्या वह अपने पैर उठा पाती है?" उत्तर नहीं में मिला। उसकी मां ने बताया कि उसके पांव हिलते तक नहीं। वह शौच तक बिस्तर पर ही करती है। अब वह लड़की कुछ क्षण के लिए निःरक्त सी हो गई, जिसे काटो तो खून नहीं। उसने उस व्हील चेयर वाली लड़की को देखा फिर खुद को देखा। कितना अंतर था दोनों में। एक जैसा रोग, एक जैसी समस्या और वह अभी भी अपने कदमों से चल सकती है। उसकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए किसी के सहारे की जरूरत नहीं है। वह अपने दर्द से लड़कर जिंदगी के कुछ कदम रख तो पा रही है। अभी वह व्हील चेयर से बहुत दूर है।

डॉक्टर ने कहा कि अगर ठीक होना चाहती हो तो पैदल चलो। रोओ, तड़पो, दर्द को चबाओ, पर चलो! नहीं तो ऐसे ही जकड़ जाओगी। घर आने के बाद उसे बार-बार व्हील चेयर पर बैठी निस्सहाय लड़की का चेहरा याद आ रहा था। उसने निश्चय किया कि वह इतनी अशक्त अभी नहीं होगी। व्हील चेयर उसका भाग्य नहीं है। उसे चलना है, दौड़ना है, उड़ना है। उसने साष्टांग हो ईश्वर को धन्यवाद किया कि कम से कम अभी उस पर इतनी तो कृपा उन्होंने बनाई हुई है कि संघर्ष करके ही सही वह कुछ कदम नाप सकती है।

अब उसके मन में आशा की एक घनी किरण आ बसी है कि वह एक दिन सबसे आगे होगी। उसका जीवन मेरु शिखर सा श्लाघ्य होगा। उसके हिस्से सफलताएं आएंगी। उसकी रुकी हुई जिंदगी एक दिन दौड़ पड़ेगी मिल्खा सिंह की तरह, फिर कभी न रुकने के लिए।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,211.88	25,795.15
गिरावट	344.52	96.25
प्रतिशत में	0.41	0.37

सोना 1,25,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,52,600 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

कर्नाटक : 27,600 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्ताव मंजूर

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्चस्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इनमें 11 नए और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव हैं। प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

टोल प्लाजा पर मासिक और वार्षिक पास की जानकारी होगी प्रदर्शित

नई दिल्ली। एनएचएआई ने कहा कि मासिक और वार्षिक टोल पास के बारे में राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को जानकारी देने के लिए टोल प्लाजा पर सूचना प्रदर्शित की जाएगी। एनएचएआई ने कहा कि उसने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित सभी टोल प्लाजा पर इन 'टोल पास' के बारे में विस्तृत जानकारी प्रमुखता से प्रदर्शित करें। उद्देश्य यह है कि उपयोगकर्ताओं को स्थानीय मासिक और वार्षिक 'पास' सुविधा की उपलब्धता, दरों और प्रक्रियाओं के बारे में उचित जानकारी हो।

अतिरिक्त एजीआर मांग रद्द करने की याचिका पर सुनवाई 27 को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें 2016-17 तक के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा मांगे गए एजीआर को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। एजीआर वह आय है, जिसका उपयोग लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम शुल्क की गणना के लिए किया जाता है। इसे दूरसंचार कंपनियों की ओर से देय होता है। वेबसाइट के मुताबिक सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन, न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी।

ब्रिटेन-जर्मनी को छूट तो भारत पर निशाना क्यों

गोयल ने अमेरिकी प्रतिबंधों पर उठाया सवाल, कहा- दबाव में आकर व्यापार समझौता नहीं करेगा भारत

बर्लिन/नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को जर्मनी में आयोजित एक कार्यक्रम में सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से ब्रिटेन को छूट मिल गई है, अब जर्मनी भी छूट मांग रहा है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है। गोयल ने साफ किया कि भारत जल्दबाजी या किसी तरह के दबाव में आकर व्यापार समझौते नहीं करता है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, भारत की यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन संवाद में भारत का पक्ष रखा।

गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है, ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।

अधिकारियों ने किया दावा- कोई नया मुद्दा बाधा नहीं व्यापार समझौते के बेहद करीब हैं भारत-अमेरिकी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को अंतिम रूप देने के 'बेहद करीब' हैं, क्योंकि दोनों पक्ष अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ बढ़ रहे हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के प्रावधानों और शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, जहां तक अमेरिका के साथ समझौते की बात है तो हम इसे अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं। अधिकारी ने कहा, समाधान के लिए अब अधिक मसले नहीं बचे हैं। समझौते पर बातचीत प्रगति पर है और अब कोई नया मुद्दा वार्ताओं में बाधा नहीं बन रहा है। उन्होंने कहा, हम अधिकांश मुद्दों पर सहमति की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। अमेरिका और भारत के बीच इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

छह दिन बाद गिरा शेयर बाजार सेंसेक्स 344 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी

विदेशी पूंजी की निकासी और बैंकों एवं एफएमसीजी शेयरों में मुनाफावसूली के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार छह कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 344.52 अंक यानी 0.41 प्रतिशत गिरकर 84,211.88 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 599.25 अंक की गिरावट के साथ 83,957.15 अंक पर आ गया था। एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 96.25 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,795.15 अंक पर बंद हुआ। इसके 50 में से 34 शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में सर्वाधिक 3.20 प्रतिशत की गिरावट आई। अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

- विदेशी पूंजी निकासी और मुनाफा वसूली बनी गिरावट का कारण

आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सन फार्मा के शेयर लाभ में रहे। घरेलू शेयर बाजार लगातार छह सत्रों की तेजी के बाद नुकसान में रहे। इसके पीछे ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होने के अलावा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की टिप्पणी का भी हाथ रहा। गोयल ने जर्मनी में कहा कि भारत जल्दबाजी में सौदे नहीं करता है और न ही दबाव में आकर समझौते करता है।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, स्वर्ण भंडार 6.18 अरब डॉलर उछला

मुंबई। स्वर्ण भंडार में बड़े उछाल के कारण देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 4.496 अरब डॉलर बढ़कर 702.28 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़े के अनुसार, इस सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का दूसरा सबसे बड़ा घटक स्वर्ण भंडार 6.181 अरब डॉलर की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 108.546 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। स्वर्ण भंडार लगातार आठवें सप्ताह बढ़ा है। कुछ समय से सोने की कीमतों में जारी तेजी और केंद्रीय बैंक के सोना खरीदने से भंडार लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 17 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.692 अरब डॉलर घटकर 570.411 अरब डॉलर रह गई। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो शामिल हैं।

- विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वकालिक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा भारत

डॉलर को छोड़कर अन्य मुद्राओं का मूल्य डॉलर के मुकाबले उनके विनिमय दर से तय होता है। अन्य घटकों में विशेष आहरण अधिकार 3.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.722 अरब डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि तीन करोड़ डॉलर घटकर 4.602 अरब डॉलर पर रही। विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत की स्थिति इस समय काफी मजबूत है।

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें

गाजियाबाद, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा, आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है।

- गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के बाद बोलीं वित्तमंत्री

मंत्री ने कहा, अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।

दूसरी तिमाही में रियल्टी क्षेत्र को पूंजी बाजार से मिला 1.15 अरब डॉलर का वित्तपोषण

नई दिल्ली। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी बाजार के जरिए वित्तपोषण पिछली तिमाही के मुकाबले दोगुने से अधिक होकर 1.15 अरब डॉलर हो गया। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रियल एस्टेट क्षेत्र में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान तीन श्रेणियों- विलय एवं अधिग्रहण, निजी इक्विटी और पूंजी बाजार में 42 सौदे हुए, जिनका मूल्य 2.85 अरब डॉलर था। रिपोर्ट कहती है कि दूसरी तिमाही में 84.3 करोड़ डॉलर के 21 विलय एवं अधिग्रहण सौदे हुए, इससे पिछली तिमाही में 19.5 करोड़ डॉलर के छह सौदे हुए थे। सितंबर तिमाही में निजी इक्विटी गतिविधियों में जोरदार उछाल आया और 85.9 करोड़ डॉलर के 12 सौदे हुए, जबकि इससे पिछली तिमाही में कुल 58 करोड़ डॉलर मूल्य के सात सौदे हुए थे।

हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 58 प्रतिशत

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को देय महंगाई भत्ते (डीए) एवं महंगाई राहत (डीआर) को मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की शुक्रवार को घोषणा की। सातवें वेतन आयोग की संरचना के अनुसार वेतन और पेंशन या पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को अब एक जुलाई 2025 से मूल वेतन एवं पेंशन के मौजूदा 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत की दर से डीए और डीआर मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, डीए एवं डीआर की बढ़ी हुई दर का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर माह के 'एरियर' (बकाया) का भुगतान नवंबर में किया जाएगा।

राष्ट्रीय

नीतीश कुमार के नेतृत्व में इस चुनाव में सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग: मोदी

प्रधानमंत्री ने तीखे हमले के साथ की बिहार में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत

समस्तीपुर/बेगूसराय, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे महालठबंधन करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राजद और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी को धोखा दे रहे हैं।

बेगूसराय की चुनावी सभा में मोदी।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

राजद की हार के बाद मनाएंगे असली दिवाली: शाह

सीवान। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार में असली दिवाली 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राजद और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे। सीवान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने लालू यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा। कहा, राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा, सीवान की जनता को सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी।

तमिलनाडु में अगले सप्ताह से शुरू होगा एसआईआर: आयोग

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के वर्ष 2026 में होने वाले चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अगले सप्ताह से आरंभ होगी। भारत चुनाव आयोग ने यह जानकारी गुरुवार को मद्रास हाईकोर्ट को दी।

आयोग ने बताया कि यह प्रक्रिया चुनावों से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन करने के लिए पूरे देश में वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम का हिस्सा है। यह जानकारी हाईकोर्ट में उस याचिका की सुनवाई के दौरान दी गई, जिसे अन्नाद्रमुक के पूर्व विधायक सत्यनारायणन ने दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि चेन्नई के टी. नगर में द्रमुक के लगभग 13,000 अन्नाद्रमुक समर्थकों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

पति और उसकी मां के लिए अपशब्द लिखने वाली रेलवे अफसर की तलाक के खिलाफ अपील खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने तलाक मंजूर करने के परिवार न्यायालय के निर्णय के खिलाफ रेलवे की उस ए क्लास महिला अफसर की अपील खारिज कर दी जिसने पति को कमीना और कुतिया का बेटा जैसे संदेश भेजे गए थे। कोर्ट ने कहा है कि पति के अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना मानसिक क्रूरता है, जो तलाक का आधार है।

हाईकोर्ट ने परिवार अदालत के तलाक आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि अपमानजनक भाषा का प्रयोग, शारीरिक हिंसा और सामाजिक अलगाव समेत महिला का क्रूरतापूर्ण कृत्य अपने आप में विवाह विच्छेद के लिए पर्याप्त आधार हैं। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने 17 अक्टूबर को पारित अपने फैसले में कहा, महिला ने पुरुष को घृणित, अपमानजनक और निंदनीय संदेश भेजे, जिसमें उसके अधिकार पर सवाल उठाना और उसकी मां के खिलाफ निंदनीय आरोप लगाना शामिल था। अदालत ने कहा, ऐसे संदेश जिनमें कमीना, कुतिया का बेटा जैसे शब्द इस्तेमाल किए गए और कहा गया कि उसकी मां को वेश्यावृत्ति करके कमाई करनी चाहिए, अपने आप में सबसे गंभीर प्रकार की मानसिक क्रूरता है।

- हाईकोर्ट ने कहा- पति के अधिकार पर सवाल उठाना, उसकी मां पर निंदनीय आरोप लगाना क्रूरता

बोली- मेरे साथ हुई क्रूरता

हाईकोर्ट ने यह आदेश महिला द्वारा दायर अपील पर पारित किया, जिसमें दावा किया गया था कि परिवार अदालत ने उसके साथ हुई क्रूरता पर विचार नहीं किया तथा पति को गलत तरीके से तलाक दे दिया। महिला भारतीय रेलवे यातायात सेवा की ग्रुप ए अधिकारी है और पुरुष पेशे से वकील है। दोनों ने जनवरी 2010 में विवाह किया था और मार्च 2011 में वे अलग हो गए। यह दोनों की दूसरी शादी थी। परिवार अदालत ने पति के पक्ष में उसकी अलग रह रही पत्नी द्वारा की गई क्रूरता के आधार पर 2023 में तलाक का आदेश दे दिया।

पनामा में रोबोटिक्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्र सम्मानित

बेंगलुरु। दिव्याश्री ने स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट और द इनोवेशन स्टोरी के सहयोग से रेवा विश्वविद्यालय के साथ बेंगलुरु स्थित एक सरकारी स्कूल के पांच उन छात्रों को सम्मानित किया जो पनामा में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज 'रोबोटिक्स ओलंपिक 2025' में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। भारत के नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए इसे एक गौरवपूर्ण क्षण बताया गया।

सम्मान समारोह रेवा विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया जहां सरकारी हाई स्कूल मल्लेश्वरम के छात्र अर्जुन के राज (रोबोट सीएडी डिजाइनर), जीएन चंदन राज (इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख), गौरेश के (रोबोट प्रोग्रामर), निंगराज (मैकेनिकल प्रमुख) और परशुराम एम (रोबोट चालक) ने अपने रोबोट का प्रदर्शन किया। रेवा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पी श्यामा राजू ने युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की। इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर गगन गोयल ने नवाचार के तीन पी - प्रेरणा, धैर्य और दृढ़ता पर विचार साझा किए। द इनोवेशन स्टोरी की संस्थापक मीनल मजूमदार ने छात्रों को जिज्ञासा और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

- रेवा विश्वविद्यालय दिव्याश्री और रेवा विश्वविद्यालय ने किया सम्मान

छात्रों ने अपने रोबोट का भी प्रदर्शन किया, जो इको इक्विलिब्रियम चुनौती में प्रतिस्पर्धा करेगा। यह वैश्विक कार्यक्रम 190 से अधिक देशों के युवा नवप्रवर्तकों को एक साथ लाता है, जो समस्या-समाधानकर्ताओं और परिवर्तनकर्ताओं की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाता है। कार्यक्रम में एफसीजी टीम इंडिया के संरक्षक अखिल अरुण मेनन और संकाय सदस्यों तथा रेवा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

लेह हिंसा की न्यायिक जांच आज से शुरू होगी

लेह/जम्मू। लेह में 24 सितंबर को हुई हिंसक झड़पों की न्यायिक जांच शनिवार से शुरू होगी और इस दौरान पीड़ितों को जांच पैनल के सदस्यों के समक्ष अपनी गवाही दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। केंद्र ने लेह में हुई हिंसक झड़पों की उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच कराए जाने की 17 अक्टूबर को घोषणा की थी। यह लद्दाख के प्रदर्शनकारी समूहों की एक प्रमुख मांग थी। लेह में हुई इस झड़प में 1999 के करगिल युद्ध में हिस्सा लेने वाले एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की जान चली गई थी। विधि एवं न्याय विभाग के सलाहकार कुरैशी तारिक महमूद द्वारा शुक्रवार को जारी एक आदेश में कहा गया, लेह शहर में हुई 24 सितंबर की घटना की न्यायिक जांच 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक लेह के मेलोंगथांग स्थित वैकल्पिक विवाद निवारण केंद्र में होगी।

पुलिसकर्मी ने किया बलात्कार, हाथ पर सुसाइड नोट लिख सरकारी डॉक्टर ने की आत्महत्या

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक सरकारी अस्पताल में कार्यरत महिला चिकित्सक ने फंदे पर लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा है, जिसमें उसने एक पुलिसकर्मी पर बलात्कार और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना का संज्ञान लेते हुए सतारा के एसपी तुषार दोशी से फोन पर बात की और आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक को तत्काल बर्खास्त करने का आदेश दिया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बीड जिले से ताल्लुक रखने वाली 28 वर्षीय महिला चिकित्सक फलटण तहसील के एक सरकारी अस्पताल में काम करती थीं। महिला चिकित्सक का शव बृहस्पतिवार देर रात फलटण में एक होटल के कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, महिला चिकित्सक ने अपनी हथेली पर लिखे 'सुसाइड नोट' में आरोप लगाया है कि पिछले पांच महीनों में सतारा के एक पुलिस उपनिरीक्षक ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि एक अन्य व्यक्ति उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि सुसाइड नोट में महिला चिकित्सक ने लिखा है कि उपनिरीक्षक गोपाल बदाने ने उसके साथ कई बार बलात्कार किया, जबकि पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बनकर ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

मोदी बताएं, 65% आरक्षण का प्रावधान नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले शुक्रवार को कहा कि उन्हें यह बताना चाहिए कि पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्पूरी ठाकुर जी के गांव जा रहे हैं। उनके लिए तीन सीधे सवाल हैं। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी। क्या यह सही नहीं है कि आपकी पार्टी के वैचारिक पूर्वज जनसंघ और आरएसएस ने उनकी आरक्षण नीति का खुलकर विरोध किया था। क्या उस समय जनसंघ-आरएसएस ने सड़कों पर कर्पूरी ठाकुर जी के खिलाफ अपमानजनक और घृणा से भरे नारे नहीं लगाए थे क्या उस दौर में जनसंघ-आरएसएस खेमे के प्रमुख नेताओं ने कर्पूरी ठाकुर सरकार को अस्थिर करने और गिराने में अहम भूमिका नहीं निभाई थी। कांग्रेस नेता ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री आज उस ऐतिहासिक गलती के लिए अपने वैचारिक पूर्वजों - जनसंघ और आरएसएस की ओर से माफ़ी मांगेंगे।

भाजपा ने नीतीश को हाईजैक किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री: तेजस्वी

पटना। राजद के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राजग की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। राजद नेता ने दावा किया, अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार को भाजपा ने हाइजैक कर लिया है और गुजरात के दो लोग संकेत रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह बिहार चला रहे हैं।

भारत की गर्जना...

अहमदाबाद। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) शुक्रवार को गुजरात के मेहसाणा में हवाई अड्डे के ऊपर युद्धाभ्यास करती हुई।

अमेरिका-रूस के बीच विवाद

अमेरिका और रूस के बीच तनाव एक पुरानी समस्या है, जो हाल के वर्षों में और भी बढ़ गई है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। जिनमें रूस के तेल और गैस क्षेत्र को निशाना बनाना शामिल है। हाल ही में, अमेरिका ने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत भी रूस से तेल खरीदना बंद कर दे और उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित करे।

भारत का यह कहना है : भारत सरकार ने कहा है कि उसकी ऊर्जा नीति बाजार की जरूरतों और राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने अमेरिका को आश्वस्त किया है कि उसके साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को भी ध्यान में रखेगा।

भारत के लिए चुनौतियां

अमेरिका को क्या फायदा होगा?

अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देता है, तो अमेरिका को कई फायदे होंगे। रूस की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, जिससे वह यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान को जारी रखने में मुश्किलों का सामना करेगा। अमेरिका को अपने ऊर्जा बाजार को मजबूत करने में मदद मिलेगी, जिससे उसकी ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी। भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार होगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा।

रूस की सख्त प्रतिक्रिया

प्रतिबंधों को लेकर रूस की प्रतिक्रिया बहुत ही सख्त और आत्मविश्वास से भरी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी प्रतिबंधों को अनफ्रेंडली एक्ट बताया है और कहा है कि इससे रूस और अमेरिका के बीच संबंधों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पुतिन ने कहा है कि इन प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। पुतिन ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर रूस पर अमेरिकी टोमहॉक मिसाइलों से हमला किया गया, तो जवाब बहुत मजबूत होगा। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि प्रतिबंध रूस-यूक्रेन संघर्ष की समाप्ति को बातचीत की संभावनाओं को कम करेंगे।

अमेरिका रूस से यह चाहता है

अमेरिका रूस से चाहता है कि वह यूक्रेन पर हमला बंद करे और अपने सैनिकों को वापस बुलाए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन मुद्दे पर रूस के साथ समझौता करने की इच्छा जताई है, लेकिन यूक्रेन की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने पर जोर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि वह यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौते के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन दोनों पक्षों को अपनी सहमति देनी होगी।

भारत के समक्ष मुश्किलें

ट्रंप प्रशासन ने भारत को चेतावनी दी है कि वह रूस से तेल खरीदना जारी रखता है, तो उसे आर्थिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेल खरीदता है। भारत ने रूस से तेल खरीदने का फैसला अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हित में लिया है, लेकिन अमेरिका के दबाव का सामना करना उसके लिए मुश्किल हो रहा है।

जटिल मुद्दा, कई पक्षों के हित शामिल

अमेरिका-रूस विवाद और भारत के लिए चुनौतियां एक जटिल मुद्दा है, जिसमें कई पक्षों के हित शामिल हैं। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के हितों को ध्यान में रखते हुए अमेरिका के दबाव का सामना करना होगा और अपनी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करना होगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

लंदन में ईयू नेताओं से मिलेंगे जेलेंस्की

लंदन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की शुक्रवार को 20 से अधिक यूरोपीय नेताओं के साथ वार्ता के लिए लंदन में होंगे। इन नेताओं ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को रोकने के लिए संघर्षविराम होने पर यूक्रेन को भविष्य में रूस की आक्रामकता से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर द्वारा आयोजित इस बैठक में सर्दियों के आगमन के साथ रूस द्वारा लगभग हर दिन किए जाने वाले ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की विद्युत ग्रिड की सुरक्षा करने में मदद के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही यूक्रेनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने और कीव को रूस के अंदर तक हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलों की आपूर्ति करने पर भी चर्चा की जाएगी।

कनाडा : दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

ओटावा। कनाडा पोस्ट ने देश के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने का जश्न मनाने के लिए दिवाली की थीम पर आधारित एक नया डाक टिकट जारी किया है। ओटावा स्थित भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में दिवाली के उपलक्ष्य में पारंपरिक रंगोली वाला डाक टिकट जारी करने के लिए 'कनाडा पोस्ट' का आभार जताया। 'कनाडा' पोस्ट ने कहा कि दीपावली न सिर्फ कनाडा, बल्कि दुनियाभर में हिंदुओं, सिखों, बौद्ध, जैनियों और अन्य समुदायों द्वारा मनाया जाने वाला एक प्रमुख त्योहार है तथा इस अवसर पर देश की सांस्कृतिक विविधता को मान्यता देते हुए एक डाक टिकट जारी कर हमें गर्व महसूस हो रहा है।

पाकिस्तान में आठ आतंकवादी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को खुफिया सूचना पर आधारित एक अभियान के दौरान टीटीपी के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह अभियान लक्की मारवात जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में चलाया गया। जिसमें प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आठ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। एक अन्य घटना में, शुक्रवार को दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे टैंक जिले में अज्ञात हमलावरों ने विस्फोट कर एक नवनिर्मित सरकारी बालिका प्राथमिक विद्यालय भवन को उड़ा दिया। घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुड्ढा गांव में हुई। इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका का दावा, भारत ने रूस से तेल आयात कम करना शुरू किया

व्हाइट हाउस ने कहा-राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध के बाद ही भारत ने ऐसा किया

वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल आयात को कम करना शुरू कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर आप रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखें, तो वे काफी सख्त हैं। वह यह बात रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बुधवार को लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के संदर्भ में कह रही थीं। ये प्रतिबंध रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच मॉस्को के प्रमुख राजस्व स्रोतों को सीमित करने के प्रयास का हिस्सा हैं। लेविट ने कहा, मैंने कुछ अंतर्राष्ट्रीय खबरें देखी हैं जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल की खरीद घटा रहा है; हमें पता है कि भारत ने भी राष्ट्रपति के अनुरोध पर ऐसा किया है।

उन्होंने बताया कि वाशिंगटन ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह किया है, जिसे उन्होंने मॉस्को के युद्ध-वित्तपोषण चैनलों के खिलाफ एक पूर्ण दबाव अभियान बताया। अमेरिकी प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने रूस से तेल आयात में उल्लेखनीय कमी लाने का आश्वासन दिया है।

- वाशिंगटन का यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात घटाने का आग्रह

भारत हालांकि लगातार यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा नीति उसके राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित होती है विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने के लिए कि उसके उपभोक्ताओं को सस्ती और सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति मिले। अमेरिका का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीदकर भारत, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए आर्थिक सहायता दे रहा है। भारत और अमेरिका के बीच बीच संबंध हाल के दिनों में तनावपूर्ण हो गए हैं, खासकर तब जब ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर शुल्क दोगुना, 50 प्रतिशत तक कर दिया, जिसमें रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। भारत ने इस अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अविवेकी बताया है।

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने पहले ही संकेत दिया था कि वह रूस के खिलाफ उचित और आवश्यक समय आने पर कार्रवाई करेंगे और कल वही दिन था। उन्होंने कहा कि ट्रंप काफी समय से पुतिन के प्रति नाराज़गी व्यक्त करते रहे हैं क्योंकि पुतिन शांति समझौते की दिशा में पर्याप्त रुचि या पहल नहीं दिखा रहे थे। ट्रंप और पुतिन की इस वर्ष के अंत में हंगरी में बैठक प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। लेविट ने कहा कि बैठक पूरी तरह से टली नहीं है।

भारतीय रिफाइनरी पश्चिम एशिया से अधिक तेल खरीदेंगी, अमेरिका ले सकता है रूस की जगह

नई दिल्ली। दो रूसी तेल उत्पादक कंपनियों पर अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से कच्चे तेल आयात में होने वाली कमी की भरपाई के लिए पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका और अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकती हैं। सूत्रों और विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। अमेरिकी सरकार ने 22 अक्टूबर को रूस के दो सबसे बड़े कच्चे तेल उत्पादकों रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल पर प्रतिबंध लगा दिए। सभी अमेरिकी संस्थाओं और व्यक्तियों को इन कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोक दिया गया है। इस समय भारत के कच्चे तेल आयात में लगभग एक तिहाई हिस्सा रूस का है। रूस ने भारत को वर्ष 2025 में औसतन लगभग 17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का निर्यात किया। इसमें से लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन तेल सीधे रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से आया। इनमें से ज्यादातर तेल निजी रिफाइनरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी ने खरीदा था। सरकारी रिफाइनरी कंपनियों की इसमें कम हिस्सेदारी ही रही है। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल की आवक 16-18 लाख बैरल प्रतिदिन के दायरे में रहने की उम्मीद है, लेकिन उसके बाद रॉसनेफ्ट और ल्यूकऑयल से सीधे आयात में गिरावट आ सकती है। जाहिर है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहती हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों की तत्काल आवश्यकता : जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक निकाय का कामकाज अवरुद्ध हो गया है। भारत ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बचाने संबंधी पाकिस्तान के प्रयासों का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक रणनीति के नाम पर आतंकवाद के पीड़ितों और गुनाहगारों की तुलना करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने यह टिप्पणी भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तौलने की प्रवृत्ति की ओर इशारा करते हुए की, खासकर हाल में हुए आतंकवादी हमले के संदर्भ में। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संयुक्त राष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं है क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में होने वाली बहसें अब बहुत ज्यादा बंटी हुई हैं और उसका कामकाज साफ तौर पर रुका हुआ दिख रहा है।

जयशंकर ने कहा कि किसी भी सार्थक सुधार को उसकी अपनी प्रक्रिया के जरिए ही रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को बनाए रखना तथा इसके पुनर्निर्माण की मांग करना स्पष्ट रूप से विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है।

संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए विदेश मंत्री।

- विदेशमंत्री बोले-अवरुद्ध हो गया है वैश्विक निकाय का काम
- यूएन की 80वीं वर्षगांठ पर कहा-संयुक्त राष्ट्र में सब ठीक नहीं

पीड़ितों-अपराधियों को एक श्रेणी में रखना निंदनीय

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के पीड़ितों और अपराधियों को एक ही श्रेणी में रखना दुनिया को और अधिक निंदनीय बना देता है। जब खुद को आतंकवादी कहने वालों को प्रतिबंधों से बचाया जाता है, तो इसमें शामिल लोगों की ईमानदारी पर सवाल उठता है। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य है। जुलाई में वह इस शीर्ष वैश्विक संस्था का अध्यक्ष था।

जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के प्रति संयुक्त राष्ट्र की प्रतिक्रिया से ज्यादा, कुछ उदाहरण संयुक्त राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों को दर्शाते हैं। जब सुरक्षा परिषद का एक वर्तमान सदस्य उसी संगठन का खुलेआम बचाव करता है जिसने पहलगाम जैसे बर्बर आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, तो इससे बहुपक्षवाद की विश्वसनीयता पर क्या असर पड़ता है? जयशंकर ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी टिप्पणी से यह स्पष्ट था कि वह उसी देश का उल्लेख कर रहे थे।

लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी समूह से जुड़े 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली थी। जुलाई में यूएनएससी की रिपोर्ट में पहलगाम हमले में टीआरएफ की भूमिका का उल्लेख किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान ने पहलगाम हमले की निंदा करने वाले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य में टीआरएफ का उल्लेख हटाने का प्रयास किया था। जयशंकर ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र ज्वलंत मुद्दों का समाधान करने में विफल रहा है।

दक्षिण कोरिया में ट्रंप और जिनपिंग की होगी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी

- टैरिफ वार को देखते हुए दोनों की मुलाकात मानी जा रही महत्वपूर्ण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते एशिया यात्रा के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रंप गुरुवार को एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन (एपेक) में भाग लेने के लिए दक्षिण कोरिया रवाना होंगे, जहां वह इस सम्मेलन से इतर शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह मुलाकात ऐसे समय में होने वाली है जब दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते ही नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी थी। इधर चीन ने भी दुर्लभ मृदा खनिजों के निर्यात पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप ने हालांकि कुछ हफ़्ते पहले कहा था कि वह एपेक शिखर सम्मेलन में शी जिनपिंग से मिलेंगे, लेकिन उन्होंने सटीक तारीख के बारे में नहीं बताया था।

दुर्लभ-पृथ्वी खनिजों पर चीन के प्रतिबंधों को लेकर उनके मुलाकात के रद्द होने की संभावना भी जताई जा रही थी।

गाजा शांति समझौता स्थिरता की दिशा में ऐतिहासिक कदम

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गुरुवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा कि भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए।

- दो राष्ट्र समाधान से ही इजराइल-फलस्तीन में स्थायी शांति : भारत

उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है। हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की। भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा कि दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें। भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र, संप्रभु और सक्षम फलस्तीनी राष्ट्र का समर्थन करता आया है, जो सुरक्षित और मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर इजराइल के साथ शांति के साथ रहे और सुरक्षित रहे। हरीश ने कहा कि संवाद और कूटनीति ही शांति का रास्ता हैं। अमेरिका की यह ऐतिहासिक पहल शांति की दिशा में कूटनीतिक गति लेकर आई है और सभी पक्षों को अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए। भारत किसी भी एकतरफा कदम का दृढ़ता से विरोध करता है।

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन

फलस्तीनी जनता के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करते हुए हरीश ने पिछले महीने दो-राष्ट्र समाधान के क्रियान्वयन पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र उच्चस्तरीय सम्मेलन का हवाला दिया, जिसमें आगे की राह पर बल दिया गया था। मानवीय मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारत ने अब तक 17 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सहायता फलस्तीन को दी है, जिसमें चार करोड़ डॉलर के चल रहे प्रोजेक्ट और पिछले दो वर्षों में 135 मीट्रिक टन दवाएं एवं राहत सामग्री शामिल हैं। हरीश ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सहयोग के बिना फलस्तीनी लोग अपना जीवन नए सिरे से शुरू नहीं कर सकते हैं। उन्होंने निवेश और रोजगार के अनुकूल आर्थिक ढांचे के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी मोर्चे पर शांति और स्थिरता का प्रभाव व्यापक क्षेत्र पर पड़ता है... वार्ता जारी रहनी चाहिए और संवाद एवं कूटनीति की प्रभावशीलता पर अटूट विश्वास बनाए रखना आवश्यक है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 26 अक्टूबर 03 .48 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

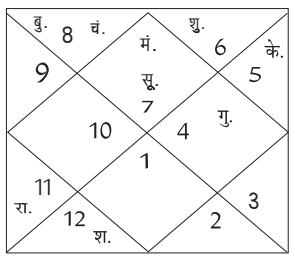

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अनुराधा 07 .51 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष — आज सोच-समझकर ही धन संबंधी निर्णय लें। खानपान में शुद्धता का ध्यान रखना आवश्यक होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधान रहना चाहिए। अनैतिक कृत्यों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। अपने शुभचिंतकों की सलाह को अन्यथा न लें।

वृष — आज आपकी योजना सफल होगी। विवादों को सुलझा सकते हैं। घर में कुछ मेहमानों का आगमन हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है।

मिथुन — आज नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें। अपनी योजनाओं को लोगों के सामने साझा न करें। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। आप दूसरों की सहायता करने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण अनुशासित रहेगा।

कर्क — आज कारोबार को लेकर अधिक तनाव न लें। उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपनी क्षमता और योग्यता पर संदेह न करें। आलस्य में अपना समय बर्बाद न करें। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़े गंभीर रहें।

सिंह — आज यदि घर बेचना चाह रहे हैं, तो आपको शुभ परिणाम मिलने की संभावना है। विरोधी आपकी आलोचना कर सकते हैं। कुछ लोग आपका मूड खराब करने का प्रयास करेंगे। उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे।

कन्या — आज काम के प्रति एकाग्रता में वृद्धि होगी। आपकी समस्याओं का समाधान आपको मिल सकता है। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

तुला — आज आपको अनावश्यक खर्च करने से बचना चाहिए। लोग आपकी बातों का गलत मतलब न निकालें इसका ध्यान रखें। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं।

वृश्चिक — आज साझेदारी वाले व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है। फिलहाल वर्तमान के कार्यों में ही ध्यान दें। भविष्य की योजना न बनाएं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। आप रोमांचक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

धनु — आज नौकरी में अचानक स्थान परिवर्तन से परेशान हो सकते हैं। भूमि संबंधित मामलों में अड़चन आने की संभावना है। आदर्शवादी होने से आपको बचना चाहिए। लोग आपको धोखा दे सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

मकर — आज पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। अपना खानपान अत्यंत संतुलित रखें। सभी काम सही समय पर पूर्ण हो जाएंगे। आपकी सलाह से लोगों को बहुत लाभ होगा। प्रेम संबंधों को परिवार से स्वीकृति मिल सकती है।

कुंभ — आज लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। लंबित योजनाओं को क्रियान्वित करने में सरलता होगी। परिवार में थोड़ा काम की अधिकता रहेगी। पिताजी अथवा गुरुजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

मीन — आज बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है। अध्यात्मिक चिंतन को आप समय देंगे। बुजुर्गों के व्यवहार से आप आहत हो सकते हैं। व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित कर लें।

सुडोकू-140

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4	6						
		7	5					4
		9		2		8		
4						7		8
			3		7			
5		8						2
		4		6		3		
8		3			9	4		6
	1					9	8	

सुडोकू - 139 का हल

8	7	9	2	4	6	1	3	5
6	5	3	7	9	1	4	8	2
1	2	4	3	8	5	6	9	7
4	8	2	5	7	9	3	6	1
5	3	1	6	2	8	7	4	9
7	9	6	1	3	4	2	5	8
9	1	7	4	5	3	8	2	6
3	6	5	8	1	2	9	7	4
2	4	8	9	6	7	5	1	3

एक्सपीरियंस सेंटर शतरंज को अधिक आकर्षक, इंटरैक्टिव और ग्लोबल बनाने की दिशा में अगला कदम है। मुझे यह देखकर गर्व है कि टेक महिंद्रा खेल के विस्तार और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए टेक्नोलॉजी का कैसे प्रयोग कर रहा है।

विश्वनाथन आनंद

स्टेडियम

कानपुर, शनिवार, 25 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पंजाब एफसी ने पाब्लो से किया अनुबंध

मोहाली : पंजाब एफसी ने इस सप्ताहांत गोवा में शुरू होने वाले सुपर कप फुटबॉल टूर्नामेंट से पहले शुक्रवार को ब्राजील के अनुभवी सेंटर बैक पाब्लो रेनन डॉस सैंटोस को एक साल के अनुबंध पर टीम में शामिल किया। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी को विश्व भर की कई फुटबॉल लीग में खेलने का व्यापक अनुभव है और उनकी मौजूदगी से पंजाब एफसी की टीम की रक्षा पंक्ति को मजबूती मिलेगी। पंजाब की टीम से जुड़ने के बारे में पाब्लो ने कहा कि पंजाब एफसी की टीम का इस सत्र में काफी व्यस्त कार्यक्रम है और मैं यहां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को तैयार हूं। मैं चुनौती के लिए तैयार हूं।

अली तरीन ने पीसीबी का कानूनी नोटिस फाड़ा

कराची : पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) की फ्रेंचाइजी मुल्तान सुल्तांस के मालिक अली तरीन ने रिकॉर्डेड वीडियो में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा उन्हें भेजे कानूनी नोटिस को फाड़ दिया, जिसमें उनकी टीम का अनुबंध समाप्त करने की धमकी दी गई थी। अली तरीन और पीसीबी के बीच विवाद अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गया है। गुरुवार को इसका खुलासा हुआ कि पीसीबी ने इस फ्रेंचाइजी को कानूनी नोटिस भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह पीएसएल के संचालन के तरीके की आलोचना करने पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगे तथा ऐसा नहीं करने पर उनका फ्रेंचाइजी अनुबंध रद्द कर दिया जाएगा।

जडेजा की मौजूदगी से मध्य प्रदेश के खिलाफ सौराष्ट्र मजबूत स्थिति में

रणजी ट्रॉफी

राजकोट, एजेंसी

सौराष्ट्र की टीम रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी के दूसरे दौर के मैच में शनिवार को जब मध्य प्रदेश के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो शानदार लय में चल रहे अनुभवी हरफनमौला रविंद्र जडेजा की मौजूदगी से टीम का मनोबल काफी ऊंचा होगा। जडेजा की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी निरंजन शाह स्टेडियम की पिच पर सौराष्ट्र की गेंदबाजी को मजबूती देगी, जहां पिछले सप्ताह कर्नाटक के खिलाफ पहले दौर के मैच में स्पिनरों ने 31 विकेट चटकाए थे।

चेतेश्वर पुजारा के संन्यास के बाद सौराष्ट्र का मध्यक्रम पिछले मैच में कमजोर नजर आया, लेकिन जडेजा की मौजूदगी से टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। जडेजा शानदार लय में चल रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड में पांच मैचों की शृंखला में बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में नाबाद 104 रन की पारी खेली। मध्य प्रदेश को उम्मीद होगी कि पंजाब के खिलाफ नाबाद 205 रन की पारी खेलने वाले कप्तान रजत पाटीदार के साथ वेंकटेश अय्यर और यश दुबे बल्ले से योगदान देना जारी रखेंगे। सौराष्ट्र चाहेगा कि हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़ और अनुभवी अर्पित वासवडा जैसे खिलाड़ी मध्य प्रदेश की गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करें। मध्यप्रदेश की उम्मीदें स्पिनर कुमार कार्तिकेय, शुभम शर्मा और सारांश जैन पर टिकी होंगी जिसने पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया था।

रविंद्र जडेजा

ग्रुप के अन्य मैचों में कर्नाटक की टीम गोवा के खिलाफ जीत का खाता खोलने को जोर लगाएगी। कर्नाटक अपने पहले मैच में सौराष्ट्र के खिलाफ मामूली अंतर से बढ़त लेने से चूक गया था। कप्तान मयंक अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, करुण नायर और आर स्मरण की मौजूदगी से कर्नाटक की टीम कागजों पर मजबूत दिख रही है लेकिन गोवा के पास भी ललित यादव, दर्शन मिसल और सुयश प्रभुदेसाई जैसे खिलाड़ी है जो इस टूर्नामेंट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। ग्रुप बी के अन्य मैचों में पिछले साल के उपविजेता केरल के सामने पंजाब की चुनौती होगी जबकि चंडीगढ़ का समाना महाराष्ट्र से होगा।

हिमाचल के खिलाफ पूरे अंक हासिल करना चाहेगी दिल्ली

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से लबरेज दिल्ली की टीम हिमाचल प्रदेश के खिलाफ पूरे अंक हासिल करने की कोशिश करेगी, लेकिन इस बात पर बहस जारी है कि मुख्य कोच सरनदीप सिंह शनिवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के लिए प्रतिभाशाली प्रियांश आर्य को अंतिम एकादश में चुनेंगे या नहीं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) में अजीबोगरीब चीजें होती रही हैं और भारत ए के मौजूदा क्रिकेटर को बेंच पर बैठाना उनकी शर्मनाक स्थिति में एक कड़ी हो सकती है क्योंकि इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अपने अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच में शतक जड़ा था। दिल्ली और हिमाचल दोनों ने अपने शुरुआती मुकाबले में तीन-तीन अंक हासिल किए थे। कोटला अक्टूबर में रणजी मैचों की मेजबानी कम ही करता है इसलिए पिच सपाट और धीमी रहने की उम्मीद है। उसी तरह रन बनने की उम्मीद है जैसे हैदराबाद में मेजबान टीम के मैच में सनत सांगवान और पदार्पण कर रहे आयुष दोसेजा ने दोहरे शतक लगाए थे। दिल्ली इस मैच में दावेदार के रूप में उतरेगी क्योंकि हिमाचल प्रदेश मजबूत प्रतिद्वंद्वी नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए सरफराज को भारत ए की जरूरत नहीं: शार्दुल

मुंबई। मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने कहा कि सरफराज खान को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के दौरे या शृंखला की जरूरत नहीं है, क्योंकि मध्यक्रम का यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है। भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में पदार्पण करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की शृंखला के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था। शार्दुल ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ घरेलू मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं। मुंबई के रणजी सत्र के मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज़ का शार्दुल ने बचाव करते हुए कहा कि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं, लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।

सरफराज खान

शाहबाज की वापसी, बारिश के खतरे के बीच बंगाल की नजरें दूसरी जीत पर

कोलकाता। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद की वापसी से उत्साहित बंगाल शनिवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच में गुजरात के खिलाफ दूसरी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा। हालांकि चौथे दिन बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने निम्न दबाव मंगलवार तक चक्रवाती तूफान में बदल सकता है और कोलकाता में भारी बारिश का अनुमान है। स्पोर्ट्स हर्निया और बंगाल प्रो टी20 लीग के दौरान लगी कंधे की चोट से उबरने के बाद शाहबाज नवंबर 2024 के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे। वह पिछली बार इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ खेले थे। उनके शामिल होने से टीम को संतुलन प्रदान करने की उम्मीद है जिससे बंगाल की बल्लेबाजी को जरूरी गहराई मिलेगी। शाहबाज ने मैच से पहले नेट्स पर लंबे समय तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। गुजरात के खिलाफ मैच में युवा स्पिन ऑलराउंडर विशाल भाटी की जगह उन्हें अंतिम एकादश में शामिल किए जाने की संभावना है। मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा कि शाहबाज की वापसी से टीम का संतुलन निश्चित रूप से मजबूत होगा। वह गुजरात के खिलाफ अच्छी भूमिका निभा पाएंगे। शाहबाज के आने से बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी जिसकी अगुवाई भारत के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद शमी और आकाश दीप कर रहे हैं। शमी ने पिछले मैच में बंगाल को उत्तराखंड पर आठ विकेट से जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में सात विकेट लिए और आकाश, ईशान पोरेल और सूरज जायसवाल के साथ मिलकर एक मजबूत तेज गेंदबाजी चौकड़ी बनाई। हालांकि पहली पारी में शमी लय में नहीं थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने वापसी की और गेंद को स्विंग और रिवर्स स्विंग कराया जिससे बंगाल को छह अंक मिले।

ऑस्ट्रेलिया में संभवत: रोहित-कोहली का अंतिम मैच

गेंदबाजी की पहेली सुलझाकर वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप से बचना चाहेगा भारत, लेकिन आंकड़े पक्ष में नहीं

- गंभीर को कप्तान शुभमन गिल और कोहली से बड़ी पारियों की दरकार

सिडनी, एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनके साथी रोहित शर्मा शनिवार को यहां जब तीसरे और अंतिम वनडे मैच में खेलने के लिए उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच होगा। रोहित ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे।

यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जबकि वह लगातार जो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने उनके प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अंत की शुरुआत है। रोहित पहली बार 2007-08 में वन डे शृंखला के लिए यहां आए थे जबकि कोहली का सीनियर टीम के साथ पहला दौरा 2011-12 में था जब उन्होंने एडिलेड में टेस्ट शतक लगाकर अपना प्रभाव छोड़ा था। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे शृंखला नहीं होने से यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने वर्तमान शृंखला के पहले दोनों मैच जीत कर सीरीज अपने नाम कर दी है, लेकिन कोहली और रोहित की मौजूदगी से तीसरा वनडे मैच क्रिकेट प्रेमियों के लिए महत्वपूर्ण बन गया है।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मौजूद दर्शक इन दोनों से अच्छी पारी की उम्मीद करेंगे। यह मैच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गौतम गंभीर की कोचिंग वाली भारतीय टीम 0-3 से क्लीन स्वीप से बचना चाहती है, लेकिन आंकड़े भारतीय टीम के पक्ष में नहीं हैं। उसने यहां जो पिछले पांच वनडे मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में जीत मिली है।

कप्तान शुभमन गिल और कोहली दोनों से बड़ी पारी दरकार है और गंभीर को अंतिम मैच में दोनों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दो मैचों में पराजित होने वाली भारतीय टीम गेंदबाजी के अपने संसाधनों के साथ समझौता करने की कीमत पर बल्लेबाजी को मजबूत करने की रणनीति पर फिर से विचार करना चाहेगी क्योंकि कुलदीप यादव जैसे मैच विजेता खिलाड़ी को नजरअंदाज करना टीम के लिए अभी तक अच्छा साबित नहीं हुआ है। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। भारत का वर्तमान टीम प्रबंधन ऑलराउंडर को प्राथमिकता देता रहा है लेकिन नीतीश रेड्डी जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे। हर्षित राणा के मामले में, दूसरे और तीसरे स्पैल में उनकी गति में आई उल्लेखनीय गिरावट इस बात का प्रमाण है कि वह अभी अंतरार्ष्ट्रीय क्रिकेट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जाना चाहिए। जहां तक ऑस्ट्रेलियाई टीम का सवाल है, तो उसने 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल ओवेन और कूपर कोनोली जैसे खिलाड़ियों ने दबाव वाली परिस्थितियों में सही रणनीति तैयार करने और उस पर अमल करने के अपने कौशल का परिचय दिया है। ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए मैट कुहनेमैन को अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है जिन्होंने पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी (विकेट कीपर), जोस इंग्लिस (विकेट कीपर), कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जैक एडवर्ड्स, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, मैट कुहनेमैन।

-मैच पूर्वाह्न 9 बजे।

कुलदीप यादव की वापसी पर रहेंगी नजरें

सिडनी। पर्थ और एडिलेड में हार झेलने के बाद भारत जब सिडनी में सम्मान बचाने उतरेगा तो बड़ा सवाल ये है कि भारत एकदाश में कोई बदलाव करता है या नहीं। हालांकि पर्थ में मिली हार के बाद भी एडिलेड में भारत ने बदलाव नहीं किया था, लेकिन संभव है कि तीसरे मैच में भारत की प्लेइंग इलेवन में बदलाव दिखे। वहीं, भारत ने दोनों मैचों में कुलदीप यादव का रुख नहीं किया है। इस बात को लेकर चर्चा है कि भारत को कुलदीप के रूप में आक्रामक विकल्प के साथ जाना चाहिए या फिर ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों को देखते हुए बल्लेबाजी में गहराई सुनिश्चित करना ही बेहतर है। क्या भारत अपने तेज गेंदबाज़ी आक्रमण को भी धार देने की योजना बनाएगा और प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम वनडे के एकादश मे जगह मिलेगी।

भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से हटा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान ने नवंबर-दिसंबर में भारत में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप से नाम वापस ले लिया है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि की। एफआईएच ने कहा कि 28 नवंबर से 28 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एफआईएच ने कहा कि पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने एफआईएच को सूचित किया कि उनकी टीम भारत के तमिलनाडु में होने वाले हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लेगी। पाकिस्तान ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया था। इस प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान की जगह लेने वाली टीम की घोषणा जल्द होगी। पाकिस्तान को ग्रुप बी में भारत, चिली और स्विट्जरलैंड के साथ रखा गया है और यह देखना बाकी है कि कौन सी टीम उनकी जगह लेती है। यह भारत में होने वाला दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें पाकिस्तान ने भाग नहीं लेने का फैसला किया है। इससे पहले वह इस वर्ष 29 अगस्त से सात सितम्बर तक बिहार के राजगीर में खेले गए पुरुष एशिया कप से भी हट गया था। पहलगाम हमले और भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के रूप में की कार्रवाई से दोनों देशों के बीच खेल संबंध प्रभावित हैं। भारत ने हाल ही में नई नीति की घोषणा की, जिसके तहत वह पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेगा, लेकिन बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उसके साथ प्रतिस्पर्धा करना जारी रखेगा। एशिया कप टी-20 टूर्नामेंट में कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तानी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दिया था।

- एफआईएच बोला- चेन्नई और मदुरै में होने वाले टूर्नामेंट के लिए नई टीम की घोषणा जल्द

हॉकी इंडिया को घटना की जानकारी नहीं

हॉकी इंडिया ने कहा कि उसे पाकिस्तान के हटने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, हमें एफआईएच से कोई सूचना नहीं मिली कि पाकिस्तान ने नाम वापस ले लिया है। मैंने डेढ़ महीने पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ के अधिकारियों से बात की थी और उन्होंने भागीदारी की पुष्टि की थी। इसके बाद क्या हुआ, मुझे जानकारी नहीं है। हमारा कर्तव्य मेज़बान होने के नाते सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट आयोजित करना है और उम्मीद है कि भारत ख़िताब जीतेगा। पाकिस्तान के स्थान पर किसी टीम की घोषणा करना एफ़आईएच पर निर्भर है।

बारिश से श्रीलंका-पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को आईसीसी महिला विश्व कप मैच बारिश से रद्द कर दिया गया। इस मैदान पर 11 में यह पांचवां मैच है जो बारिश से बिना किसी नतीजे के समाप्त हुआ है, जिससे टूर्नामेंट की योजना पर सवाल उठ रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद टॉस हुआ और पाकिस्तान ने 4.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए 18 रन बनाए थे। इसके बाद फिर बारिश आ गई। इससे पहले बारिश से टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी के बाद मैच 34-34 ओवर का हुआ था। इस समय पूर्वोत्तर मानसून इस क्षेत्र में दस्तक देता है, फिर भी आयोजक तय कार्यक्रम के अनुसार चले। रद्द हुए मैचों ने श्रीलंका की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को प्रभावित किया क्योंकि मेजबान टीम एक जीत, तीन हार और बारिश से तीन रद्द मैचों से पांच अंक लेकर आठ टीमों की तालिका में पांचवें स्थान पर रही। पाकिस्तान ने सात मैचों में बिना किसी जीत के अभियान का अंत किया। उसं चार मैच में हार और तीन बेनतीजा रहे। टॉस में तीन घंटे से ज्यादा की देरी हुई क्योंकि तेज हवाओं और बार-बार पिच के निरीक्षण के बीच मैदानकर्मी कवर्स लेकर इधर-उधर भागते रहे। लेकिन अंपायरों को संतुष्ट करने में नाकाम रहे। खिलाड़ी बारिश रुकने की उम्मीद करते रहे लेकिन अधिकारियों को रात 8.10 बजे मैच रद्द करना पड़ा। इस ग्रुप मैच में सभी की निगाहें श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू पर थीं। यह इस खिलाड़ी का आखिरी वनडे विश्व कप माना जा रहा था। हालांकि अगर यह अंत था तो यह श्रीलंकाई खिलाड़ी भारी मन से मैदान से विदा होंगी। भारत से चल रहे तनाव से पाकिस्तान के सभी मैच यहां खेले जा रहे हैं। मैच रद्द करने से पहले दोनों मैदानी अंपायरों ने क्यूरेटर और चौथे अंपायर से बात की और फिर मैदान से चले गए।

लक्ष्य, दीक्षा, शाइना एशिया अंडर-17-15 के क्वार्टर फाइनल में

चेंगदू (चीन)। भारत की लक्ष्य राजेश, दीक्षा सुधाकर और शाइना मणिमुथु ने बैडमिंटन एशिया अंडर-17 और 15 चैंपियनशिप के लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दीक्षा ने चीनी ताइपे की पिन हुआन चियांग को हराकर अंडर-17 के अंतिम आठ में प्रवेश किया। लक्ष्य ने कोरिया की ली युन सेओ को हराकर अंडर-17 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शाइना ने अंडर-15 प्री-क्वार्टर फाइनल में दबदबा कायम करते हुए चीन की ली मान लिन को हराया। अदिति दीपक राज और बीवी पोन्नम्मा वृद्धि ने लड़कियों के युगल वर्ग में शुरुआती गेम गंवाने के बाद कोरिया की ली युन सेओ और पार्क यू जियोंग की जोड़ी को मात दी। चरण राम थिप्पाना और हरि कृष्ण वीरमरेड्डी ने लड़कों के युगल वर्ग में जापान के कोसुके शिनोहारा और हिरोतो नाकात्सुका पर प्रभावशाली जीत दर्ज की।

उत्साह | मंधाना और रावल की जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन बनाए

मंधाना गणना में माहिर, हमारे बीच सहज बातचीत : रावल

नवी मुंबई, एजेंसी

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल को एक साथ आए हुए एक साल भी नहीं हुआ है, लेकिन उन्होंने शीर्ष क्रम में बेहद सफल जोड़ी बनाई है। इन दोनों ने गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़कर पहले विकेट के लिए 212 रन की रिकार्ड साझेदारी की जिससे भारत ने मैच डकवर्थ लुईस पद्धति से 53 रन से जीत कर महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पिछले वर्ष दिसंबर में जोड़ी बनाने के बाद से यह उनकी सातवीं तथा 2025 में पांचवीं शतकीय साझेदारी थी। मंधाना के 95 गेंदों में 105 रन और रावल के 134 गेंदों में 122 रन की बदौलत भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 340 रन का स्कोर बनाया जो इस विश्व कप में किसी भी टीम का सर्वोच्च स्कोर है।

इस जोड़ी ने 23 पारियों में 1,799 रन जोड़े हैं। रावल ने कहा कि उन दोनों के बीच अच्छी समझ है जिससे वह बड़ी साझेदारी निभाने में सफल रही हैं। रावल ने कहा कि हमारे बीच सहज बातचीत होती है। वह मुझे वह करने देती हैं जो मेरा मजबूत पक्ष है और मैं उसमें हस्तक्षेप नहीं करती जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ हैं। जब हम बल्लेबाजी करते हैं तो पूरी बातचीत गणना पर आधारित होती है। हमें बड़ा स्कोर बनाने के लिए कितने रन बनाने होंगे। अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो हमारी बातचीत इस पर आधारित होती है ताकि हम आसानी से लक्ष्य का पीछा कर सकें। वह गणना करने में बहुत अच्छी है और वह जो भी मुझसे कहती है, मैं उसमें शामिल होना पसंद करती हूं। हम दोनों को सहजता के साथ आगे बढ़ना पसंद है। रावल ने जेमिमा रोड्रिग्स की अपने घरेलू मैदान पर 55 गेंदों पर नाबाद 76 रन की पारी पर कहा कि उसने वो रन बनाए जिनकी हमें ज़रूरत थी। तीन मैच हारने के बावजूद टीम के प्रयास में कमी नहीं थी। रावल ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष की उंगली की चोट गंभीर नहीं है।

क्रिकेट में अग्रणी बन सकता है भारत : डिवाइन

नवी मुंबई। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत से मिली हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को भारत से हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई। न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार पर उन्होंने कहा कि हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हम सबसे निचले पायदान पर स्थित छोटा सा देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है। भारत में जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से भिन्न है।